राष्ट्रीय दैनिक

हर खबर की खबर

प्रातः किरण

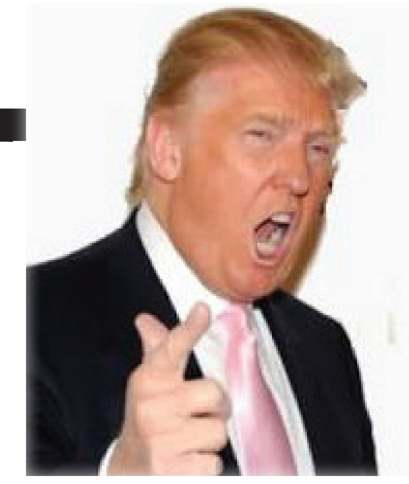

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 कृषि ड्रोन को मिलेगा बढ़ावा, 480 किसान ड्रोन कस्टम हायरिंग सेंटर होंगे स्थापित : विजय

अमेरिका में शटडाउन का संकट टला....12

वर्ष : 14 | अंक : 145 | पटना, गुरुवार, 03 सितंबर, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य : 03.00 | www.pratahkiran.com

कैबिनेट फैसला : नगर निकायों को उनके प्रदर्शन के आधार पर मिलेगी राशि

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई राज्य कैबिनेट की बैठक, 27 एजेंडों पर लगी मुहर

प्रात : किरण

पटना।राज्य के नगर निकायों को अब उनके कार्यों के प्रदर्शन के आधार पर राशि मिलेगी। जो भी शहरी एवं स्थानीय निकाय (अर्बन-लोकल बॉडीज) बेहतर प्रदर्शन करेंगे या अपने संसाधनों को जुटा सकेंगे, वे अतिरिक्त राशि के लिए पात्र होंगे। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित राज्य कैबिनेट की बैठक में इससे संबंधित एजेंडे पर मुहर लगी। मंत्रिपरिषद की बैठक में कुल 27 एजेंडों पर अंतिम रूप से मुहर लगी। नगर निकायों से संबंधित इस अहम फैसले की पूरी जानकारी देने के लिए सूचना भवन के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री श्री नीतीश मिश्रा ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जो शहरी स्थानीय निकाय (अर्बन लोकल बॉडीज) बेहतर प्रदर्शन करेंगे या अपने संसाधनों को बेहतर तरीके से जुटा सकेंगे, वे अतिरिक्त राशि के लिए पात्र होंगे।

मंत्री ने बताया कि 15वें वित्त आयोग का कार्यकाल इस वर्ष 31 मार्च को समाप्त हो गया है। अब 16वें वित्त आयोग के माध्यम से राशि का वितरण हो रहा है। इसके तहत सभी 264 नगर निकायों के लिए आगामी 5 वर्षों के लिए करीब 9 हजार 169 करोड़ रुपये के राशि की स्वीकृति मंत्रिपरिषद की बैठक में दी गई। 15वें और 16वें वित्त आयोग में मुख्य रूप से दो प्रमुख बदलाव आए हैं। आवंटन की 90 फीसदी राशि का आधार अभी भी जनसंख्या ही है। 15वें वित्त आयोग में जो 10 फीसदी राशि क्षेत्रफल के आधार पर दी जाती थी। उसे अब संशोधित करके प्रदर्शन आधारित बना दिया गया है। इसके अलावा नए शहरों के जुड़ने या ग्रामीण क्षेत्रों से शहरीकरण बढ़ने पर दो हजार रुपये प्रति व्यक्ति के आधार पर वन टाइम इंसेंटिव ग्रांट का नया प्रावधान भी जोड़ा गया है। साथ ही पटना नगर निगम के लिए विशेष आधारभूत संरचना घटक के तहत वेस्ट वाटर मैनेजमेंट (अपशिष्ट जल प्रबंधन) के लिए लगभग 5 हजार करोड़ रुपये की योजना का प्रावधान है, जिसमें 60 फिसदी राशि केंद्र सरकार से प्राप्त होगी। 9 हजार 169 करोड़ में 50 फीसदी राशि वेस्ट वाटर मैनेजमेंट पर खर्च होगी। शेष 50 फीसदी राशि यूएलबी (शहरी एवं स्थानीय निकाय) के लिए चिन्हित किए गए 18 कार्यों पर खर्च होगी।

नगर विकास एवं आवास मंत्री श्री मिश्रा ने कहा कि दूसरे प्रमुख एजेंडा के तहत राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना को फिर से वित्तीय वर्ष 2030-31 तक के लिए स्वीकृत किया गया है।

यह योजना वर्ष 2024 में शुरू की गई थी, जिसके तहत विधायकों और विधान पार्षदों की अनुशंसा पर शहरी क्षेत्रों में विकास कार्य चुने जा रहे थे। चुनाव के कारण आचार संहिता लागू होने के कारण कई योजनाओं की प्रशासनिक स्वीकृति नहीं मिल सकी थी। इसलिए इसे फिर से लागू किया गया है। इस योजना के तहत प्रतिवर्ष 500 करोड़ रुपये का आवंटन होगा। प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता वाली जिला संचालन समिति को इन योजनाओं के चयन, संशोधन और तीन गुणा अधिक राशि की योजनाओं को चुनने का अधिकार होगा। पूर्व में इसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम आए थे, जिसे देखते हुए राज्य सरकार ने इसे आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है।

47 पुलों और 55 एसएच पर वसूले जाएंगे टॉल टैक्स

मंत्रिपरिषद की बैठक में लिए गए अन्य निर्णयों की विस्तृत जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पहले चरण में 250 मीटर से अधिक लंबाई वाले 47 पुलों और 55 राज्य उच्च पथों (एसएच) का चयन किया गया है। इन पथों और पुलों से गुजरने वाले वाहनों से पथकर की वसूली होगी। इन पथों पर टॉल बूथ बनाने के लिए 30 करोड़ 94 लाख रुपये के अनुमानित व्यय पर प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। पथकर वास्तविक रूप में वसूली के पहले कई महत्वपूर्ण कार्य जैसे पथों एवं पुलों से गुजरने वाले वाहनों का यातायात सर्वेक्षण कार्य, ओरीजीन-डेस्टीनेशन सर्वे कार्य किया जाना है। पथवार एवं पुलवार टॉल प्लाजा के लिए स्थान का चयन, सड़क या पुल के लेन की संख्या तथा वाहनों के यातायात के आधार पर टॉल प्लाजा का निर्माण किया जाना है।

नेहरू पथ के चौड़ीकरण के लिए 39 करोड़ जारी

अपर मुख्य सचिव ने बताया कि राजधानी की सबसे प्रमुख सड़क नेहरू पथ (बेली रोड) डाकबंगला चौराहा से रूकनपुरा तक के चौड़ीकरण कार्य के लिए 39 करोड़ 80 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस सड़क के 7.20 किमी में चौड़ीकरण करने का प्रस्ताव है। इस पथ पर मौजूद अलग-अलग हिस्से में नाला, फुटपाथ समेत अन्य को तोड़कर चौड़ीकरण करने का भी प्रावधान है। कोतवाली थाना के पास 150 मीटर, नियोजन भवन के पास 400 मीटर, बीपीएससी ऑफिस के पास 500 मीटर और मौर्यलोक के पास 110 मीटर में चहारदीवारी को शिफ्ट करने का प्रावधान किया गया है। लोहिया पथ फ्लाइओवर, राजा बाजार फ्लाइओवर के दोनों तरफ सर्विस लेन में सड़क पर अतिक्रमण रोकने के लिए 5 किमी ग्रिल लगाने की योजना है। चौड़ीकरण के दौरान मार्ग में आने वाले यूटीलिटी, पेड़ समेत अन्य को शिफ्ट करने का प्रावधान किया गया है।

बिहार राज्य बकरी पालक सहकारी फेडरेशन लिमिटेड का गठन

बिहार राज्य बकरी पालक सहकारी फेडरेशन लिमिटेड के गठन की स्वीकृति मिली है। वित्तीय वर्ष 2026-27, 2027-28 और 2028-29 के लिए 14 करोड़ 79 लाख 50 हजार रुपये की स्वीकृति भी मंत्रिपरिषद से प्रदान की गई है। इस प्रस्तावित फेडरेशन के माध्यम से बकरी पालकों

मुख्यमंत्री ने की सभी 38 जिलों में जांच एवं उपचार-चिकित्सा आपके द्वार अभियान की शुरूआत

6 करोड़ लोगों की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग, सभी का होगा डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड : सम्राट

- स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर प्राथमिक जांच और परामर्श देंगे
- अभियान के तहत 30 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों की स्वास्थ्य जांच की जाएगी

प्रात : किरण

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को राज्य के सभी 38 जिलों में जांच एवं उपचार-चिकित्सा आपके द्वार अभियान की शुरूआत की। इस दौरान उन्होंने जागरूकता रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह विशेष अभियान 2 सितंबर से 30 नवंबर तक चलेगा।मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को अभियान की नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान का उद्देश्य बीमारी के गंभीर होने का इंतजार करने के बजाय समय रहते उसकी पहचान और उपचार सुनिश्चित करना है। समय पर जांच से बीमारी की पहचान संभव है और इसके आधार पर बेहतर एवं प्रभावी इलाज कराया जा सकता है।अभियान के तहत 30 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों की स्वास्थ्य जांच की जाएगी। स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर प्राथमिक जांच और परामर्श देंगे। जरूरत के अनुसार मरीजों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर से लेकर जिला अस्पताल तक उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। अभियान में मधुमेह, रक्तचाप, कैंसर, हृदय रोग, सांस एवं फेफड़ों से संबंधित बीमारियों तथा फैटी लिवर की जांच की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार सरकार का लक्ष्य राज्य के करीब 6 करोड़ लोगों की स्क्रीनिंग कर उनका स्वास्थ्य रिकॉर्ड तैयार करना है। इस रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखा जाएगा, ताकि भविष्य में उपचार के दौरान इसका प्रभावी इस्तेमाल किया जा सके। स्वस्थ परिवार ही समृद्ध बिहार की आधारशिला है और लोगों को अपनी बीमारी का समय पर इलाज कराना चाहिए।सम्राट चौधरी ने राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं में हुए सुधार का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जिला अस्पतालों में अब 45 प्रकार की सर्जरी की जा रही है। पहले जिला एवं अनुमंडल अस्पतालों में 36 प्रकार की सर्जरी होती थी। अस्पतालों से मरीजों के रेफरल में कमी आई है और स्थानीय स्तर पर सर्जरी की संख्या बढ़ी है। जून में 2,428 ऑपरेशन हुए थे, जबकि अब यह संख्या बढ़कर 8,000 से अधिक हो गई है।प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और उपकेंद्रों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि एनीमिया की जांच के लिए भी अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें एक करोड़ लोगों की स्क्रीनिंग का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए ह्यमिशन कायाकल्पह्ण शुरू करने की बात कही। इसके तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और उपकेंद्रों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में मानव संसाधन को मजबूत करने के लिए नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेजों के विद्यार्थियों को विदेशी भाषाओं का प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की जाएगी। इससे उन्हें देश के साथ-साथ विदेशों में भी रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे।मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत और बिहार के समृद्ध भविष्य के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य के बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों को स्वस्थ रखना सरकार की प्राथमिकता है।

संक्षिप्त खबरें

नदियों के जलस्तर बढ़ने और संभावित बाढ़ से निपटने के लिए सरकार पूरी तरह से सतर्क : मंत्री

पटना। आपदा प्रबंधन विभाग के मंत्री रत्नेश सदा ने बताया कि बिहार में नदियों के जलस्तर बढ़ने और संभावित बाढ़ से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन विभाग एवं राज्य सरकार पूरी तरह से सतर्क है। राज्य के विभिन्न जिलों में नदियों के बढ़ते जलस्तर और कटाव की स्थिति पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही है, ताकि आमजन को किसी भी आपात स्थिति का सामना न करना पड़े। वहीं, आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल और जल संसाधन विभाग के सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने भागलपुर में जिला प्रशासन के साथ काजीकोरैया-राघोपुर मार्जिनल बांध का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारीद्वय ने पदाधिकारियों को बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत पहुंचाने और गंगा के जलस्तर की सतत निगरानी के दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि भागलपुर के खरीक प्रखंड अंतर्गत राघोपुर पंचायत में काजीकौरैया राघोपुर मार्जिनल बांध के क्षतिग्रस्त होने से प्रभावित आबादी के लिए जिला प्रशासन ने 04 सामुदायिक रसोई केंद्रों का संचालन शुरू किया है। इन केंद्रों के माध्यम से अब तक रिकॉर्ड 43,000 से अधिक थाली पका-पकाया भोजन जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा चुका है।

किसान और व्यापारी मिलकर बिहार को समृद्ध बनाने में अपना योगदान दें: सीएम

- बिहार राज्य खाद्यान्न व्यवसायिक संघ के राज्यस्तरीय सम्मेलन सह 101वीं रामलखन प्रसाद गुप्त जयंती समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री
- खेती की मेहनत और बाजार की ताकत एक साथ आती है तो समृद्धि का रास्ता खुलता है
- बिहार से बाहर रह रहे लोग वापस आएं और बिहार में उद्यम एवं व्यवसाय करें

प्रात : किरण

पटना। बिहार राज्य खाद्यान्न व्यवसायिक संघ के तत्वावधान में खाद्यान्न एवं खाद्य पदार्थ व्यवसायियों के राज्यस्तरीय सम्मेलन-सह-101वीं रामलखन प्रसाद गुप्त जयंती समारोह का आयोजन बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज में किया गया। समारोह में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने रामलखन प्रसाद गुप्त को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को स्मरण किया तथा खाद्यान्न एवं खाद्य पदार्थ व्यवसायियों को राज्य की आर्थिक प्रगति में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती की मेहनत और बाजार की ताकत जब एक साथ आती है तो समृद्धि का रास्ता खुलता है। बिहार की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में किसानों के साथ-साथ व्यवसायियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। किसान और व्यापारी मिलकर काम करें तथा बिहार को समृद्ध बनाने में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि राज्य में व्यवसाय और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। बिहार में कारोबार एवं उद्योग के लिए अपार संभावनाएं हैं। बिहार के जो लोग बाहर रह रहे हैं, वे बिहार वापस आएं और यहां उद्यम करें। बिहार इसके लिए पूरी तरह तैयार है और यहां उद्यम एवं व्यवसाय के लिए पूरी संभावना है।

किसानों और व्यापारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा मुख्यमंत्री ने कहा कि बाजार समितियों में छोटे-छोटे स्थान उपलब्ध कराने के लिए कृषि विभाग योजना तैयार करे ताकि छोटे व्यवसायियों एवं खाद्यान्न कारोबार से जुड़े लोगों को भी अपना व्यवसाय संचालित करने के लिए उचित स्थान मिल सके। इससे स्थानीय स्तर पर व्यापार को बढ़ावा मिलेगा तथा किसानों और व्यापारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प तथा पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समृद्ध बिहार के सपने को साकार करना है, इसके लिए बिहार के किसान और व्यवसायी मिलकर कार्य करें। कृषि उत्पादन को बाजार से जोड़ने, व्यापार को सुगम बनाने और राज्य में रोजगार एवं उद्यमिता के अवसर बढ़ाने के लिए सभी को मिलकर आगे बढ़ना होगा।बैठक में राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप जायसवाल, पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद, विधायक सह मुख्य सचेतक सत्तारूढ दल, बिहार विधान सभा संजीव चौरसिया, पटना नगर निगम की मेयर सीता साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर तीन दिवसीय कृष्णोत्सव का दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ

भगवान कृष्ण के आदर्शों पर चलकर ही समृद्ध बिहार का सपना होगा साकार : सीएम

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर पटना के वीरचंद पटेल स्थित मिलर ग्राउंड में आयोजित तीन दिवसीय कृष्णोत्सव का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अन्याय और अधर्म के खिलाफ संघर्ष का रास्ता दिखाया। भगवान श्रीराम ने जहां मयार्दा का संदेश दिया, वहीं भगवान श्रीकृष्ण ने अन्याय के विरुद्ध खड़े होने और उसके खिलाफ संघर्ष करने की प्रेरणा दी। आज आवश्यकता है कि हम भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में उतारकर बिहार और देश को आगे बढ़ाने का काम करें। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण हमारे लिए भगवान भी हैं और गुरु भी। भगवान श्रीकृष्ण ने न्याय के पक्ष में खड़े होकर पूरी दुनिया को संदेश दिया कि अन्याय के खिलाफ संघर्ष करना आवश्यक है। महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं हथियार नहीं उठाने का संकल्प लिया लेकिन धर्म और न्याय के पक्ष में खड़े रहे। उन्होंने अर्जुन का मार्गदर्शन किया और उन्हें कर्तव्य के रास्ते पर आगे बढ़ाया। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें सिखाता है कि नीति के साथ नेतृत्व भी आगे बढ़ना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकसित भारत का सपना देख रहे हैं और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समृद्ध बिहार का। बिहार सरकार समृद्ध बिहार के निर्माण के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। बिहार की समृद्धि का सबसे बड़ा प्रतीक यहां के नौजवान हैं। वर्ष 2005 के पहले के बिहार और वर्ष 2026 के बिहार में काफी बदलाव आया है। अब बिहार को और तेजी से विकास के रास्ते पर आगे ले जाना है। उन्होंने बिहार के युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को आत्मसात कर बिहार को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार राज्य की जनता और युवाओं के हित में लगातार काम करती रहेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार ऐतिहासिक और आध्यात्मिक धरती है। यहीं गुरु गोविंद सिंह जी का जन्म हुआ, भगवान महावीर का जन्म हुआ और गौतम बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई। ऐसी महान विरासत वाली धरती को विकास और समृद्धि के नए शिखर पर ले जाना हम सभी की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कृष्ण उत्सव के आयोजन के लिए आयोजकों और पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने आयोजन से जुड़े सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों और उनके संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का यह प्रयास आगे भी जारी रहना चाहिए। कार्यक्रम से पहले सांसद शांभवी चौधरी और कार्यक्रम के संयोजक सायन कुणाल ने मोमेंटो, अंगवस्त्र और पाग भेंटकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्यमंत्री ने स्व आचार्य किशोर कुणाल के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री निशांत, कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल, सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री अशोक चौधरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति और बड़ी संख्या में कृष्ण भक्त उपस्थित थे।

बिहार सरकार
बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी
(सामान्य प्रशासन विभाग)

बिहार सरकारी सेवक
शिकायत निवारण प्रणाली

बिहार सरकार के सभी वर्ग के नियमित सेवारत एवं सेवानिवृत्त सरकारी सेवकों के सेवा संबंधी मामलों एवं सेवांत लाभ की शिकायतों के समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावकारी ऑनलाइन निवारण की सुविधा।

कैसे दर्ज करें शिकायत?

ऑनलाइन शिकायत
sevasamadhan.bihar.gov.in पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराएँ।

लोक शिकायत प्राप्ति केन्द्र
लोक शिकायत प्राप्ति केन्द्रों के माध्यम से भी निःशुल्क शिकायत दर्ज कराने की सुविधा उपलब्ध है।

शिकायत का निवारण
जिला एवं विभाग में पदनामित सेवा शिकायत निवारण पदाधिकारी के द्वारा शिकायत की सुनवाई एवं निवारण 60 कार्य दिवसों के अंदर किया जाता है।

अपील की सुविधा
सेवा शिकायत निवारण पदाधिकारी के निर्णय से असंतुष्ट होने पर "अपीलीय प्राधिकार" के समक्ष ऑनलाइन अपील दायर करने की सुविधा उपलब्ध है।

अब तक की उपलब्धि
18,263 शिकायतें प्राप्त
16,660 शिकायतों का सफलतापूर्वक निष्पादन
शेष शिकायतें प्रक्रियाधीन

सरकारी सेवकों के सेवा संबंधी शिकायतों का पारदर्शी, समयबद्ध और प्रभावकारी समाधान

राज्य सरकार के सभी वर्ग के नियमित सेवारत एवं सेवानिवृत कर्मियों की सेवा तथा सेवांत लाभ से संबंधित मामले जिसके सन्दर्भ में शिकायत दर्ज करायी जा सकती है

- अपनी नियुक्ति से संबंधित मामले।
- सेवा सम्पुष्टि से संबंधित मामले।
- वेतन भुगतान एवं वेतन वृद्धि से संबंधित मामले।
- अपनी प्रोन्नति, ए.सी.पी., एम.ए.सी.पी. से संबंधित मामले
- वरीयता निर्धारण से संबंधित मामले ।
- आकस्मिक छुट्टी को छोड़कर शेष छुट्टियों की स्वीकृति से संबंधित मामले ।
- छुट्टी-वेतन से संबंधित मामले ।
- देय भत्तों की स्वीकृति एवं भुगतान से संबंधित मामले ।
- चिकित्सा प्रतिपूर्ति से संबंधित मामले ।
- सेवांत लाभ, जैसे – पेंशन, उपादान, ग्रुप बीमा, अव्यवहृत उपार्जित छुट्टी के बदले नगद भुगतान तथा सामान्य भविष्य निधि भुगतान से संबंधित मामले ।

PR No.- 011047 (G A D)D. 2026-27

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें- sevasamadhan.bihar.gov.in जिज्ञासा हेल्पलाइन: 14403

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

16 चक्के ट्रक से भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त, चालक समेत छह गिरफ्तार

फतुहा। मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर फतुहा थाना क्षेत्र के डुमरी स्थित एक बड़े गोदाम में छापेमारी कर भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद की। कार्रवाई के दौरान गोदाम में अनलोड किए जा रहे 16 चक्के ट्रक से रॉयल स्टैग और रॉयल ग्रीन ब्रांड की शराब की बड़ी खेप पकड़ी गई। शराब के कार्टन पर ह्यफॉर सेल इन पंजाबह्ल लिखा हुआ पाया गया। अधिकारियों के अनुसार, प्राथमिक जांच में 450 से अधिक कार्टन गोदाम में उतारे जा चुके थे, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 48 से 50 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है। आशंका जताई जा रही है कि शराब की खेप उत्तर प्रदेश के रास्ते पटना लाई गई थी। मामले में ट्रक चालक और पांच मजदूरों समेत कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

फतुहा जंक्शन की समस्याओं को लेकर मानव अधिकार मंच का धरना, ट्रेनों के ठहराव व निर्माण की मांग

फतुहा। बुधवार को फतुहा जंक्शन से जुड़ी वर्षों पुरानी समस्याओं को लेकर मानव अधिकार मंच के बैनर तले अध्यक्ष रामयत्न यादव के नेतृत्व में जंक्शन के प्लेटफार्म पर एक दिवसीय धरना दिया गया। धरनार्थियों ने रेलवे और सरकार पर फतुहा जैसे महत्वपूर्ण रेल जंक्शन की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि विकास की घोषणाएं कागजों तक सीमित हैं, जबकि यात्री आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वक्ताओं ने फतुहा जंक्शन पर पटनाझ गया पैसेंजर, हावड़ा जनशताब्दी एक्सप्रेस समेत महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव, पूर्वी रेलवे क्रॉसिंग पर फ्ढइ/ ऋढइ निर्माण, हरदास बिगहा, खुसरूपुर और करौटा स्टेशनों पर प्रमुख ट्रेनों के ठहराव, बंद पड़े स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं के विस्तार तथा फतुहा व आसपास के रेलवे क्रॉसिंगों पर फ्ढइ/ ऋढइ निर्माण की मांग उठाई। धरने में वक्ताओं ने कहा कि फतुहा आसपास के बड़े क्षेत्र के लोगों के आवागमन का प्रमुख केंद्र है, बावजूद इसके रेल सुविधाओं की समस्याएं वर्षों से लंबित हैं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और रेलवे अधिकारियों से आश्वासन के बजाय समयबद्ध कार्रवाई कर समस्याओं का स्थायी समाधान करने की मांग की।

लोजपा (रामविलास) के प्रखंड उपाध्यक्ष दिनेश पासवान के निधन पर परिजनों से मिले जिलाध्यक्ष रंजीत यादव

खुसरूपुर। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) पटना पूर्वी के खुसरूपुर प्रखंड उपाध्यक्ष दिनेश पासवान के निधन के बाद मंगलवार को जिलाध्यक्ष रंजीत यादव ने उनके परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने प्रखंड पदाधिकारियों से बातचीत कर मृतक के परिवार को मिलने वाले सरकारी मुआवजे के संबंध में जानकारी ली तथा आवश्यक पहल करने की बात कही। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में पार्टी परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। मौके पर जिला संगठन सचिव बैजनाथ पासवान, जिला सचिव शिवनाथ पासवान, प्रखंड अध्यक्ष सुरेंद्र पासवान सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जन्माष्टमी व शिक्षक दिवस पर समारोह, नन्हें मुन्नों की रासलीला ने मोहा मन

बिक्रम :- स्थानीय बाघाकोल स्थित न्यू एरा पब्लिक स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं शिक्षक दिवस को लेकर बुधवार को समारोह आयोजित की गई। महोत्सव की शुरूआत निदेशक डॉ अरविंद कुमार व प्राचार्या डॉ नीना कुमार ने भगवान श्री कृष्ण व डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर की। छोटे बच्चे श्रीकृष्ण की वेशभूषा धारण कर कान्हा बने अत्यंत शोभनीय एवं मनोहर लग रहे थे। विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समारोह को जीवंत बना दिया। नर्सरी से कक्षा द्वितीय तक के विद्यार्थियों द्वारा राधा-कृष्ण रूप सज्जा एवं रैम्प वॉक, मनमोहक नृत्य, कविता पाठ, समूह नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति से वातावरण को श्री कृष्ण भक्ति से सराबोर कर दिया, वहीं आठवीं व नौवीं कक्षा के बच्चों द्वारा प्रस्तुत नृत्य-नाटिका विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।आठवीं के आर्यन चंद्र ने अपने भावपूर्ण शब्दों के माध्यम से शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनके मार्गदर्शन एवं समर्पण को नमन किया। समारोह के समापन पर प्राचार्या डॉ. नीना कुमार द्वारा आशीर्वचन एवं उपहार वितरण किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए सभी को समर्पण, अनुशासन, संस्कार और कृतज्ञता के मूल्यों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

एम्स पटना द्वारा 41वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के अंतर्गत नेत्रदान जागरूकता पदयात्रा का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। 41वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े (25 अगस्त से 08 सितंबर 2026) के अवसर पर नेत्र विज्ञान विभाग, एम्स पटना द्वारा 2 सितंबर 2026 (बुधवार) को नेत्रदान जागरूकता पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस पदयात्रा का उद्देश्य आम जनता में नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा कॉर्नियल अंधत्व से पीड़ित लोगों की दृष्टि बहाल करने में कॉर्निया प्रत्यारोपण के महत्व के बारे में जागरूक करना था। जागरूकता पदयात्रा का शुभारंभ प्रातः नौ बजे ओपीडी फोयर से हुआ। लगातार हो रही बारिश के कारण पदयात्रा को आईपीडी कनेक्टिंग कॉरिडोर के माध्यम से आईपीडी फोयर तक ले जाया गया। बारिश भी प्रतिभागियों के उत्साह को कम नहीं कर सकी। पदयात्रा में संस्थान के विभिन्न विभागों के फैकल्टी सदस्यों, रेजिडेंट डॉक्टरों, नर्सिंग कर्मियों, आई बैंक काउंसलरों एवं अन्य कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत नेत्र विज्ञान विभागाध्यक्ष, प्रो. (डॉ.) अमित राज के स्वागत संबोधन से हुई। उन्होंने एम्स पटना नेत्र बैंक की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मई 2025 में आई बैंक की स्थापना के बाद से अब तक 112 नेत्रदान प्राप्त किए जा चुके हैं। प्रो. (डॉ.) अमित राज ने देश में डोनर कॉर्निया की आवश्यकता और उपलब्धता के बीच मौजूद बड़े अंतर पर भी प्रकाश डाला।उन्होंने बताया कि भारत में कॉर्नियल अंधत्व की समस्या को दूर करने के लिए लगभग 2.5 लाख कॉर्निया की आवश्यकता होती है जबकि वर्तमान में लगभग 50,000 कॉर्निया ही एकत्रित किए जा पाते हैं। उन्होंने इस अंतर को कम करने के लिए जन जागरूकता बढ़ाने और अधिक से अधिक लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित करने की आबश्यकता पर जोर दिया।

कार्यकारी निदेशक, एम्स पटना, प्रो.(ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने जागरूकता पदयात्रा का नेतृत्व किया। उन्होंने आम जनता से नेत्रदान के लिए आगे आने तथा मांग और उपलब्धता के बीच के अंतर को कम करने में सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने एम्स पटना आई बैंक को कम समय में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करने के लिए बधाई दी और इस नेक कार्य के लिए निरंतर प्रयास किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि नेत्रदान एक महान एवं मानवीय कार्य है तथा इसमें जनसहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

डीन (एकेडमिक), प्रो. (डॉ.) पूनम भदानी ने आई बैंक टीम एवं नेत्र विज्ञान विभाग को जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के लिए बधाई दी तथा नेत्रदान के इस महान कार्य को बढ़ावा देने के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।डीन (स्टूडेंट अफेयर्स), प्रो. (डॉ.) रुचि सिन्हा ने देश में नेत्रदान की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा कि कॉर्नियल अंधत्व के बोझ को कम करने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। मेडिकल सुपरिंटेंडेंट, प्रो. (डॉ.) प्रशांत कुमार सिंह ने एम्स पटना में आई बैंक की स्थापना तथा मरीजों को सफलतापूर्वक कॉर्निया प्रत्यारोपण सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए नेत्र विज्ञान विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि डोनर कॉर्निया की उपलब्धता बढ़ाने के लिए आम जनता में नेत्रदान के प्रति जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लोगों से मृत्यु के बाद अपने नेत्रदान का संकल्प लेने की अपील की ताकि उनके द्वारा किया गया यह महान दान कॉर्नियल अंधत्व से पीड़ित लोगों के जीवन में रोशनी ला सके। जागरूकता पदयात्रा में प्रो. (डॉ.) अनूप कुमार, विभागाध्यक्ष, ऑर्थोपेडिक्स; प्रो. (डॉ.) अजीत कुमार; डॉ. आनंद राय, विभागाध्यक्ष, न्यूरोलॉजी; डॉ. अभ्युदय कुमार; डॉ.नीरज कुमार; प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार, विभागाध्यक्ष, ट्रॉमा सर्जरी; डॉ. राजीव स्वर्ण; डॉ.आसिम सरफराज, चीफ नर्सिंग ऑफिसर; डॉ. रतीश नायर सहित अन्य फैकल्टी सदस्यों ने भाग लिया। नेत्र विज्ञान विभाग की ओर से डॉ.भवेश चंद्र साहा,डॉ. देव कांत एवं डॉ. अमित कुमार सहित अन्य फैकल्टी सदस्य, सीनियर रेजिडेंट, जूनियर रेजिडेंट, नर्सिंग स्टाफ, आई बैंक काउंसलर एवं संस्थान के अन्य कर्मचारी भी पदयात्रा में शामिल हुए।

स्वास्थ्यकर्मियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा कॉर्निया प्रत्यारोपण सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए एम्स पटना की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। नेत्रदान जागरूकता पदयात्रा के कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वय नेत्र विज्ञान विभाग की अपर प्रोफेसर, डॉ. सोनी सिन्हा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से यह सशक्त संदेश दिया गया कि नेत्रदान एक महान मानवीय कार्य है, जो कॉर्नियल अंधत्व से प्रभावित लोगों के जीवन में दृष्टि और आशा ला सकता है।

एम्स पटना में प्रो. डॉ. निशांत सहाय ने संभाला एनेस्थीसियोलॉजी, पेन मेडिसिन एवं क्रिटिकल केयर विभाग का पदभार

पटना। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना के एनेस्थीसियोलॉजी, पेन मेडिसिन एवं क्रिटिकल केयर विभाग के विभागाध्यक्ष का दायित्व प्रो. डॉ. निशांत सहाय ने संभाल लिया है। उन्होंने यह जिम्मेदारी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. उमेश कुमार भदानी के 31 अगस्त 2026 को सेवानिवृत्त होने के पश्चात ग्रहण की है।उल्लेखनीय है कि प्रो. डॉ. उमेश कुमार भदानी और प्रो. डॉ. निशांत सहाय दोनों मार्च 2013 में एम्स पटना से जुड़े थे। उन्होंने डॉ. चांदनी सिन्हा के साथ मिलकर संस्थान में एनेस्थीसियोलॉजी विभाग की स्थापना और उसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पिछले एक दशक से अधिक समय में विभाग ने उल्लेखनीय प्रगति करते हुए संस्थान के प्रमुख एवं बड़े विभागों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। वर्तमान में विभाग में 13 फैकल्टी सदस्य, लगभग 90 रेजिडेंट्स तथा तकनीकी एवं अन्य सहयोगी कर्मचारी कार्यरत हैं।
एम्स पटना में अपने लंबे कार्यकाल के दौरान प्रो. डॉ. उमेश कुमार भदानी ने चिकित्सा शिक्षा, मरीजों की सेवा, प्रशासन एवं संस्थागत विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने मेडिकल सुपरिंटेंडेंट तथा डीन (एकेडमिक्स) सहित विभिन्न महत्वपूर्ण प्रशासनिक एवं अकादमिक दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया।एक समर्पित चिकित्सक, कुशल शिक्षक, प्रतिष्ठित शिक्षाविद् एवं प्रभावी प्रशासक के रूप में प्रो. डॉ. भदानी ने एम्स पटना के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और संस्थान में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई।एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक डॉ. ब्रिगेडियर राजू अग्रवाल ने प्रो. डॉ. उमेश कुमार भदानी के संस्थान के प्रति लंबे, समर्पित एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

हैंड्स ऑफ ट्रांजिशनः स्वच्छ ऊर्जा और मृदा स्वास्थ्य को लेकर बिहार के चार जिलों में जमीनी अभियान शुरू

- 12 युवा फेलो समुदायों के साथ कर रहे संवाद; भागलपुर, मुंगेर, लखीसराय और जमुई में शुरू हुआ कार्य

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। भारत और ब्राजील में खाद्य एवं ऊर्जा प्रणालियों में बदलाव के लिए समुदायों को केंद्र में रखने वाली वैश्विक पहल हैंड्स ऑफ ट्रांजिशन ने बिहार में अपने जमीनी अभियान की शुरूआत कर दी है। पहल के तहत भागलपुर, मुंगेर, लखीसराय और जमुई जिलों में स्वच्छ ऊर्जा और मृदा स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर समुदायों के साथ संवाद, शोध और सामाजिक ऑडिट की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

इस पहल का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन और खाद्य असुरक्षा से प्रभावित समुदायों के स्थानीय ज्ञान, अनुभवों और जरूरतों को समझना तथा उन्हें समाधान निर्माण और निर्णय लेने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाना है।

12 फेलो संभाल रहे हैं जमीनी कमान

परियोजना के लिए 7 और 8 अगस्त 2026 को फेलो चयन प्रक्रिया आयोजित की गई, जिसमें चारों जिलों के लिए कुल 12 फेलो का चयन किया गया। चयन के बाद फेलो अपने-अपने क्षेत्रों में किसानों, स्थानीय लोगों और समुदाय के अन्य सदस्यों के साथ संवाद कर रहे हैं।फेलो यह समझने का प्रयास कर रहे हैं कि मृदा स्वास्थ्य, कृषि, स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन से जुड़े मुद्दे स्थानीय लोगों के जीवन और आजीविका को किस तरह प्रभावित कर रहे हैं। इन जमीनी अनुभवों के आधार पर परियोजना के आगामी चरणों की योजना तैयार की जाएगी।

पटना में पांच दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण

चयनित 12 फेलो के लिए 29 अगस्त से 2 सितंबर 2026 तक पटना में पांच दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान फेलो को समुदाय के साथ संवाद, शोध एवं डेटा संग्रह, सोशल ऑडिट टूल के उपयोग तथा स्वच्छ ऊर्जा और मृदा स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों की समझ विकसित करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया।फेलो ने प्रशिक्षण के दौरान अपने-अपने जिलों में आगामी गतिविधियों की कार्ययोजना भी तैयार की, जिसमें समुदायों के साथ संवाद और सोशल ऑडिट की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया।**सोशल ऑडिट के जरिए सामने आएंगी समुदाय की आवाज और प्राथमिकताएं**

परियोजना के अगले चरण में चारों जिलों में सोशल ऑडिट टूल को लागू किया जाएगा। इसका उद्देश्य समुदायों की भागीदारी से स्वच्छ ऊर्जा और मृदा स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों, स्थानीय अनुभवों और प्राथमिकताओं को व्यवस्थित रूप से सामने लाना है।

ळंल्ल२ ङ्ग ळ१ल्ल१३ङ्गल्ल का मानना है कि जलवायु परिवर्तन और खाद्य असुरक्षा जैसी चुनौतियों का टिकाऊ समाधान तभी संभव है, जब प्रभावित समुदाय केवल योजनाओं के लाभार्थी न होकर समाधान निर्माण और बदलाव के नेतृत्वकर्ता बनें।बिहार में शुरू की गई यह पहल इसी दृष्टिकोण के साथ स्थानीय समुदायों, विशेषकर युवाओं को जोड़ते हुए आगे बढ़ रही है। आने वाले चरणों में चारों जिलों में संवाद, शोध और सोशल ऑडिट के माध्यम से स्थानीय चुनौतियों एवं संभावित समाधानों को सामने लाया जाएगा।

दानापुर स्टेशन पर गहन टिकट जाँच अभियान 14 ट्रेनों में पकड़े गये 320 बिना टिकट यात्री

प्रातः किरण संवाददाता

दानापुर खगौल रेल थाना के अंतर्गत विशेष टिकट जांच अभियान में काशी जनशताब्दी, मगध, उधना एक्सप्रेस गरीब रथ एवं भभुआ-पटना इंटरसिटी सहित विभिन्न ट्रेनों में 320 बिना टिकट अनियमित टिकट यात्री पकड़े गए।पूर्व मध्य रेल का दानापुर मंडल यात्रियों को उचित टिकट एवं वैध प्राधिकार के साथ यात्रा करने की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर सजग एवं सक्रिय है। बिना टिकट अथवा उचित प्राधिकार के रेल यात्रा करने वाले यात्रियों के विरुद्ध मंडल में नियमित रूप से सघन टिकट जांच अभियान चलाया जाता है।

इसी क्रम में आज 2 तारीख को मंडल रेल प्रबंधक के निदेर्शानुसार वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक अभिनव सिद्धार्थ के नेतृत्व में,सहायक मंडल वाणिज्य प्रबंधक प्रदीप कुमार सहित वाणिज्य विभाग एवं रेलवे सुरक्षा बल फ्ढ्रऋ की संयुक्त टीम द्वारा दानापुर स्टेशन पर विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया।अभियान के दौरान पटनाझकाशी जनशताब्दी एक्सप्रेस मगध एक्सप्रेस भभुआझ पटना इंटरसिटी, उधना एक्सप्रेस गरीब रथ एक्सप्रेस आराझकोलकाता गरीब रथ पटनाझआरा पैसेंजर पटनाझसासाराम पैसेंजर पटनाझ बक्सर पैसेंजर सिकंदराबादझदानापुर एक्सप्रेस कोटाझपटना एक्सप्रेस फतुहाझबक्सर पैसेंजर दानापुर - राजगीर पैसेंजर एवं पटनाझबक्सर पैसेंजर सहित विभिन्न ट्रेनों में, विशेष रूप से आरक्षित कोचों में, टिकट जांच की गई।

इस विशेष अभियान के दौरान 320 यात्रियों को बिना टिकट अनियमित टिकट के साथ यात्रा करते हुए पकड़ा गया, जिनसे नियमानुसार 2,80,250/- जुमार्ना वसूल किया गया।दानापुर मंडल द्वारा इस प्रकार के सघन टिकट जांच अभियान आगे भी निरंतर जारी रखे जाएंगे। यात्रियों से अपील है कि वे बिना टिकट अथवा उचित प्राधिकार के रेल यात्रा न करें, क्योंकि यह रेलवे अधिनियम के तहत दंडनीय है।

प्रणय भारती चंद्रवंशी की हत्या पर बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने जताया गहरा शोक, नवादा एसपी से की बात

प्रातः किरण संवाददाता

नवादा जिले के हिसुआ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचु गढ़पर निवासी 22 वर्षीय प्रणय भारती चंद्रवंशी, पिता श्री मनीष कुमार चंद्रवंशी की गोली मारकर हत्या किए जाने की घटना पर बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने गहरा दुःख एवं शोक व्यक्त किया है।

घटना की जानकारी मिलते ही डॉ. प्रेम कुमार ने नवादा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) से तत्काल दूरभाष पर बात कर पूरे मामले की जानकारी ली तथा हत्या में संलिप्त अपराधी के विरुद्ध कठोर एवं उचित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अपराधी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून से ऊपर कोई नहीं है। पुलिस इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दोषी को गिरफ्तार कर उसे कानून के अनुसार कड़ी सजा दिलाने की दिशा में कार्य करे।

डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि नवादा में कानून-व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा आम नागरिकों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बिहार विधान सभा अध्यक्ष ने मृतक प्रणय भारती चंद्रवंशी की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा शोक-संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि इस अत्यंत दुःख की घड़ी में परिजनों एवं स्वजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

बिहार में 5 साल में बिजली क्षेत्र में 1.38 लाख करोड़ का निवेश होगा

- भारत इलेक्ट्रिसिटी-2026 में ऊर्जा मंत्री ने उद्योग जगत को दिया निवेश का न्योता; 2030 तक 24 हजार मेगावाट रिन्यूएबल एनर्जी और 6 गीगावॉट घंटे स्टोरेज का लक्ष्य

प्रातः किरण संवाददाता

पटना/नई दिल्ली। बिहार अगले पांच वर्षों में बिजली क्षेत्र में 1,38,541 करोड़ रुपए का निवेश करने की तैयारी में है। इसमें बिजली उत्पादन पर 82,679 करोड़, ट्रांसमिशन पर 24,683 करोड़, वितरण पर 28,809 करोड़ और रखरखाव पर 2,370 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। बिहार ने यह निवेश प्रस्ताव भारत इलेक्ट्रिसिटी-2026 के बिहार फोकस स्टेट सेशन में उद्योग जगत के सामने रखा।

विकसित भारत, समृद्ध बिहार : इंवेस्टमेंट, इनोवेशन और ग्रोथह्व विषय पर आयोजित सत्र में ऊर्जा मंत्री श्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने निवेशकों और उद्योगपतियों से बिहार में निवेश करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य समृद्ध बिहार के बिना पूरा नहीं हो सकता। बिहार ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और सरकार निवेशकों को हरसंभव सहयोग देगी।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बिहार में सौर ऊर्जा, रूफटॉप सोलर, बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम, थर्मल पावर, पंप्ड स्टोरेज और न्यूक्लियर ऊर्जा के क्षेत्र में बड़ी संभावनाएं हैं। राज्य में केवल बिजली उत्पादन ही नहीं, बल्कि सोलर उपकरण निर्माण और ऊर्जा अवसंरचना के क्षेत्र में भी निवेश के अवसर उपलब्ध हैं।उन्होंने बिहार की सांस्कृतिक परंपरा और ऊर्जा बदलाव का उल्लेख करते हुए कहा कि छठ पर्व में सूर्य की उपासना की परंपरा बिहार की पहचान है। इसी भावना के साथ राज्य दिन में सौर ऊर्जा का अधिकतम उपयोग और शाम के समय बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने के लिए बैटरी स्टोरेज क्षमता बढ़ा रहा है।

बिजली कंपनियां घाटे से मुनाफे में आईं

ऊर्जा सचिव-सह-अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, इरढलउछ अजय यादव (भा.प्र.से) ने राज्य के बिजली क्षेत्र में हुए बदलावों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बिहार की बिजली वितरण कंपनियों का वित्तीय प्रदर्शन तेजी से सुधरा है। वित्तीय वर्ष 2022 में 2,218 करोड़ रुपए के घाटे की तुलना में वित्तीय वर्ष 2026 में 2,375 करोड़ रुपए का अस्थायी लाभ दर्ज किया गया है। वहीं, अळ&उ लॉस 29.27% से घटकर 11.54% रह गया है। अउर-अफ्फ्रौप भी 0.43 रुपए प्रति यूनिट के अधिशेष में पहुंच गया है।

2030 तक बिजली की मांग 11,747 मेगावाट होने का अनुमान

बिहार में बिजली की पीक डिमांड लगातार बढ़ रही है। वित्तीय वर्ष 2022 में 6,627 मेगावाट रही, अधिकतम मांग अब बढ़कर 9,475 मेगावाट हो गई है। वर्ष 2030 तक इसके करीब 11,747 मेगावाट पहुंचने का अनुमान है। इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए राज्य में उत्पादन, ट्रांसमिशन, वितरण और स्टोरेज क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

पीरपैंती और नबीनगर परियोजनाओं पर काम

प्रमुख परियोजनाओं में 2,400 मेगावाट पीरपैंती थर्मल पावर परियोजना, 1,440 मेगावाट नबीनगर टीपीपी स्टेज-क्क्, इएरर के साथ कजरा सोलर परियोजना, बैटरी स्टोरेज, सोलर पार्क, रूफटॉप सोलर, पंप्ड स्टोरेज परियोजनाएं और इंट्रा-स्टेट ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर शामिल है। राज्य में अब तक 94 लाख से अधिक स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा चुके हैं। इससे बिजली कंपनियों की राजस्व व्यवस्था और डिजिटल संचालन को मजबूती मिली है।

अहमदाबाद-पटना-अहमदाबाद एक्सप्रेस में जुड़ेगा 2 एसी एवं 3एसी का एक अतिरिक्त कोच

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुरः यात्रियों की भीड के मद्देनजर उनकी सुविधा हेतु पटना और अहमदाबाद के मध्य चलने वाली गाड़ी सं. 19421/19422 अहमदाबाद-पटना-अहमदाबाद एक्सप्रेस में द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी एवं तृतीय वातानुकूलित श्रेणी का एक-एक अतिरिक्त कोच लगाने का निर्णय लिया गया है । अहमदाबाद से दिनांक 06.09.2026 से तथा पटना से दिनांक 08.09.2026 से यह प्रभावी होगा ।

गाड़ी सं. 19421/19422 अहमदाबाद-पटना-अहमदाबाद एक्सप्रेस में 2अउ एवं 3अउ का एक-एक अतिरिक्त कोच जोड़ने के उपरांत 2अउ के कोचों की संख्या 02 से बढ़कर 03 तथा 3अउ के कोचों की संख्या 06 से बढ़कर 07 एवं कुल कोचों की संख्या 20 से बढ़कर 22 हो जायेगी ।

यात्रियों की सुविधा के हेतु गया-कामाख्या एक्सप्रेस में लगेंगे 3 एसी का एक अतिरिक्त कोच

हाजीपुरःआगामी पर्व त्योहार के दौरान यात्रियों की संभावित अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर उनकी सुविधा हेतु रेलवे द्वारा गया और कामाख्या के मध्य चलने वाली गाड़ी सं. 15619/15620 गया-कामाख्या-गया एक्सप्रेस में अस्थायी रूप से वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का एक अतिरिक्त कोच लगाए जाएंगे । यह सुविधा कामाख्या से गया के लिए 07.09.2026 से 30.11.2026 तक तथा गया से कामाख्या के लिए 08.09.2026 से 01.12.2026 तक उपलब्ध रहेगी ।

नदियों के बढ़ते जलस्तर के मद्देनजर जिलाधिकारी ने 24 घंटे तटबंध निगरानी एवं सभी आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित करने का दिया निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। पड़ोसी राज्यों में अत्यधिक वर्षा तथा बाणसागर बराज एवं इंद्रपुरी जलाशय से पानी छोड़े जाने के कारण पटना से होकर बहने वाली नदियों के जलस्तर में वृद्धि को देखते हुए जिलाधिकारी श्री कुन्दन कुमार ने बाढ़ की संभावित स्थिति के मद्देनजर सभी संबंधित पदाधिकारियों को सजग एवं सतर्क रहने तथा आवश्यक तैयारियाँ पूरी रखने का निर्देश दिया है।जिलाधिकारी ने सोन बाढ़ सुरक्षा प्रमंडल , खगौल; गंगा-सोन बाढ़ सुरक्षा प्रमंडल, दीघा; पुनपुन बाढ़ सुरक्षा प्रमंडल , अनीसाबाद; पुनपुन बाढ़ सुरक्षा प्रमंडल , पटना सिटी तथा बाढ़ नियंत्रण प्रखंड, बख्तियारपुर के कार्यपालक अभियंताओं को निर्देश दिया कि ईसी बैग, नाइलन क्रेट, ट्रैक्टर, जेनरेटर सहित अन्य फ्लड फाइटिंग मटेरियल संवेदनशील तटबंधों के समीप पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रखें। आवश्यकता पड़ने पर इनका तत्काल उपयोग सुनिश्चित हो, इसके लिए 24 घंटे मजदूरों की व्यवस्था भी रखने को कहा गया। सभी संवेदनशील तटबंधों की अनवरत निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।जिलाधिकारी ने सभी अनुमंडल पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों को निचले एवं संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों पर विशेष नजर रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने के लिए पूर्व से कार्ययोजना तैयार रखने को कहा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि लोगों के निष्कासन के लिए केवल सुरक्षित नाव एवं एसडीआरएफ की नावों का उपयोग किया जाए।

शरणस्थलों में आवश्यक सुविधाएँ सुनिश्चित करने का निर्देश

संभावित प्रभावित लोगों के लिए चिन्हित शरणस्थलों पर पेयजल, शौचालय, प्रकाश, भोजन एवं दवाओं की पर्याप्त व्यवस्था रखने का निर्देश दिया गया।

शरणस्थलों पर कम्युनिटी किचन का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक शरणस्थल के समीप मेडिकल कैंप स्थापित करने को कहा गया। मेडिकल कैंप में जीवनरक्षक दवाओं के साथ सर्पदंश एवं कुत्ते के काटने से संबंधित आवश्यक दवाएँ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रखने का निर्देश दिया गया।जिलाधिकारी ने विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए शरणस्थलों पर आवश्यक व्यवस्थाएँ पहले से सुनिश्चित करने को कहा।

नावों के संचालन में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन

सभी अनुमंडल पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि नदियों में छोटी नाव अथवा डेंगी का परिचालन नहीं हो। केवल सुरक्षित नावों का ही उपयोग किया जाए।

नाव पर स्पष्ट रूप से ह्लजिला प्रशासन द्वारा निःशुल्क व्यवस्थाह्व अंकित हो तथा उस पर उपलब्ध जीवनरक्षक सामग्री और नाव की निर्धारित क्षमता भी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित की जाए।

पशुओं के लिए भी रहे समुचित व्यवस्था

संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं के लिए भी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उपयुक्त स्थानों पर पशु शिविर, पशु चारा एवं आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता रखने को कहा गया, ताकि बाढ़ की स्थिति में पशुधन की सुरक्षा एवं देखभाल में कोई कठिनाई न हो।

जिलाधिकारी ने बाढ़ सुरक्षा प्रमण्डलो के कार्यपालक अभियंताओं को निर्देश दिया कि आवश्यकता के अनुसार फ्लड फाइटिंग मटेरियल की मात्रा बढ़ाई जा सकती है, लेकिन बाढ़ बचाव कार्य के दौरान किसी भी संसाधन की कमी नहीं होनी चाहिए।

प्रखंड स्तर के वरीय पदाधिकारियों को भी पूरी तरह सजग एवं सक्रिय रहने का निर्देश दिया गया।आपदा की स्थिति में समन्वय एवं सूचना संग्रहण के लिए जिला स्तर पर 24.7 नियंत्रण कक्ष क्रियाशील है।

आवश्यक सूचना के लिए दूरभाष संख्या 0612-2210118 एवं मोबाइल नंबर 8235449748 पर संपर्क किया जा सकता है।

सदाकत आश्रम में मनाई गई लहटन चौधरी की 23 वीं पुण्यतिथि

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. दारोगा प्रसाद राय की 104 वीं जयंती तथा प्रदेश कांग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष स्व. लहटन चौधरी की 23 वीं पुण्यतिथि प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम ने की। इस अवसर पर बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम सहित अन्य नेताओं ने दोनों महान नेताओं के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

पूर्व मध्य रेल
ई-निविदा सूचना
खुली ई–निविदा सूचना सं. T-GSU-SEE-2026-27-03. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/आरएसपी/महेंद्रूघाट, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए 'खुली ई–निविदा' आमंत्रित करते है। ई–निविदा की अंतिम तिथि 30.09.2026 को 15:00 बजे तक निर्धारित है। ई–निविदा संबंधी एवं निविदा प्रपत्र का अवलोकन वेबसाइट–www.ireps.gov.in पर किया जा सकता है। 1. Name of work : Sr. DEN-II/SEE के ADEN/THB अधिकार क्षेत्र में आने वाले स्टेशनों THB, NNR, PSR, GAI, KHQ, KUE, BKHR, SMO और KTRH पर COP की व्यवस्था। 2. Advertised value (In Rs.) : ₹95223126.27, 3. Earnest Money (In Rs.) : ₹1904500.00
उपरोक्त निविदा सूचना वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा संबंधी रेल का अधिकार–किसी भी निविदा को स्थगित करने/निरस्त करने अथवा निविदा में सुधार करने हेतु रेलवे का अधिकार सुरक्षित रहेगा। निविदा दाता का इसमें कोई दावा मान्य नहीं होगा।
उप मुख्य परियोजना प्रबंधक/ गतिशक्ति/पूमरे/सोनपुर
पीआर/0846/एसईई/जीएस/टी/26–27/32

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की स्थापना पटना में होगी : मंत्री

कला एवं संस्कृति मंत्री ने सूचना भवन में आयोजित प्रेस वार्ता को किया संबोधित

प्रातः किरण संवाददाता

पटना।कला एवं संस्कृति विभाग के मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) की स्थापना पटना या इसके आसपास के इलाके में होगी। केंद्र सरकार ने इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी है। मंत्री डॉ. कुमार ने बुधवार को सूचना भवन के संवाद कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते ये बातें कही। उन्होंने कहा कि राज्य के कलाकार कई वर्षों से एनएसडी कैंपस की स्थापना कराने की मांग कर रहे थे। इसको लेकर उन्होंने स्वयं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से वार्ता की है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से इसे पटना में खोलने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि राज्य के कलाकारों के लिए राज्य सरकार के माध्यम से कई योजनाएं शुरू की गई है। राज्य के सभी जिलों में आम्रपाली प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किये जाएंगे। कई जिलों में प्रशिक्षण केंद्र खुल गए है।

दो माह के अंदर शुरू होगी गोलघर के पुनर्विकास की योजना

मंत्री ने कहा कि पटना स्थित गोलघर का शीघ्र जीर्णोद्धार कार्य शुरू कराया जाएगा। दो माह के अंदर उसका पुनर्विकास की योजना शुरू की जाएगी। अभिनेता सुनील सेट्ठी बिहार में एक फिल्म बनाने के लिए मुख्यमंत्री से मिले थे। उनका आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी। कला एवं संस्कृति मंत्री ने कहा कि मधुबनी स्थित मिथिला चित्रकला संस्थान के स्तर से रामचरितमानस पर आधारित 108 मीटर लंबी मिथिला पेंटिंग का निर्माण किया गया है। इसने अपनी विशिष्टता एवं व्यापकता के लिए विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना के तहत अब तक 411 कलाकारों का चयन किया जा चुका है।

फिल्म और नाट्य के क्षेत्र में 47 मेधावी युवाओं को छात्रवृत्ति

मंत्री डॉ. कुमार ने कहा कि कलाकार पंजीकरण पोर्टल के माध्यम से 7 हजार से अधिक कलाकारों ने पंजीकरण कराया है। बिहार में फिल्म निर्माण को सुगम एवं प्रोत्साहित करने तथा राज्य को फिल्म-फ्रेंडली डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से एक समर्पित फिल्म पोर्टल विकसित किया गया है। अब तक 862 कलाकार, 148 निमार्ता तथा 29 सेवा प्रदाताओं को ऑनबोर्ड किया जा चुका है। इससे बिहार में फिल्म निर्माण के लिए अनुकूल एवं सशक्त इकोसिस्टम विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार फिल्म प्रोत्साहन नीति, 2024 के प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप राज्य में 59 से अधिक (46 फिल्मों, 02 वेब सीरीज और 11 डॉक्यूमेंट्री) परियोजनाओं को शूटिंग की अनुमति प्रदान की गई है। फिल्म और नाट्य के क्षेत्र में 47 मेधावी युवाओं को 30.46 लाख रुपए छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।

राज्य के सभी जिलों में अटल कला भवन का निर्माण होगा

मंत्री ने कहा कि सभी जिलों में 620 दर्शक क्षमता वाले अटल कला भवन का निर्माण करा रही है। 07 जिलों में सारण, गया, पूर्णिया, सहरसा, बेगूसराय, मुंगेर और दरभंगा निर्माण कार्य पूर्ण कर हो गया है। बेतिया, मुजफ्फरपुर और मोतिहारी जिले में 2200 दर्शक क्षमता वाले अटल कला भवन का निर्माण कराया जाएगा। विलुप्तप्राय कलाओं को संरक्षित करने और अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री गुरु-शिष्य परंपरा योजना शुरू की है।

वहीं विभाग के सचिव प्रणव कुमार ने कहा कि राज्य के सभी जिलों में पाण्डुलिपियों का व्यापक सर्वेक्षण किया गया है, जिसमें अब तक 8 लाख से अधिक पाण्डुलिपियों को चिन्हित किया जा चुका है। वैशाली की ऐतिहासिक भूमि पर 550.48 करोड़ की लागत से निर्मित ह्यबुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है।

राजकीय संग्रहालयों के संचालन एवं प्रबंधन के लिए कुल 35 पदों पर संविदा के आधार पर नियुक्ति की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

सार्वजनिक कुंओं एवं चापाकलों के पास सोख्ता निर्माण से जल संरक्षण को मिल रहा बढ़ावा : मंत्री

- जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत सार्वजनिक चापाकलों एवं कुओं के किनारे बड़े पैमाने पर कराया गया सोख्ता का निर्माणं

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार में जल संरक्षण एवं भूजल पुनर्भरण (ग्राउंट वाटर रिचार्ज) की व्यवस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत सार्वजनिक चापाकलों एवं कुओं के किनारे सोख्ता का निर्माण कार्य व्यापक स्तर पर किया जा रहा है। ग्रामीण विकास विभाग के नेतृत्व में संचालित इस अभियान के माध्यम से वर्षा जल एवं उपयोग के बाद उपलब्ध जल को जमीन में फिर से पहुंचाने तथा जल स्रोतों के संरक्षण की दिशा में यह बेहद महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है।

2.30 लाख से अधिक चापाकलों के पास सोख्ता

जल-जीवन-हरियाली अभियान के अंतर्गत सार्वजनिक चापाकलों के किनारे सोख्ता निर्माण के लिए कुल 2,34,089 कार्य प्रारंभ किए गए, जिनमें से 2,30,724 कार्य पूर्ण हो चुके हैं एवं वर्तमान में 3,365 कार्य प्रक्रियाधीन हैं। इसी प्रकार सार्वजनिक कुओं के किनारे सोख्ता निर्माण के लिए 31,492 कार्य प्रारंभ किए गए, जिनमें से 31,323 कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा 169 कार्य प्रक्रियाधीन हैं।

भूजल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

सोख्ता निर्माण का उद्देश्य जल को व्यर्थ बहने से रोकते हुए उसे जमीन में समाहित करने की व्यवस्था विकसित करना है। इससे स्थानीय स्तर पर जल संरक्षण एवं भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देने में सहायता मिलती है। जल-जीवन-हरियाली अभियान के व्यापक उद्देश्यों में भूजल स्तर को संतुलित रखना, पर्याप्त जल उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा जल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन शामिल है। अभियान के अंतर्गत सोख्ता निर्माण के साथ-साथ सार्वजनिक जल स्रोतों के जीर्णोद्धार, तालाब-पोखर एवं आहर-पईन के पुनरुद्धार, चेक डैम एवं अन्य जल संचयन संरचनाओं के निर्माण तथा वर्षा जल संचयन जैसे कार्य भी किए जा रहे हैं। जल संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता एवं सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से सोख्ता निर्माण जैसे कार्यों को और प्रभावी बनाना अभियान की महत्वपूर्ण लक्ष्य है।

> जल संरक्षण के लिए स्थानीय स्तर पर किए जाने वाले छोटे-छोटे प्रयासों का व्यापक प्रभाव पड़ता है। सार्वजनिक चापाकलों एवं कुओं के किनारे सोख्ता निर्माण से पानी को व्यवस्थित तरीके से जमीन में पहुंचाने में सहायता मिलती है तथा भू जल संरक्षण की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है।
>
> **श्रवण कुमार (मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, बिहार सरकार)**

आंगनबाड़ी पोषाहार की 15 वर्षीय निविदा पर उठे सवालव, स्वतंत्र जांच की मांग

पटना।आंगनबाड़ी केंद्रों में पूरक पोषाहार की आपूर्ति के लिए जारी 15 वर्षीय निविदा की शर्तों को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। शिकायतकर्ता एसबीएनके इंटरप्राइजेज के राहुल सिंह ने बिहार सरकार के मुख्य सचिव को पत्र भेजकर पूरी निविदा प्रक्रिया की स्वतंत्र एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि निविदा की कई शर्तें कुछ विशेष कंपनियों की पूर्व निर्धारित योग्यताओं से असामान्य रूप से मेल खाती हैं। तकनीकी मूल्यांकन को 80 प्रतिशत महत्व देने, पिछले पांच वर्षों के विशिष्ट अनुभव, 100 करोड़ के औसत वार्षिक कारोबार, प्रतिवर्ष 15,000 मीट्रिक टन आपूर्ति तथा कई राज्यों में आपूर्ति के अनुभव जैसी शर्तों पर भी सवाल उठाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने निविदा तैयार करने से लेकर उसके प्रकाशन तक की पूरी प्रक्रिया, संबंधित अधिकारियों की टिप्पणियों, बैठकों के विवरण तथा संभावित बोलीदाताओं के साथ हुए संवाद की जांच कराने की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि प्रस्तावित 15 वर्षीय व्यवस्था का कुल वित्तीय दायित्व लगभग 20,250 करोड़ तक हो सकता है। ऐसे में सार्वजनिक धन एवं आंगनबाड़ी लाभार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए निविदा की आगे की कार्रवाई रोककर निष्पक्ष जांच कराना आवश्यक है। शिकायतकर्ता ने मांग की है कि यदि जांच में किसी विशेष फर्म को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से निविदा की शर्तें निर्धारित किए जाने की पुष्टि होती है, तो वर्तमान निविदा निरस्त कर स्वतंत्र समिति के माध्यम से पारदर्शी एवं निष्पक्ष नई निविदा जारी की जाए

अमर शहीद रामफल मंडल के शहादत दिवस को राजकीय समारोह का दर्जा ऐतिहासिक निर्णय : उमेश

पटना। बिहार जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने अमर शहीद रामफल मंडल के शहादत दिवस 23 अगस्त को राजकीय समारोह के रूप में मनाए जाने के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक एवं सराहनीय पहल बताया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय अमर शहीद रामफल मंडल के अदम्य साहस, त्याग एवं राष्ट्रभक्ति के प्रति सम्मान का प्रतीक है तथा इससे पूरे राज्यवासी हर्षित एवं गौरवान्वित हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने मुख्यमंत्री सम्राट चैधरी से मुलाकात कर इस संबंध में पहल का आग्रह किया था। जनभावनाओं के अनुरूप लिए गए इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री सम्राट चैधरी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। श्री कुशवाहा ने कहा कि महापुरुषों एवं स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान करना एनडीए सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रहा है। उन्होंने कहा कि अमर शहीद रामफल मंडल के शहादत दिवस को राजकीय समारोह के रूप में मनाने का यह निर्णय उनके अमर बलिदान की गौरवगाथा को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के साथ ही युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए सदैव प्रेरित करेगा।

बिहार के विधायकों और विधान पार्षदों का रेलवे कूपन होगा डिजिटल

पटना ’ बिहार विधान परिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह की अध्यक्षता में विधायकों और विधान पार्षदों को देय रेल कूपन व्यवस्था के डिजिटलीकरण को लेकर एक महत्वपूर्ण विशेष बैठक आयोजित की गई। इस उच्चस्तरीय बैठक में पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर के वरिष्ठ पदाधिकारियों और आईआरसीटीसी के अधिकारियों ने भाग लिया। प्रस्तावित डिजिटल रेल कूपन प्रणाली के व्यवहारिक, सरल एवं सुगम पक्षों को देखते हुए सभापति ने इसे परिषद् सचिवालय में लागू करने हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान की। उक्त बैठक में पूर्व मध्य रेल के उप मुख्य वाणिज्य प्रबंधक अंजय तिवारी के साथ बिहार विधान परिषद् के सचिव शिव गोपाल मिश्र, निदेशक ज्ञान प्रकाश, उप सचिव नवीन कुमार मिश्र, अवर सचिव अरविन्द कुमार सिन्हा तथा परिषद् सचिवालय के लेखा शाखा-2 के पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। बिहार देश का ऐसा पहला राज्य बन रहा है जहां विधायकों के लिए यह आधुनिक डिजिटल व्यवस्था लागू की जा रही है।

पंडित राजकुमार शुक्ल की जयंती को राजकीय समारोह के रूप में मनाने की स्वीकृति स्वागतयोग्य : राजेश भट्ट

पटना ’ स्वाधीनता संग्राम के महान सेनानी और चंपारण सत्याग्रह के सूत्रधार पंडित राजकुमार शुक्ल की जयंती को राज्य सरकार द्वारा पश्चिमी चंपारण में राजकीय समारोह के रूप में मनाने की राज्य मंत्रिमंडल से स्वीकृति दी है ’ सरकार के इस महती निर्णय का पंडित राजकुमार शुक्ल स्मृति संस्थान स्वागत योग्य निर्णय बताया है ’ संस्थान के केंद्रीय अध्यक्ष एवं लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ राजेश भट्ट ने संस्थान के लंबे समय से चिर प्रतीक्षित मांग को लेकर राज्य सरकार द्वारा लिए गए निर्णय को ऐतिहासिक बताया है ’ गौरतलब है कि पंडित राजकुमार शुक्ल151वीं जयंती समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री ने राजकीय समारोह के रूप में उनकी जयंती मनाने को लेकर घोषणा की थी साथ ही प्रदेश के शिक्षा मंत्री ने राज्य सरकार के पाठ्यक्रम में पंडित शुक्ला की जीवनी को समावेशित करने की बात कही थी वही कला एवं संस्कृति मंत्री ने पंडित शुक्ल के नाम पर एक संग्रहालय स्थापित करने की घोषणा की थी ।उन्होंने प्रदेश के बिहार विधान परिषद के इस आधिकारिक घोषणा को लेकर डॉ भट्ट ने प्रदेश के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की है ’ उन्होंने प्रदेश के बिहार विधान परिषद के सभापति माननीय अवधेश नारायण सिंह, प्रदेश के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी और डॉ प्रमोद कुमार के प्रति आभार प्रकट किया हैं ’ डॉ भट्ट ने कहा कि प्रदेश में एनडीए की सरकार ने पं राजकुमार शुक्ल जी को जो सम्मान दिया है उसका पंडित राजकुमार शुक्ल स्मृति संस्थान हृदय से स्वागत करता है । इस निर्णय पर पंडित राजकुमार शुक्ल स्मृति संस्थान के सचिव मनोज कुमार राणा बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ अनिल सुलभ अंबरीश कांत वीणा देवी अखिलेश्वर शर्मा निर्मल कुमार राय सुभाष शर्मा कमलेश कुमार संध्या भट्ट अमर शर्मा अमरनाथ संतोष कुमार रजनीश महाराज रजनीश महाराज आलोक शर्मा शत्रुघ्न महाराज प्रांजल अनंत राय अनिल तिवारी इं आनंद किशोर मिश्रा समेत कई गणमान्य लोगों ने इस फैसले पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है।

पूर्व जिला अध्यक्षों की बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने पर मंथन : सरावगी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री संजय सरावगी ने कहा कि भाजपा का संगठन उसकी सबसे बड़ी शक्ति है।

संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आज लोकसेवक आवास, पटना में माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के साथ पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई।

उन्होंने कहा कि बैठक में आगामी सांगठनिक कार्यक्रमों, कार्ययोजनाओं तथा संगठन के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण को लेकर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा हुई। पूर्व जिला अध्यक्षों के अनुभवों और सुझावों का लाभ संगठन को और अधिक गतिशील बनाने में मिलेगा।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की मजबूती के लिए निरंतर समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाया जाएगा।

बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय संगठक (वरिष्ठ कार्यकर्ता संपर्क) नागेन्द्र नाथ त्रिपाठी जी एवं प्रदेश संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक में पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्षगण सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आम लोग बेरोजगारी, आर्थिक मंदी और महंगाई से त्रस्त : तेजस्वी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने देश की जीडीपी विकास दर 7.8% रहने के दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए नेता सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि आंकड़ों के बावजूद देश की प्रति व्यक्ति आय कई देशों से पीछे चली गई है और आम लोग बेरोजगारी, आर्थिक मंदी तथा महंगाई से त्रस्त हैं।

रुपया तेजी से गिर रहा है। रिकार्डतोड़ महंगाई बढ़ रही है।

बेरोजगारी दर 50 साल में सबसे अधिक है। रोजगार कम हो रहे हैं। घरेलू कर्ज बढ़ रहा है। छोटे व्यापार टूट रहे हैं। युवा प्रतियोगी परीक्षाओं में उम्र खपा रहे हैं। लोग ईएमआई और उधार पर जिंदगी चला रहे हैं।

तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री किस बात का जीडीपी ग्रोथ जब देश में 8.7 करोड़ युवा पढ़ाई नहीं कर रहे हैं।

एनडीए सरकार के 10 साल में 94000 स्कूल बंद हो गए है यानि प्रतिदिन 26 स्कूल बंद हो रहे है। देश के 1 लाख स्कूल सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे चल रहे है।

तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री पर आरोप लगाते हुए कहा कि 12 साल से सत्ता में बैठे है लेकिन फिर भी 85 करोड़ लोगों को पेट भरने के लिए 5 किलो अनाज देना ही अपनी उपलब्धि समझते है। जिस देश में 85 करोड़ लोगों को अनाज देना पड़े वह देश ऐसी जीडीपी का क्या करेगा?

चिराग पासवान को मिली धमकी का मामला : लोजपा (आर) प्रतिनिधिमंडल ने डीजीपी से की मुलाकात

- सुरक्षा समीक्षा और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग।

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को जान से मारने की धमकी मिलने के मामले में पार्टी ने गंभीर चिंता जताई है। बुधवार को पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने बिहार के पुलिस महानिदेशक से मुलाकात कर पूरे मामले की गंभीरता से जांच कराने की मांग की। पार्टी नेताओं ने डीजीपी को पत्र सौंपकर धमकी देने वाले व्यक्ति या लोगों की जल्द पहचान करने और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष को इस तरह की धमकी मिलना गंभीर और चिंताजनक घटना है। ऐसे में उनकी सुरक्षा की भी तत्काल समीक्षा की जानी चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने चिराग पासवान को उचित और पुख्ता सुरक्षा उपलब्ध कराने का आग्रह किया। नेताओं ने कहा कि धमकी के मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए और दोषियों तक जल्द पहुंचना जरूरी है। डीजीपी से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल में राजू तिवारी, अशरफ अंसारी समेत अन्य नेता शामिल थे।

हर शहर की जरूरत के हिसाब से बनेगा मास्टर प्लान, वन साइज फिट्स ऑल की नीति नहीं : मंत्री

- शहरों को स्थानीय जरूरतों के अनुरूप विकसित करने पर जोर, 12 सैटेलाइट टाउन और 43 शहरों के मास्टर प्लान पर काम तेज

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार के हर शहर की भौगोलिक, ऐतिहासिक और आर्थिक परिस्थितियां अलग हैं, इसलिए सभी शहरों के विकास के लिए एक जैसी नीति नहीं अपनाई जा सकती। स्थानीय जरूरतों और चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए ही शहरों का मास्टर प्लान तैयार करना होगा। शहर केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था के ग्रोथ सेंटर हैं। सरकार का स्पष्ट विजन है कि बिहार के शहर संतुलित, समावेशी, टिकाऊ और बेहतर ह्यईज ऑफ लिविंगह्न वाले बनें। ये बातें नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री श्री नीतीश मिश्रा ने पटना के अधिवेशन भवन में आयोजित दो दिवसीय ह्यबिहार के शहरों का सतत विकास, नियोजन की प्रक्रिया और चुनौतियों को समझने पर जोर कार्यशाला के उद्घाटन के दौरान कहीं। मंत्री ने अधिकारियों और शहरी स्थानीय निकायों को निर्देश दिया कि कार्यशाला को केवल एक शैक्षणिक अभ्यास के रूप में न लें। अलग-अलग शहरों के अनुभवों से सीखते हुए अपने-अपने शहरों के लिए व्यावहारिक और प्रभावी योजनाएं तैयार कर उन्हें धरातल पर उतारना होगा। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को विकसित और समृद्ध बिहार देने के लिए आज की शहरी प्लानिंग दूरदर्शी होनी चाहिए।

श्री मिश्रा ने कहा कि शहरों के विकास की रणनीति तैयार करते समय स्थानीय परिस्थितियों को केंद्र में रखना जरूरी है। किसी एक शहर में सफल मॉडल को उसी रूप में दूसरे शहर में लागू करने के बजाय वहां की भौगोलिक संरचना, जनसंख्या, आर्थिक गतिविधियों, ऐतिहासिक विरासत और उपलब्ध संसाधनों का अध्ययन किया जाना चाहिए।

कृषि ड्रोन को मिलेगा बढ़ावा, 480 किसान ड्रोन कस्टम हायरिंग सेंटर होंगे स्थापित : विजय

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार में कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने तथा किसानों तक नई तकनीकी सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। चतुर्थ कृषि रोड मैप के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में राज्य में 480 किसान ड्रोन कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों के माध्यम से किसानों को उनके क्षेत्र में ही ड्रोन आधारित कृषि सेवाएं सुलभ कराई जाएंगी। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। किसान ड्रोन कस्टम हायरिंग सेंटर के माध्यम से किसान स्वयं ड्रोन खरीदने के बजाय आवश्यकता के अनुसार कस्टम हायरिंग सेंटर से ड्रोन सेवा प्राप्त कर सकेंगे। इससे कम समय में अधिक क्षेत्र में कृषि आदानों के छिड़काव सहित विभिन्न कृषि कार्यों को प्रभावी ढंग से करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने बताया कि किसान ड्रोन कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना के लिए प्रत्येक केंद्र की परियोजना लागत 10 लाख रुपये निर्धारित की गई है। कृषि में स्नातक आवेदकों को परियोजना लागत का 50 प्रतिशत, अधिकतम 5 लाख रुपये तथा गैर-कृषि में स्नातक आवेदकों को 40 प्रतिशत, अधिकतम 4 लाख रुपये तक अनुदान दिया जाएगा। 480 किसान ड्रोन कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना के लिए कुल 24 करोड़ रुपये का व्यय किया जाएगा। जिलों में किसान ड्रोन कस्टम हायरिंग सेंटर का लक्ष्य संबंधित जिले में प्रखंडों की संख्या के आधार पर निर्धारित किया गया है।

श्री सिन्हा ने कहा कि ड्रोन तकनीक के माध्यम से फसलों में कीटनाशी, पोषक तत्व एवं अन्य कृषि आदानों के छिड़काव जैसे कार्य कम समय में किए जा सकते हैं। किसान

खेल के मैदान से अकादमी तक, 1006 पदों से मजबूत होगा बिहार का खेल तंत्र

जिलों में 33 खेल पदाधिकारी, स्टेडियमों में 380 और राजगीर अकादमी में 48 प्रशिक्षक होंगे तैनात

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राज्य में खेल प्रतिभाओं को तराशने और उन्हें राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने के लिए खेल विभाग अब मानव संसाधन को सशक्त करने पर जोर दे रहा है। राज्य में विभिन्न स्तरों पर 1,006 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। इनमें 33 जिला खेल पदाधिकारी, स्टेडियमों के लिए 380 प्रशिक्षक, राजगीर राज्य खेल अकादमी के लिए 48 प्रशिक्षक, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के 301 और बिहार खेल विश्वविद्यालय के 244 पद शामिल हैं। जिला खेल पदाधिकारियों की नियुक्ति अंतिम चरण में है। वहीं प्रशिक्षकों की नियुक्ति के लिए परीक्षा की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। इसके अलावा खेल व्यवस्था को सुचारु करने के लिए संविदा पर लिपिकीय कर्मियों की नियुक्ति और प्रतिनियुक्ति के माध्यम से आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध कराने की तैयारी है। नियुक्तियां पूरी होने के बाद जिला स्तर से लेकर राज्य स्तरीय खेल संस्थानों तक प्रशासनिक व्यवस्था और प्रशिक्षण तंत्र को मजबूती मिलेगी।

जिलों में 33 पदाधिकारी संभालेंगे खेल की कमान

जिला स्तर पर खेल गतिविधियों को गति देने के लिए 33 जिला खेल पदाधिकारियों की नियुक्ति की जा रही है।

इसके लिए बीपीएससी परीक्षा ले चुका है और अब साक्षात्कार की प्रक्रिया पूरी की जानी है। नियुक्ति के बाद जिलों में खिलाड़ियों की पहचान, खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी को बेहतर तरीके से संभाला जा सकेगा।

स्टेडियमों में 380 प्रशिक्षक बढ़ाएंगे खेल प्रतिभाओं की धार

राज्य में तैयार हो रहे इंडोर और आउटडोर स्टेडियमों को केवल खेल आयोजन स्थल नहीं, बल्कि नियमित प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करने की तैयारी है। इसके लिए विभिन्न खेल विधाओं में 380 प्रशिक्षकों की बहाली होगी। इन पदों के लिए बिहार कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से परीक्षा आयोजित की जाएगी।

राजगीर अकादमी में 48 प्रशिक्षक देंगे हाई परफॉर्मेंस ट्रेनिंग

राजगीर में विकसित हो रही आधुनिक खेल सुविधाओं को मजबूत प्रशिक्षण व्यवस्था से जोड़ने के लिए राज्य खेल अकादमी में 48 प्रशिक्षकों की नियुक्ति होगी।

अकादमी में उपलब्ध खेल सुविधाओं के साथ प्रशिक्षित मानव संसाधन मिलने से खिलाड़ियों को नियमित और वैज्ञानिक तरीके से प्रशिक्षण देने में मदद मिलेगी।

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के प्रशासनिक और खेल संबंधी कार्यों को मजबूत करने के लिए 301 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है। वहीं खेल शिक्षा, प्रशिक्षण और प्रशासनिक व्यवस्था को संस्थागत मजबूती देने के लिए बिहार खेल विश्वविद्यालय में 244 पदों पर नियुक्ति की कार्रवाई चल रही है।

> बिहार में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध कराने की है। राज्य सरकार खेल के पूरे तंत्र को मजबूत करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। जिलों में खेल पदाधिकारियों, स्टेडियमों में प्रशिक्षकों, राजगीर राज्य खेल अकादमी के प्रशिक्षकों के साथ-साथ खेल प्राधिकरण और खेल विश्वविद्यालय में नियुक्तियों से खेल व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। हमारा लक्ष्य है कि खिलाड़ियों को अपने ही राज्य में विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और सुविधाएं मिलें, ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बिहार का नाम रोशन कर सकें।
>
> **श्रेयसी सिंह मंत्री खेल विभाग बिहार**

पूर्व मुख्यमंत्री स्व दारोगा प्रसाद राय की जयंती पर मुख्यमंत्री ने उन्हें नमन किया

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व दारोगा प्रसाद राय की जयंती के अवसर पर नया सचिवालय परिसर के समक्ष स्थित स्व दारोगा प्रसाद राय जी की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री अशोक चौधरी, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री शीला कुमारी, विधायक श्याम रजक, विधायक अरूण मांझी, विधान पार्षद संजय सिंह, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, किसान आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण मेहता, अन्य जनप्रतिनिधिगण, पूर्व मंत्री एवं स्व दारोगा प्रसाद राय के सुपुत्र चन्द्रिका राय एवं उनके परिजन सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भी स्व दारोगा प्रसाद राय की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के कलाकारों द्वारा आरती पूजन, भजन कीर्तन, राष्ट्रीय गीत, राष्ट्र गान, बिहार गीत एवं देशभक्ति गीत के कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

संक्षिप्त खबरें

दरभंगा में बंदरों के खिलाफ अभियान जारी, अब तक करीब 100 पकड़े गए

दरभंगा। वार्ड 21 में बंदरों के आतंक से निजात दिलाने के लिए पार्षद नवीन सिन्हा की निजी पहल पर शुरू किया गया अभियान बुधवार को भी जारी रहा। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर से पिछले सप्ताह बुलाए गए करीब एक दर्जन प्रशिक्षित बंदर पकड़ने वाले कर्मियों की टीम ने 26 अगस्त से अभियान शुरू किया है। रविवार तक 49 आक्रामक बंदरों को सुरक्षित पकड़ा गया था, जिन्हें सोमवार को जंगल में स्थानांतरित कर दिया गया। बुधवार तक करीब चार दर्जन और बंदरों को पकड़ा जा चुका है। पार्षद नवीन सिन्हा ने बताया कि बंदरों के हमले से लोग घायल हो रहे थे तथा घरों के सामान को नुकसान पहुंच रहा था। फरवरी 2025 में नगर निगम बोर्ड ने बंदरों को पकड़ने के लिए पार्षद नवीन सिन्हा, नफीसुल हक रिंकू एवं मुकेश महासेठ की तीन सदस्यीय समिति बनाई थी। समिति के पत्राचार के बाद वन विभाग से अनापत्ति भी मिल गई, लेकिन नगर निगम स्तर से कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने निजी खर्च से अभियान शुरू किया। इधर वार्ड 12 के पार्षद मुकेश महासेठ ने भी बुधवार से अपने क्षेत्र में अभियान शुरू कराया। दोपहर तक 19 बंदरों को पकड़ा जा चुका था। उन्होंने बताया कि बंदरों को पकड़ने और सुरक्षित स्थानांतरित करने का खर्च नगर निकाय की जिम्मेदारी है। पार्षद के अनुसार प्रति बंदर 700 रुपये की दर से खर्च हो रहा है। स्थानीय लोग आर्थिक एवं खाद्य सामग्री देकर सहयोग कर रहे हैं। लहेरियासराय सहित शहर के अन्य क्षेत्रों में भी अभियान चलाने की मांग उठ रही है। इससे नगर निगम पर पूरे शहर में अभियान शुरू करने का दबाव बढ़ गया है।

शास्त्री द्वितीय चक्र की मेधा सूची प्रकाशित

दरभंगा। कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय में शास्त्री प्रथम सेमेस्टर सत्र 2026- 30 में नामांकन के लिए द्वितीय चक्र की मेधा सूची बुधवार को प्रकाशित कर दी गई है। इस चक्र में चयनित अभ्यर्थी 03 सितंबर से 07 सितंबर 2026 तक अपने आवंटित महाविद्यालय में जाकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद नामांकन करा सकेंगे। डीएसडब्ल्यू प्रो. पुरेन्द्र वारिक ने कुलपति प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय के आदेशानुसार नामांकन संबंधी गाइडलाइन जारी कर दी है। चयनित अभ्यर्थियों को निर्धारित अवधि के भीतर आवंटित महाविद्यालय में उपस्थित होकर अपने शैक्षणिक एवं अन्य आवश्यक अभिलेखों का सत्यापन कराना होगा। तभी संबंधित छात्र अपने आईडी के माध्यम से ऑनलाइन नामांकन शुल्क भुगतान कर पाएंगे। चयनित छात्रों को नामांकन की निर्धारित तिथि का विशेष ध्यान रखना होगा और समय सीमा के भीतर सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर लेनी होगी। निर्धारित अवधि में नामांकन को लेकर किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो, इसके लिए छात्रों को समय रहते अपने आवंटित महाविद्यालय की जानकारी प्राप्त कर वहां संपर्क करने की सलाह दी गई है। विशेष कार्य पदाधिकारी (शैक्षणिक) डॉ. रामसेवक झा ने कहा कि द्वितीय चक्र की मेधा सूची में चयनित अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से अपने आवंटित महाविद्यालय की जानकारी प्राप्त कर निर्धारित अवधि में नामांकन लेना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि छात्रों को नामांकन के दौरान अपने सभी आवश्यक मूल प्रमाण-पत्र एवं संबंधित दस्तावेज साथ लेकर जाना चाहिए, ताकि अभिलेख सत्यापन की प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो।

डीएमसीएच सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर डीएम ने की समीक्षा बैठक

दरभंगा। जिलाधिकारी, दरभंगा कौशल कुमार की अध्यक्षता में डीएमसीएच सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता,चिकित्सा संसाधनों की उपलब्धता तथा मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने डीएमसीएच सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं एवं आवश्यक चिकित्सा संसाधनों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधीक्षक को मरीजों को अत्याधुनिक एवं बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के आधार पर सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। उन्होने सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में अत्याधुनिक न्यूरो सर्जरी विभाग के ऑपरेशन थिएटर (ओटी) एवं आईसीयू के समीक्षा के उपरांत इसे सोमवार दिनांक 07.09.20260 से क्रियाशील करने का निर्देश अधीक्षक को दिया गया। साथ ही, कैथ लैब को भी प्रारंभ करने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं शीघ्र करने का निर्देश दिया गया, ताकि गंभीर मरीजों की जांच एवं उपचार की सुविधा अस्पताल में ही उपलब्ध हो सके।

24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मिशन मोड में काम करें अधिकारी : सांसद

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। जिले में बेहतर बिजली व्यवस्था एवं शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने को लेकर बुधवार को सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने लहेरियासराय के बलभद्रपुर स्थित संसदीय कार्यालय में बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में अधीक्षण अभियंता, सभी कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।सांसद ने जिले में बिजली आपूर्ति की स्थिति, नए पावर ग्रिड के निर्माण, 400 केवी सुपर पावर ग्रिड की स्थापना तथा एम्स के लिए स्वीकृत पावर ग्रिड को निर्माण स्थल पर ही स्थापित करने की पहल पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बेनीपुर के महिनाम एवं बिरौल के कोठाराम में नौ-नौ करोड़ रुपये की लागत से निमार्णाधीन विद्युत शक्ति केंद्रों के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्धारित समय में निर्माण पूरा करने का निर्देश दिया। डॉ. ठाकुर ने दरभंगा शहर में भूमिगत बिजली आपूर्ति व्यवस्था विकसित करने तथा 400 केवी सुपर पावर ग्रिड की स्थापना के लिए विभागीय अभियंताओं को मिशन मोड में कार्य करने को कहा। उन्होंने क्षतिग्रस्त पोल, झुके हुए पोल एवं जर्जर तारों को शीघ्र बदलने तथा आम लोगों की बिजली संबंधी शिकायतों का विशेष अभियान चलाकर समाधान करने का निर्देश दिया। सांसद ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की धीमी प्रगति पर भी चिंता जताई। उन्होंने अधिकारियों को योजना को मिशन मोड में गति देने को कहा, ताकि अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार बिजली क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

जन्माष्टमी पर 332 स्थानों पर दंडाधिकारी व पुलिस बल तैनात

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। जिलाधिकारी कौशल कुमार एवं वरीय पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रड्डी जला ने संयुक्त आदेश जारी कर जिले में 332 स्थानों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की है। इस वर्ष जन्माष्टमी 4 एवं 5 सितंबर को मनाई जाएगी। पर्व के दौरान पूजा स्थलों, संभावित भीड़, जुलूस एवं मूर्ति विसर्जन को देखते हुए संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है। सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं बल को 4 सितंबर के पूर्वाह्न में अपने निर्धारित स्थल पर योगदान देने को कहा गया है। विधि-व्यवस्था की निगरानी के लिए समाहरणालय में 4 से 5 सितंबर तक जिला नियंत्रण कक्ष कार्यरत रहेगा। इसके वरीय प्रभार में उप विकास आयुक्त स्वप्निल रहेंगे। अग्निशमन की एक यूनिट नियंत्रण कक्ष में तैनात रहेगी तथा सभी अग्निशमन वाहनों को तैयार रखने का निर्देश दिया गया है। शहरी क्षेत्र में मूर्ति विसर्जन तक प्रमुख चौक-चौराहों पर यातायात पुलिस की तैनाती रहेगी। सदर अनुमंडल में सलीम अख्तर, बेनीपुर में मनोज कुमार तथा बिरौल में रवि प्रकाश को वरीय प्रभार सौंपा गया है। प्रशासन ने पूजा समितियों एवं आम लोगों से अफवाहों से बचने और आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की है।

गंगवारा पीएचसी से ग्रामीणों को मिलेगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा : विधायक

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। बिहार सरकार के जनकल्याणकारी अभियान जाँच एवं उपचार चिकित्सा आपके द्वार के शुभारंभ के अवसर पर दरभंगा ग्रामीण विधायक सह जदयू जिलाध्यक्ष राजेश कुमार उर्फ ईश्वर मंडल ने सदर प्रखंड के नवनिर्मित गंगवारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने स्वास्थ्य केंद्र के विभिन्न कक्षों, चिकित्सा सुविधाओं, मरीजों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं एवं आधारभूत संरचनाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों से केंद्र के सुचारू संचालन तथा लोगों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सकीय सुविधाओं की जानकारी ली। विधायक ईश्वर मंडल ने कहा कि बिहार सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत है। जाँच एवं उपचार चिकित्सा आपके द्वार अभियान का उद्देश्य ग्रामीण एवं दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को उनके नजदीक ही स्वास्थ्य जांच और उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि गंगवारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के शुरू होने से आसपास के ग्रामीणों को इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सुविधा मिलने से गरीब, बुजुर्ग, महिलाओं और जरूरतमंद मरीजों को विशेष लाभ मिलेगा। विधायक ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मियों से मरीजों के साथ संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार करने तथा उपलब्ध सेवाओं का अधिक से अधिक लोगों तक लाभ पहुंचाने की अपील की। मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी एवं ग्रामीण मौजूद थे।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर चार दिवसीय खेल महोत्सव का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के निदेर्शानुसार महाराज लक्ष्मेश्वर सिंह मेमोरियल महाविद्यालय, दरभंगा में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में चार दिवसीय खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। एक से चार सितंबर तक आयोजित होने वाले इस खेल महोत्सव में विभिन्न खेल स्पधाओं में छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता के विजेताओं एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पांच सितंबर को महाविद्यालय परिसर में आयोजित विशेष समारोह में पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. शंभू कुमार यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक तंदुरुस्ती का माध्यम नहीं हैं, बल्कि इनके माध्यम से अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का भी विकास होता है। राष्ट्रीय खेल दिवस मेजर ध्यानचंद के समर्पण और योगदान की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय का प्रयास है कि विद्यार्थी पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय एवं राज्य का नाम रोशन करें। खिलाड़ियों को हरसंभव सुविधा उपलब्ध कराने के लिए महाविद्यालय प्रशासन प्रतिबद्ध है। खेल पदाधिकारी डॉ. उदय कुमार शाह ने कहा कि महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं में खेल प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। एक सितंबर से शुरू हुआ आयोजन विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को नई ऊंचाई प्रदान कर रहा है। बैडमिंटन, खो-खो एवं कबड्डी में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। तीन सितंबर को एथलेटिक्स स्पधाएं आयोजित की जाएंगी तथा पांच सितंबर को समापन सह सम्मान समारोह होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बर्सर प्रो. नंदकिशोर रहे। आयोजन के सफल संचालन में डॉ. भारतेन्दु कुमार एवं डॉ. अंजीत कुमार चौधरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विभिन्न स्पधाओं में निर्णायक एवं रेफरी की भूमिका सोनू कुमार, अभिषेक कुमार, रामबिकेश कुमार एवं चंदू कुमार ने निष्पक्षता से निभाई।

खेल गतिविधियों से छात्रों में अनुशासन व एकता का होता है विकास : प्रो. मुश्ताक अहमद

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। खेल और संस्कृति का मानव जीवन में विशेष महत्व है। शैक्षणिक संस्थानों में खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को प्राथमिकता देने से छात्रों में शारीरिक स्वास्थ्य के साथ अनुशासन, एकाग्रता और आपसी एकता की भावना विकसित होती है। ये बातें सीएम कॉलेज, दरभंगा के प्रधानाचार्य प्रो. मुश्ताक अहमद ने कहीं। वे कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता के दूसरे दिन बैडमिंटन प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करते हैं। बेहतर प्रदर्शन के लिए विद्यार्थी मेहनत करते हैं, जिसका सकारात्मक प्रभाव उनके शैक्षणिक प्रदर्शन पर भी पड़ता है। खेल अनुशासन, प्रशिक्षण, एकाग्रता और टीम भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम हैं। इसलिए पाठ्यक्रम आधारित शिक्षा के साथ खेलों को भी शैक्षणिक संस्थानों की अतिरिक्त प्रतिस्पर्धी गतिविधियों में शामिल किया जाना चाहिए। प्रधानाचार्य ने कॉलेज के खेल प्रभारी डॉ. विभेष चतुर्वेदी को पदभार ग्रहण करने के बाद खेल गतिविधियों में हुई वृद्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि लोक भवन, पटना एवं ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के कार्यक्रम के तहत यह तीन दिवसीय प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। हालांकि कॉलेज लगातार खेल गतिविधियों को बढ़ावा देता रहा है और यहां के छात्र विभिन्न प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। मौके पर प्रो. मयंक श्रीवास्तव, प्रो. ललित कुमार शर्मा, डॉ. दिव्या शर्मा, डॉ. मिर्जा रोहुल्लाह बेग, डॉ. शशांक शुक्ला, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. कन्हैया कुमार, बसंत कुमार मंडल सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

लोहट में नई चीनी मिल की स्थापना की पहल तेज, विधायक मधाव आनंद ने मुख्यमंत्री को सौंपा प्रतिवेदन

- सकरी और रैयाम चीनी मिल के बाद अब लोहट क्षेत्र पर फोकस, मुख्यमंत्री कार्यालय से मिला लिखित जवाब

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। मधुबनी विधानसभा क्षेत्र में चीनी उद्योग को फिर से गति देने की दिशा में अब लोहट क्षेत्र में नई चीनी मिल स्थापित करने की पहल तेज हो गई है। विधायक मधाव आनंद ने लोहट एरिया में नई चीनी मिल की स्थापना की मांग को लेकर मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी को लिखित प्रतिवेदन सौंपा है। विधायक के अनुसार, उनके प्रतिवेदन पर मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से लिखित जवाब भी प्राप्त हुआ है।विधायक ने बताया कि सकरी और रैयाम चीनी मिल के पुनः संचालन को लेकर उन्होंने विधानसभा के सदन में लगातार मामला उठाने के साथ ही संबंधित विभाग के मंत्री एवं मुख्यमंत्री से कई बार मुलाकात कर इस मुद्दे को प्रमुखता से रखा। उनके अनुसार, इन प्रयासों के बाद दोनों चीनी मिलों के पुनः संचालन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। दोनों मिलों के शुरू होने से मधुबनी एवं आसपास के क्षेत्रों के गन्ना किसानों को बाजार मिलने, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ने तथा क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है।विधायक मधाव आनंद ने कहा कि चुनाव के दौरान उन्होंने लोहट चीनी मिल को लेकर भी जनता से संकल्प व्यक्त किया था। वर्तमान परिस्थितियों में पुरानी लोहट चीनी मिल का मूल औद्योगिक स्वरूप और भूमि की स्थिति बदल चुकी है। ऐसे में लोहट क्षेत्र की जनता की भावना और अपनी प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए उन्होंने लोहट एरिया में ही एक नई चीनी मिल स्थापित करने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री के समक्ष रखा है। इस संबंध में मुख्यमंत्री से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर लिखित प्रतिवेदन सौंपते हुए नई चीनी मिल की स्थापना की दिशा में आवश्यक पहल करने का अनुरोध किया गया है।विधायक के अनुसार, मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से उनके प्रतिवेदन के संबंध में लिखित जवाब भी प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री को सौंपे गए प्रतिवेदन तथा मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त जवाब की प्रतियां भी सार्वजनिक की जा रही हैं, ताकि इस विषय में जनता के सामने पूरी स्थिति स्पष्ट और प्रमाण सहित रहे।विधायक मधाव आनंद ने कहा, ह्लसकरी और रैयाम के बाद मेरा अगला प्रयास लोहट क्षेत्र में एक नई चीनी मिल की स्थापना का है। यह केवल मेरा राजनीतिक संकल्प नहीं, बल्कि लोहट क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से चली आ रही भावना और आवश्यकता है। मैं इस विषय को पूरी गंभीरता और ईमानदारी के साथ आगे बढ़ा रहा हूं।ह्व उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य केवल घोषणा करना नहीं, बल्कि जनहित के प्रत्येक मुद्दे को संबंधित स्तर पर उठाकर उसके समाधान की दिशा में लगातार प्रयास करना है।विधायक ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में राज्य में औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को लेकर सकारात्मक वातावरण बना है। उन्होंने मुख्यमंत्री के सहयोग एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सकरी और रैयाम के लिए प्रयास का परिणाम सामने है और अब लोहट क्षेत्र में नई चीनी मिल के लिए उनका प्रयास शुरू हो चुका है। जब तक इस दिशा में ठोस परिणाम प्राप्त नहीं होता, वे पूरी प्रतिबद्धता के साथ प्रयास करते रहेंगे।विधायक ने कहा कि राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप से अधिक महत्वपूर्ण काम और उसके प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि जनता से किए गए प्रत्येक संकल्प को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के लिए वे प्रतिबद्ध हैं और भविष्य में भी अपने प्रयासों एवं उससे संबंधित दस्तावेजों को जनता के सामने पारदर्शी तरीके से रखते रहेंगे।

व्याहुत कलवार समाज ने धूमधाम से मनाई भगवान श्री बलभद्र जयंती

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर में बुधवार को व्याहुत कलवार समिति के तत्वावधान में समाज के कुलदेवता भगवान श्री बलभद्र (दाऊ बलराम) की जयंती पूजन महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मेन रोड स्थित मारवाड़ी विवाह भवन परिसर में धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन, महाआरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सम्मान समारोह व भंडारा आयोजित किया गया।महोत्सव के तहत रथ पर सवार भगवान बलभद्र, राधा-कृष्ण, भोलेनाथ, वीर बजरंगी व सुदामा सहित देवी-देवताओं की आकर्षक झांकियों के साथ हजारों श्रद्धालुओं ने बलभद्र ध्वज लेकर भव्य शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा कार्यक्रम स्थल से निकलकर विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए कमला नदी पहुंची, जहां विधिवत पूजा-अर्चना के बाद कलश में जल लेकर श्रद्धालु पुनः पूजन स्थल पहुंचे। इस दौरान भगवान बलभद्र के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। पंडित अरविंद तिवारी के निर्देशन में यजमानों द्वारा भगवान बलभद्र की प्रतिमा की विधिवत पूजा-अर्चना और मंत्रोच्चार किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने भगवान बलभद्र की महिमा पर प्रकाश डालते हुए उन्हें व्याहुत कलवार समाज का कुलदेवता बताया। साथ ही समाज को शिक्षित बनाने, नशामुक्ति, आपसी सौहार्द, जरूरतमंदों की सेवा, महिला सशक्तिकरण और एकता को बढ़ावा देने का आह्वान किया गया।कार्यक्रम में जयनगर सहित आसपास के गांवों तथा जनकपुर नेपाल और जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में स्वजातीय महिला-पुरुष, युवा, युवतियां व बच्चे शामिल हुए। बुजुर्गों, सामाजिक कार्यकताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। आयोजन समिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार गुड्डू, कार्यकारिणी अध्यक्ष संजीव कुमार छोटू, संयोजक संतोष कुमार साह, महासचिव विनोद साह, सचिव शम्भू प्रसाद, कोषाध्यक्ष अजय प्रसाद, मीडिया प्रभारी सत्यदेव प्रसाद सहित समिति के सदस्यों और युवाओं ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। भगवान बलभद्र की प्रतिमा, शोभायात्रा और सांस्कृतिक कार्यक्रम पूरे आयोजन के प्रमुख आकर्षण रहे।

बिना दस्तावेज नेपाल ले जाए जा रहे ट्रैक्टर स्पेयर पार्ट्स जब्त, दो गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), जयनगर के एफ समवाय की सीमा चौकी बेतौन्हा एवं सीमा शुल्क जयनगर की संयुक्त टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए बिना वैध दस्तावेज नेपाल ले जाए जा रहे ट्रैक्टर के विभिन्न स्पेयर पार्ट्स जब्त किए। कार्रवाई के दौरान दो लोगों को गिरफ्तार किया गया।प्राप्त आसूचना के आधार पर संयुक्त गश्ती दल ने अंतरराष्ट्रीय सीमा स्तंभ संख्या 268/15 से करीब 200 मीटर अंदर भारतीय क्षेत्र में बेतौन्हा गांव स्थित पानी टंकी के पास करीब 10:55 बजे दो लोगों को रोका। बताया गया कि बैटरी रिक्शा पर ट्रैक्टर के विभिन्न स्पेयर पार्ट्स लादकर मोटरसाइकिल के माध्यम से सामान नेपाल ले जाने का प्रयास किया जा रहा था। पूछताछ के दौरान सामान से संबंधित वैध दस्तावेज मांगे जाने पर दोनों कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद ट्रैक्टर के विभिन्न स्पेयर पार्ट्स, बैटरी रिक्शा तथा कार्रवाई में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया गया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नवीन कुमार यादव (42), निवासी अरहा, थाना जयनगर तथा सतेन्द्र यादव (45), निवासी धोलिटोल, थाना जयनगर के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे जयनगर से ट्रैक्टर के स्पेयर पार्ट्स खरीदकर नेपाल के सिरहा क्षेत्र में दुकानदारों को खुदरा रूप में बेचते हैं।जब्त सामान, वाहन एवं गिरफ्तार दोनों व्यक्तियों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए सीमा शुल्क जयनगर को सुपुर्द किया जा रहा है।48वीं वाहिनी एसएसबी के कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर अवैध व्यापार, तस्करी एवं बिना वैध दस्तावेज सामान के आवागमन की रोकथाम के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर लगातार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि सीमा क्षेत्र में अवैध गतिविधियों के विरुद्ध आसूचना आधारित कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

लंबित मामलो के त्वरित निष्पादन का निर्देश, योजनाओं को समय-सीमा में पूरा कराने पर जोर

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जिलाधिकारी के निर्देश के आलोक में बुधवार को अपर समाहर्ता संतोष कुमार की अध्यक्षता में अंतर्विभागीय, राजस्व एवं तकनीकी विभागो की साप्ताहिक समन्वय एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। वर्चुअल माध्यम से हुई बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों, लंबित मामलों एवं विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।बैठक में कोषागार, जिला नीलाम पत्र शाखा, विधि शाखा, लोक शिकायत निवारण एवं अनुश्रवण प्रणाली, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण प्रमंडल, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, पश्चिमी कोसी नहर तथा बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल सहित विभिन्न विभागों की समीक्षा की गई। अपर समाहर्ता ने उपयोगिता प्रमाण पत्र सहित लंबित वित्तीय मामलो के निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया।इस दौरान लंबित नीलाम पत्र वादो की भी समीक्षा की गई और मामलो के त्वरित निष्पादन के लिए आवश्यक प्रगति सुनिश्चित करने को कहा गया। विधि शाखा से संबंधित एमजेसी, सीडब्ल्यूजेसी, एलपीए समेत विभिन्न न्यायालयीन मामलों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई। संबंधित अधिकारियों को न्यायलयीन मामलों में समयबद्ध कार्रवाई करने तथा आवश्यक प्रतिवेदन एवं शपथ पत्र समय पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।लोक शिकायत निवारण एवं अनुश्रवण प्रणाली के तहत लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए अपर समाहर्ता ने आमजनो से प्राप्त शिकायतो के निष्पादन में गंभीरता एवं तत्परता बरतने को कहा। वहीं, तकनीकी विभागों की समीक्षा के दौरान विभिन्न निर्माण एवं विकास योजनाओं की भौतिक प्रगति की जानकारी ली गई।अपर समाहर्ता ने लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, पश्चिमी कोसी नहर एवं बाढ़ नियंत्रण से जुड़ी योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा कराने का निर्देश दिया। उन्होने कहा कि सभी विभाग अपने-अपने लंबित मामलों एवं योजनाओं की नियमित समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि जिले में विकास एवं जनहित से जुड़े कार्यों का समयबद्ध निष्पादन हो सके।बैठक में संबंधित विभागो के वरीय पदाधिकारी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए।

आठ लीटर देशी शराब दारू के साथ कारोबारी गिरफ्तार

मनीगाछी(दरभंगा). थाना क्षेत्र के ब्रह्मपुरा गांव निवासी मंगल सदाय को आठ लीटर देशी शराब दारू के साथ बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। मनीगाछी थानाध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह के अनुसार शराब दारू की सप्लाई करने की मिली गुप्त सूचना पर की गई छापेमारी में उसकी होंडा बाइक की डिक्की से शराब बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि उसकी बाइक की जब्ती के साथ ही उसे हिरासत में लिया गया है और न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

सदर अस्पताल में जांच एवं उपचार चिकित्सा आपके द्वार अभियान का शुभारंभ

मधुबनी। मधुबनी राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार के निर्देश के आलोक में गैर-संचारी रोगों (एनपी-एनसीडी) की समय पर पहचान, जांच एवं उपचार को आम लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से बुधवार को सदर अस्पताल, मधुबनी में जांच एवं उपचार चिकित्सा आपके द्वार अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ किया गया। यह विशेष अभियान 2 सितंबर से 30 नवंबर 2026 तक चलेगा।कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा, सिविल सर्जन हरेन्द्र कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी, चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान गैर-संचारी रोगों की समय पर पहचान, जांच एवं उपचार के महत्व की जानकारी दी गई। अभियान के तहत अधिक से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने तथा आवश्यक जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाएगा। जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा ने कहा कि गैर-संचारी रोगों की समय पर पहचान और उपचार से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव संभव है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारियों एवं कर्मियों को अभियान का प्रभावी संचालन करते हुए अधिक से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने जिलेवासियों से अभियान का लाभ उठाने की अपील की। डीएम ने अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए जिले में जागरूकता रथ चलाने तथा विभिन्न माध्यमों से लोगों को जागरूक करने का भी निर्देश दिया।सिविल सर्जन हरेन्द्र कुमार ने कहा कि अभियान के दौरान निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप जांच एवं उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने आमलोगों से नियमित स्वास्थ्य जांच कराने तथा किसी भी स्वास्थ्य संबंधी समस्या की स्थिति में समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेने की अपील की।

विधायक ने एनटीपीसी अधिकारियों के साथ की बैठक, लैगून वन क्षेत्र की सफाई के साथ स्थानीय युवाओं को रोजगार पर जोर

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। कांटी विधायक सह पूर्व मंत्री ई. अजीत कुमार ने बुधवार को एनटीपीसी कांटी के आईबी में अधिकारियों के साथ बैठक कर क्षेत्र से जुड़े विभिन्न जनहित के मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में कांटी-कोठियां क्षेत्र के लैगून वन क्षेत्र की विशेष सफाई, स्थानीय बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने तथा एनटीपीसी के सीएसआर मद से विकास कार्य कराने पर विशेष जोर दिया गया। विधायक ने लैगून वन क्षेत्र में जंगल-झाड़ियों के कारण स्थानीय लोगों को हो रही परेशानी को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल साफ-सफाई कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में साफ-सफाई एवं बेहतर वातावरण के लिए नियमित रूप से आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। विधायक अजीत कुमार ने एनटीपीसी के परियोजना प्रमुख पंकज गुप्ता से स्थानीय बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने को लेकर भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास में स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए और रोजगार के क्षेत्र में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। बैठक के दौरान कांटी-कोठियां में छठ घाट के निर्माण को लेकर भी विशेष पहल करने की मांग की गई। विधायक ने कहा कि छठ पर्व से पहले घाट का निर्माण पूरा हो जाए, ताकि छठव्रती नवनिर्मित घाट पर सुविधापूर्वक पूजा-अर्चना कर सकें। उन्होंने एनटीपीसी अधिकारियों से सीएसआर मद से क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार सड़क, नाली, साफ-सफाई, शिक्षा, स्वास्थ्य समेत अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े विकास कार्य कराने पर जोर दिया। विधायक ने अधिकारियों से जनहित के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने की बात कही। बैठक में एनटीपीसी के परियोजना प्रमुख पंकज गुप्ता, जीएम ओएण्डएम कैलाश प्रसाद सतपति, जीएम मेंटेनेंस उमेश कुमार, जीएम एफएम निर्मल कुमार सिंह, जीएम टीएस-पीएंडआर देव्य वर्मा, डीजीएम एचआर संजीत कुमार समेत नंदकिशोर सिंह, मुरारी झा, विवेक रंजन, दीपक उर्फ टुन्ना सहित अन्य मौजूद थे।

रेवा रोड पर जाम ने बढ़ाई परेशानी, अवैध ऑटो बस स्टैंड और अतिक्रमण बना वजह

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। शहर के बाहरी लेकिन बेहद महत्वपूर्ण स्वास्थ्य इलाके भगवानपुर-रेवा रोड की तस्वीर इन दिनों कुछ ऐसी है कि रात में सड़कें चौड़ी और दिन निकलते ही संकरी नजर आने लगती हैं। वजह कोई दृष्टिभ्रम नहीं, बल्कि सड़क पर बढ़ता अतिक्रमण, अवैध ऑटो-बस स्टैंड और बेतरतीब पार्किंग है। एयरपोर्ट के शिलान्यास की तैयारियों के बीच शहर से एयरपोर्ट की ओर जाने वाली प्रमुख सड़क की यह स्थिति व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है। छपरा और मुजफ्फरपुर को जोड़ने वाली रेवा रोड पर दिन के समय जाम की स्थिति अक्सर गंभीर हो जाती है। सड़क के दोनों ओर अस्थायी दुकानें और सड़क पर खड़े ऑटो-बस के कारण यातायात प्रभावित रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात में जब सड़क खाली होती है तो यही रास्ता काफी चौड़ा दिखाई देता है, लेकिन सुबह होते ही वाहनों और अतिक्रमण के कारण सड़क सिकुड़ती नजर आती है। जाम का असर आम लोगों के साथ-साथ एम्बुलेंस, स्कूल बसों और वीआईपी वाहनों पर भी पड़ता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, वीआईपी वाहन जाम में फंसते ही ट्रैफिक पुलिस सक्रिय हो जाती है और उनके निकलने तक व्यवस्था संभाली जाती है। हालांकि आम दिनों में जाम से निपटने की व्यवस्था को लेकर लोग सवाल उठाते रहे हैं। रेवा रोड पर जाम को नियंत्रित करने के लिए ट्रैफिक पुलिस के जवानों की तैनाती की गई है। सड़क के बीच डिवाइडर भी लगाया गया था, लेकिन स्थानीय लोगों के अनुसार अब डिवाइडर का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त होकर सड़क किनारे पड़ा है और यातायात व्यवस्था में उसका अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा है। लोगों ने आरोप लगाया कि अवैध रूप से संचालित ऑटो और बस स्टैंड जाम की बड़ी वजह हैं। उनका दावा है कि भगवानपुर-रेवा रोड इलाके में दो ऑटो स्टैंड संचालित होते हैं, जहां वाहन चालकों से कथित तौर पर नियमित रूप से वसूली की जाती है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

जांच एवं उपचार, चिकित्सा आपके द्वार कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।राज्य सरकार की महत्वपूर्ण स्वास्थ्य पहल जांच एवं उपचार, चिकित्सा आपके द्वार कार्यक्रम का शुभारंभ आज मुख्यमंत्री द्वारा पटना स्थित ऊर्जा ऑडिटोरियम से किया गया। मुजफ्फरपुर जिले में कार्यक्रम के शुभारंभ को लेकर सदर अस्पताल, मुजफ्फरपुर में व्यापक व्यवस्था की गई। कार्यक्रम का आयोजन माननीय मंत्री, पर्यटन विभाग केदार प्रसाद गुप्ता, माननीय विधायक रंजन कुमार एवं जिला पदाधिकारी कुमार गौरव के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सहित अन्य जनप्रतिनिधि, स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।कार्यक्रम में उपाधीक्षक, प्रभारी जिला संचारी रोग पदाधिकारी, प्रभारी जिला गैर-संचारी रोग पदाधिकारी, जिला अनुश्रवण एवं मूल्यांकन पदाधिकारी तथा सदर अस्पताल प्रबंधक सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। राज्य स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम को टू-वे कम्युनिकेशन के माध्यम से मुजफ्फरपुर के सदर अस्पताल, मुजफ्फरपुर एवं आरएच सकरा से सीधे जोड़ा गया। दोनों स्वास्थ्य संस्थानों में टू-वे कम्युनिकेशन के माध्यम से राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया तथा स्थानीय स्तर से कार्यक्रम में सहभागिता सुनिश्चित की गई।इसके अतिरिक्त जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र , प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं अन्य संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों में वेबकास्टिंग के माध्यम से राज्य स्तरीय उद्घाटन कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। स्वास्थ्य संस्थानों में टीवी एवं स्क्रीन के माध्यम से स्वास्थ्य पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने माननीय मुख्यमंत्री द्वारा कार्यक्रम के शुभारंभ का सीधा प्रसारण देखा एवं सुना।जांच एवं उपचार, चिकित्सा आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से गैर-संचारी रोगों की समय पर पहचान, रोकथाम एवं उपचार पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत लोगों की नियमित रूप से इढ एवं ब्लड शुगर की जाँच, ओरल कैंसर एवं स्तन कैंसर की स्क्रीनिंग तथा आवश्यकतानुसार एनसीडी संबंधी जांच की जाएगी।इस पहल का उद्देश्य गैर-संचारी रोगों को गंभीर अवस्था में पहुँचने से पहले ही पहचानना, उपचार शुरू करना और लोगों को उचित चिकित्सकीय देखभाल उपलब्ध कराना है।

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय की स्नातक परीक्षा की तारीखों में बदलाव, 5 सितंबर की परीक्षा अब 18 को

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय ने स्नातक परीक्षा के कार्यक्रम में बड़ा बदलाव किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने तीन दिनों की परीक्षा तिथियों में संशोधन करते हुए संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसके तहत पांच सितंबर से प्रस्तावित परीक्षा अब छह सितंबर से शुरू होगी। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अरविंद कुमार ने बुधवार दोपहर संशोधित परीक्षा कार्यक्रम से संबंधित अधिसूचना जारी की। नए कार्यक्रम के अनुसार 5 सितंबर की परीक्षा अब 18 सितंबर, 11 सितंबर की परीक्षा 19 सितंबर और 14 सितंबर की परीक्षा 21 सितंबर को आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार छुट्टियों और प्रशासनिक व्यस्तताओं को देखते हुए परीक्षा तिथियों में बदलाव किया गया है। पांच सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर अवकाश है। वहीं, 11 सितंबर को विश्वविद्यालय में राज्यपाल के संभावित आगमन को देखते हुए परीक्षा की तिथि बदली गई है। इसके अलावा 14 सितंबर को हरितालिका तीज व्रत होने के कारण उस दिन निर्धारित परीक्षा को आगे बढ़ाया गया है। संशोधित परीक्षा कार्यक्रम की प्रति विश्वविद्यालय के सभी अंगीभूत एवं संबद्ध कॉलेजों के प्राचार्यों को भेज दी गई है। साथ ही इसे विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया है। छात्र-छात्राएं अपने ग्रुप, विषय और पाली के अनुसार संशोधित परीक्षा कार्यक्रम की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी परीक्षार्थी की परीक्षा निर्धारित तिथि पर छूट जाने की स्थिति में दोबारा परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। परीक्षा नियंत्रक ने विद्यार्थियों से संशोधित रूटीन ध्यानपूर्वक देखने और उसी के अनुसार परीक्षा की तैयारी करने की अपील की है। यह परीक्षा सत्र 2023-27 के तहत नामांकित स्नातक विद्यार्थियों की है, जिसे अब संशोधित तिथियों के अनुसार आयोजित किया जाएगा।

सेंटर फॉर सोशल एण्ड इकॉनोमिक पॉलिसी टीम ने 40 से अधिक विभागों के साथ किया समन्वयन बैठक

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार में सरकार की विभिन्न योजनाओं के समन्वयन से कैसे बिहार का विकास हो और एक सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त समाज बने, इसके लिए मुजफ्फरपुर जिले के विभिन्न विभागों के साथ सेंटर फॉर सोशल एण्ड इकॉनोमिक पॉलिसी की तीन सदस्यों की टीम ने मंगलवार को जिला सभागार में बैठक किया । टीम का नेतृत्व कर रही मधु खेतान ने सभी विभागों के समन्वयन से किस तरह से जमीनी स्तर पर कार्यक्रम किया जा रहा है इस पर परिचर्चा की। बैठक के दौरान डीआरडीए डायरेक्टर अभिजीत चौधरी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, पंचायती राज पदाधिकारी, मनरेगा डीपीओ, जिला नजारत पदाधिकारी, एडीएम, ओएसडी सहित सभी विभागों के प्रतिनिधि मौजूद थे।बैठक का संचालन जीविका डीपीएम अनीशा ने किया।सरकार की सभी योजनाओं में किस तरह से जीविका की भूमिका बढ़ रही है और आखिर क्यों सभी योजनाओं में जीविका को प्राथमिकता के साथ जोड़ा जा रहा है इसको लेकर के सभी विभागों के साथ वार्ता की गई। सदर अस्पताल में दीदी की रसोई, अनुसूचित जाति विद्यालयों में दीदी की रसोई, साफ-सफाई और मनरेगा के साथ ही स्वच्छ बिहार अभियान में जीविका दीदियों की भूमिका पर सभी ने अपना पक्ष रखा।

इससे पहले टीम के सदस्यों ने जीविका जिला कार्यालय में जीविका के विषयगत प्रबंधकों के साथ वार्ता कर जीविका की प्रगति और समन्वयन कार्यक्रमों पर चर्चा की।

इसके साथ ही संगम संकुल स्तरीय संघ मुशहरी में करीब 50 दीदियों के साथ टीम के लोगों ने वार्ता कर उनके जीवन में जीविका और सरकार की योजनाओं के द्वारा किस तरह से बदलाव आया है इसकी जमीनी हकीकत भी जानी। इस दौरान आगा खान फाउंडेशन की टीम से जुड़ी दीदियों ने बकरी पालन का अनुभव साझा किया।टीम का नेतृत्व कर रही मधु खेतान ने बताया कि सभी विभागों के समन्वयन से सरकार की योजनाएं कितनी कारगर हुई इसको लेकर के एक मंथन किया जा रहा है ताकि भविष्य की योजनाओं को लेकर रुपरेखा तैयार किया जा सके। इस दौरान संचार प्रबंधक राजीव रंजन, अभिषेक कुमार,मशरूर अहमद, बीपीएम गोपाल कुमार झा, आगा खान फाउंडेशन से खुशबू कुमारी, नवनीत कुमार, प्रसून कुमार, डॉ सरोज, रितेश कुमार, नूरी जमाल,रितिका जेना, शोभा साव, सोमनाथ कुमार सहित कई दीदियाँ और जीविकाकर्मी उपस्थिति रहें।

लापता बीए छात्र अजय कुमार का बूढ़ी गंडक में मिला शव

मुजफ्फरपुर। अहियापुर थाना क्षेत्र से लापता 21 वर्षीय बीए छात्र अजय कुमार का शव बुधवार सुबह बूढ़ी गंडक नदी से बरामद किया गया। राजा पुनास इलाके में एसडीआरएफ की टीम ने खोजबीन के दौरान शव को नदी से बाहर निकाला। अजय अहियापुर थाना क्षेत्र के नजीरपुर निवासी बेनी पासवान का पुत्र था। शव मिलने की सूचना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों के अनुसार, अजय पिछले दो-तीन दिनों से बीमार चल रहा था और किसी बात को लेकर परेशान भी था। इसी बीच वह बिना किसी को बताए घर से निकल गया। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान चंदवारा बूढ़ी गंडक नदी घाट पुल के पास उसकी चप्पल मिलने की जानकारी मिली। चप्पल देखकर परिजनों ने उसके नदी में जाने की आशंका जताई। इसके बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से नदी में उसकी तलाश शुरू की गई। खोजबीन के लिए गोताखोरों और एसडीआरएफ की टीम को लगाया गया। बुधवार सुबह राजा पुनास इलाके में एसडीआरएफ की टीम ने अजय का शव बरामद कर लिया। हालांकि, अजय की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसे लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। परिजनों की ओर से अब यह भी दावा किया जा रहा है कि अजय की मौत नदी में नहाने के दौरान डूबने से हुई। वहीं, इससे पहले उसके मानसिक रूप से परेशान होने और नदी में चले जाने की आशंका जताई गई थी। ऐसे में मौत के वास्तविक कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही चल सकेगा। अहियापुर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि अजय नदी तक कैसे पहुंचा और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई। छात्र का शव मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इलाके में भी शोक का माहौल है।

नेपाल की बाढ़ के साथ बिहार में पहुंचीं अज्ञात मछलियां, मत्स्य विभाग ने जारी की चेतावनी

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। नेपाल में आई भीषण बाढ़ के बाद बिहार के सीमावर्ती इलाकों में नदियों और जलाशयों में अज्ञात एवं असामान्य दिखने वाली मछलियां मिलने से चिंता बढ़ गई है। बाढ़ के तेज बहाव के साथ नेपाल की नदियों से बहकर आई इन मछलियों को लेकर स्थानीय स्तर पर लोगों को सतर्क किया जा रहा है। मत्स्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि बाढ़ के पानी या बाढ़ प्रभावित जलस्रोतों से पकड़ी गई अनजान मछलियों का सेवन नहीं करें। नेपाल में लगातार बारिश और नदियों में बढ़े जलस्तर के कारण बड़ी मात्रा में पानी बिहार की ओर आया है। इसके साथ जलीय जीव भी बहकर भारतीय क्षेत्र में पहुंचने की बात सामने आ रही है। सीतामढ़ी, मधुबनी, रक्सौल, अररिया और सुपौल समेत सीमावर्ती क्षेत्रों के जलस्रोतों में सामान्य से अलग दिखाई देने वाली मछलियां मिलने की चर्चा है। इनके रंग-रूप और आकार स्थानीय मछलियों से अलग बताए जा रहे हैं।बताया जा रहा है कि बाढ़ के पानी में रहने के कारण ऐसी मछलियां दूषित पानी, गंदगी और अन्य संक्रमणकारी पदार्थों के संपर्क में आ सकती हैं। इससे इनके सेवन से स्वास्थ्य संबंधी खतरा पैदा होने की आशंका है। विशेषज्ञों के अनुसार, बिना पहचान और जांच के किसी अज्ञात मछली को खाने से बचना चाहिए। बाढ़ के साथ बाहरी प्रजातियों के जलस्रोतों में पहुंचने से स्थानीय जलीय पारिस्थितिकी तंत्र पर भी असर पड़ने की आशंका है। यदि कोई आक्रामक प्रजाति स्थानीय जलस्रोतों में तेजी से फैलती है तो वह देशी मछलियों के भोजन और आवास पर दबाव डाल सकती है। इससे जलीय जैव विविधता प्रभावित हो सकती है। प्रशासन की ओर से लोगों से कहा गया है कि मछली पकड़ने के दौरान किसी असामान्य या अज्ञात प्रजाति की मछली जाल में फंसने पर उसे खाने या बाजार में बेचने के बजाय इसकी सूचना संबंधित मत्स्य पदाधिकारी को दें। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मछलियों की स्थिति पर नजर रखने और लोगों को जागरूक करने की जरूरत पर भी जोर दिया जा रहा है। हालांकि, किसी भी मछली को केवल अलग दिखने के आधार पर जहरीली या जानलेवा मानना उचित नहीं है। मछली की प्रजाति और उसके स्वास्थ्य संबंधी खतरे की पुष्टि विशेषज्ञ जांच के बाद ही की जा सकती है। ऐसे में फिलहाल लोगों के लिए सबसे सुरक्षित उपाय यही है कि बाढ़ के पानी से पकड़ी गई अज्ञात मछलियों के सेवन से बचें और संदिग्ध मछली मिलने पर विभाग को सूचना दें।

भीषण सड़क हादसा में दो बसों की आमने-सामने टक्कर, चालक की मौत, कई यात्री घायल

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। औराई थाना क्षेत्र के गोपालपुर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-22 पर बुधवार की दोपहर दो यात्री बसों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में गिरजा बस के चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दोनों बसों में सवार आधा दर्जन से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गिरजा बस के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया। दुर्घटना के बाद मौके पर जुटे स्थानीय ग्रामीणों ने गैस कटर और लोहे की रॉड की मदद से बस का गेट काटकर चालक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

मृतक चालक की पहचान सीतामढ़ी जिले के मुरादपुर गांव निवासी अजीत कुमार के रूप में हुई है। हादसे के दौरान तेज आवाज के साथ दोनों बसों की भिड़ंत हुई, जिसके बाद यात्रियों में चीख-पुकार और अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को निजी वाहनों और एंबुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। इधर, सूचना मिलते ही औराई थाने की पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों बसों को सड़क से हटाकर किनारे कराया, जिसके बाद एनएच-22 पर यातायात बहाल कराया गया। पुलिस ने मृतक चालक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया है। हादसा कैसे हुआ, इसकी जांच पुलिस कर रही है।

शैक्षणिक अराजकता, बदहाल शिक्षा व बेरोजगारी के खिलाफ छात्र-युवा संसद का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। शैक्षणिक अराजकता, एनटी भंग करने, नई शिक्षा नीति वापस लेने, फीस वृद्धि वापस लेने, सम्राट सरकार द्वारा घोषित एक करोड़ नौजवानों को रोजगार देने सहित शैक्षणिक अराजकता व बदहाली दूर करने के सवाल पर आइसा व आरवाईए के द्वारा बुधवार को विश्वविद्यालय स्तर में मुजफ्फरपुर समाहरणालय परिसर में छात्र -युवा संसद का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में सैकडों की संख्या में छात्र-युवाओं और सामाजिक कार्यकताओं की भागीदारी हुई। छात्र-युवा संसद को संबोधित करते हुए जेएनयू के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष धनंजय ने कहा कि बदहाल शिक्षा, पेपरलीक, फीस वृद्धि व स्कूलों ,कॉलेजों व विश्वविद्यालयों को संसाधनहीन करके देश के करोड़ों छात्रों को शिक्षा से वंचित किया जा रहा है। 7.5 सीजीपीए भी छात्रों को पढ़ाई से वंचित करने का एक हथकंडा है। नई शिक्षा नीति शिक्षा के भगवाकरण और देशी-विदेशी कॉरपोरेट घरानों को फायदा पहुंचाने के लिए थोपा जा रहा है। इसके खिलाफ जंतर-मंतर से शुरू जेन जी का आंदोलन और व्यापक आक्रामक बन गया है। आइसा शहर से गांव छात्र - युवाओं के आंदोलन को और तेज करने में जुटा हुआ है। आरवाईए केराष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व विधायक अजीत कुशवाहा ने कहा कि इस देश में करोड़ों नौजवान बेरोजगार हैं। पटना - दिल्ली की सरकार बेरोगारी दूर करने के प्रति गंभीर नहीं है। ठेका-पट्टा और आउटसोर्सिंग की नीति युवाओं के जिन्दगी और भविष्य के साथ खिलवाड़ है। ऐपवा की राष्ट्रीय महासचिव व माले पॉलिट ब्यूरो सदस्य मीना तिवारी ने संसद को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का निजीकरण करके गरीब छात्र-छात्राओं को शिक्षा से वंचित किया जा रहा है। लड़कियों और महिलाओं के रोजगार के प्रति सरकार कहीं से गंभीर नहीं है। छात्राओं और महिलाओं पर हिंसक कारवाई और बलात्कार की घटनाएं तेजी से बढ़ रही लेकिन इसको रोकने के प्रति सरकार गंभीर नहीं है। नई पीढ़ी जिसमें लड़कियां भी है शिक्षा और रोजगार ,सम्मान के लिए तथा अप संस्कृति के खिलाफ लड़कर आगे बढ़ने के लिए अब तैयार है। उन्होंने चुनाव में वोट का अधिकार 16 साल के युवाओं को भी देने की वकालत की। आरवाईए के राज्य उपाध्यक्ष संदीप चौधरी ने कहा कि गांव में विद्यालयों में कैमरे और विषयवार शिक्षक नहीं है। शिक्षित नौजवान बाहर पलायन को मजबूर हैं। इसके खिलाफ संघर्ष ही एकमात्र रास्ता है। इस छात्र-युवा संवाद कार्यक्रम के जरिए नई शिक्षा नीति वापस लेने ,एन टी ए को भंग करने ,पेपर लीक पर रोक लगाने, फीस वृद्धि वापस लेने, 7.5 सीजीपीए की बाध्यता खत्म करने व नौजवानों को रोजगार देने के सवाल पर अभियान चलाकर इस संदेश को हर गांव, स्कूल ,कॉलेज तक पहुंचाने का आह्वान किया गया । छात्र-युवा संसद में नेताओं ने व्यापक शिक्षा सुधार व रोजगार के सवाल पर 6 सितंबर को पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल सभागार में होनेवाले छात्र-युवा संसद व संवाद में शामिल होने का आह्वान किया गया जिसे माले महासचिव कॉम्ड्ड दीपंकर भट्टाचार्य ,आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा, हबीबा, इरफान ,प्रोड्ड्मेडुसा सहित अन्य नेता संबोधित करेंगे।

कलमबाग स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा शुरू

मुजफ्फरपुर। शहर के कलमबाग चौक स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर परिसर में बुधवार से नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। बागेश्वर धाम शिष्य मंडल मुजफ्फरपुर और मंदिर परिवार के संयुक्त सहयोग से आयोजित धार्मिक कार्यक्रम की शुरूआत भव्य कलश यात्रा के साथ हुई। इसमें शिष्य मंडल के प्रभारी समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु और सदस्य शामिल हुए। आयोजकों के अनुसार कथा का आयोजन 2 से 9 सितंबर तक प्रतिदिन शाम 4 से 7 बजे तक होगा। इस दौरान श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत महापुराण के विभिन्न प्रसंगों का श्रवण कराया जाएगा। आयोजकों ने मुजफ्फरपुर सहित आसपास के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कथा का लाभ उठाने की अपील की है। कार्यक्रम में मीडिया प्रभारी सनिश कुमार, सह प्रभारी प्रियंका रानी, बलराम तिवारी समेत शिष्य मंडल के सदस्य मौजूद रहे।

गायघाट के शिवदाहा में 24 सितंबर से होगी इंद्र पूजा

मुजफ्फरपुर। जिले के गायघाट प्रखंड क्षेत्र स्थित शिवदाहा विशेश्वर मार्केट परिसर में इंद्र पूजा की तैयारी शुरू हो गई है। मिथिला की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं से जुड़े इस आयोजन को लेकर ग्रामीणों और श्रद्धालुओं में काफी उत्साह है। इस वर्ष इंद्र पूजा को और भव्य बनाने की तैयारी की जा रही है। बताया गया है कि 24 सितंबर 2026 से सात दिनों तक इंद्र पूजा का आयोजन किया जाएगा। पूजा को लेकर स्थानीय कलाकारों और कारीगरों द्वारा इंद्रदेव की मिट्टी की प्रतिमाएं तैयार की जाएंगी। प्रतिमाओं के निर्माण के बाद उनकी बारीकी से रंगाई-पुताई और आकर्षक सजावट की जाएगी। कारीगर प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटेंगे।

ढाई साल के बेटे की हत्या की आरोपी महिला एसकेएमसीएच से फरार

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। अपने ही ढाई साल के बेटे को कथित तौर पर जहरीला पदार्थ मिला बिस्कुट खिलाकर हत्या करने के आरोप में जेल भेजी गई महिला बुधवार की अहले सुबह एसकेएमसीएच से फरार हो गई। इलाज के लिए शहीद खुदीराम बोस केंद्रीय कारा से एसकेएमसीएच के एमसीएच वार्ड में भर्ती कराई गई आरोपी महिला ने निगरानी में तैनात पुलिसकर्मियों को बाथरूम जाने के बहाने चकमा दिया और अस्पताल से निकल गई। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। फरार महिला की गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। मामला रामपुरहरि थाना क्षेत्र के टेंगरांहा उत्तरी टोला का है। 20 अगस्त को ढाई वर्षीय आर्यन कुमार की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। परिजनों के अनुसार, बच्चे की हालत बिगड़ने के बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। मामले में बच्चे की मां पर बिस्कुट में जहरीला पदार्थ मिलाकर खिलाने का आरोप लगा था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए महिला को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। जेल प्रशासन के अनुसार, आरोपी महिला करीब दो माह की गर्भवती थी। तबीयत खराब होने के बाद उसे 29 अगस्त को इलाज के लिए एसकेएमसीएच के एमसीएच वार्ड में भर्ती कराया गया था। उसकी निगरानी के लिए दो पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। बुधवार की सुबह महिला ने बाथरूम जाने की बात कही और इसी दौरान निगरानी में तैनात पुलिसकर्मियों को चकमा देकर अस्पताल से फरार हो गई। महिला के फरार होने की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारियों में अफरातफरी मच गई। एसकेएमसीएच पुलिस की मदद से अस्पताल परिसर और आसपास के इलाकों में उसकी तलाश शुरू की गई। पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। साथ ही अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि महिला के निकलने की दिशा और उसके संभावित सहयोगियों का पता लगाया जा सके। शहीद खुदीराम बोस केंद्रीय कारा के अधीक्षक ने बताया कि तबीयत खराब होने के कारण महिला को 29 अगस्त को एसकेएमसीएच में भर्ती कराया गया था। उसकी सुरक्षा के लिए दो पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे, लेकिन बाथरूम जाने के बहाने वह दोनों को चकमा देकर फरार हो गई। गंभीर आपराधिक मामले में न्यायिक हिरासत में बंद आरोपी के अस्पताल से फरार होने के बाद सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। पुलिस अब महिला को दोबारा गिरफ्तार करने के साथ यह पता लगाने में जुटी है कि अस्पताल से निकलने के बाद उसने किस रास्ते का इस्तेमाल किया और क्या फरारी में किसी ने उसकी मदद की।

एमएलसी की 8 सीटों पर चुनाव लड़ेगी जन सुराज पार्टी : प्रशांत किशोर

प्रात: किरण संवाददाता

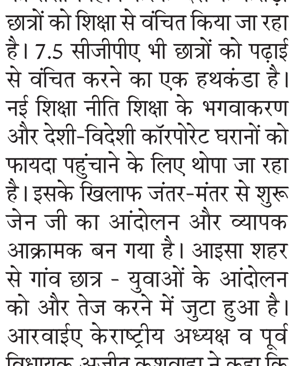

मुजफ्फरपुर। तिरहुत शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी चुनाव को लेकर जन सुराज ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को मुजफ्फरपुर के जिला परिषद मार्केट स्थित होटल शुभकामना में आयोजित बैठक में जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर शामिल हुए। बैठक में मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, शिवहर और वैशाली के संगठन पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से संभावित प्रत्याशी को लेकर राय ली गई। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में प्रशांत किशोर ने कहा कि जन सुराज आगामी एमएलसी चुनाव में आठ सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने बताया कि बैठक में इस बात पर विस्तृत चर्चा हुई कि पार्टी की ओर से किसे उम्मीदवार बनाया जाए। चुनाव लड़ने के इच्छुक लोगों ने भी अपनी बात रखी है। कार्यकताओं और संगठन के पदाधिकारियों से मिले सुझावों के आधार पर अगले दो से चार दिनों में प्रत्याशी की घोषणा कर दी जाएगी। प्रशांत किशोर ने कहा कि तिरहुत प्रमंडल में संगठन के महत्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारी संभाल रहे नेताओं को बैठक में बुलाया गया था, ताकि संभावित प्रत्याशी और चुनावी तैयारियों को लेकर उनकी राय ली जा सके। उन्होंने कहा कि सभी के सुझाव सुने गए हैं और इन्हीं के आधार पर पार्टी आगे का निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि चुनाव में जन सुराज का जनाधार बढ़ रहा है या घट रहा है, इसका फैसला परिणाम आने पर होगा। कार्यकर्ता और समर्थक चाहते हैं कि पार्टी पूरी ताकत के साथ चुनाव मैदान में उतरे। संगठन में चुनाव को लेकर उत्साह है और कार्यकर्ता पूरी मजबूती से चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटे हैं। बैठक में संगठन को मजबूत करने, मतदाताओं तक पहुंच बढ़ाने और प्रभावी चुनावी रणनीति तैयार करने पर भी चर्चा हुई। इस दौरान जन सुराज के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती, एनपी मंडल, सुभाष कुशवाहा, सरवर अली समेत प्रदेश स्तर के कई नेता मौजूद रहे। बैठक में जिला अध्यक्ष लाल बाबू, जिला महासचिव बिपिन चौधरी, मुख्य प्रवक्ता नदीम खान, वंदना प्रीतम, महिला अध्यक्ष रंजना कुमारी, युवा अध्यक्ष राहुल राज, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष इम्तियाज वारसी समेत बड़ी संख्या में पार्टी नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

पुरवा हवा के साथ बदला मौसम का मिजाज

सामान्य से 3.9 डिग्री नीचे रहा अधिकतम तापमान

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय स्थित जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केंद्र की ओर से बुधवार, 2 सितंबर का मौसम संबंधी आंकड़ा जारी किया गया। इसके अनुसार पूसा में अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.9 डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से 2.3 डिग्री कम है। मौसम केंद्र के अनुसार सुबह सात बजे सापेक्ष आर्द्रता 89 प्रतिशत और दोपहर दो बजे 84 प्रतिशत रही। पिछले 24 घंटे के दौरान पूसा में 1.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। बारिश और पुरवा हवा के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। इस दौरान हवा की गति 15.6 किलोमीटर प्रति घंटा रही और हवा की दिशा पुरवा रही। वाष्पोत्सर्जन 3.1 मिलीमीटर दर्ज किया गया। तापमान सामान्य से नीचे रहने के कारण लोगों को सितंबर की शुरूआत में भी अपेक्षाकृत ठंडक का अहसास हो रहा है।

विचार मंथन

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
पटना, गुरुवार, 03 सितंबर, 2026

सम्पादकीय

महंगाई पर हाहाकार, सरकार का दावा कुछ और

सितंबर का महीना आते ही देश में पर्व-त्योहारों की शुरूआत भी हो जाती है। रक्षाबंधन तो महंगाई के बीच किसी तरह बीत गया। लेकिन अब गणेश चतुर्थी, तीज, नवरात्रि, करवा चौथ, दशहरा, दीपावली सारे अहम पर्व त्योहार लोगों को मनाने हैं। सवाल यही है कि जिस तेजी से महंगाई बढ़ी है, क्या उसके बाद त्योहारों की खुशियों पर आम आदमी का कुछ हक बचेगा, या त्योहार भी अब केवल अमीरों के लिए रहेंगे। क्योंकि इस बार सितंबर की शुरूआत होते ही महंगाई का चौतरफा वार भी शुरू हो गया है। ऊपर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राहत के दो बोल कहने की जगह किर्गिस्तान में बैठकर प्रवचन दे रहे हैं कि लोग विदेश यात्रा न करें, सोना न खरीदें, स्थानीय उत्पाद खरीदें। पाठक जानते हैं कि किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन की शीर्ष बैठक में शामिल होने के लिए नरेन्द्र मोदी गए हुए हैं। किर्गिस्तान से पहले वे उज्बेकिस्तान पहुंचे। लोग विदेश यात्रा न करें, ऐसी अपील करने से पहले मोदी थोड़ा इंतजार कर लेते कि खुद देश लौट आएं। लेकिन उन्हें अब इन सबकी कोई परवाह ही नहीं है। इस साल अब तक नरेन्द्र मोदी कम से कम 15 देशों की यात्रा कर चुके हैं। जब प.एशिया में अमेरिका और इजरायल की युद्ध नीति के कारण संकट बढ़ा और होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग बंद होने के कारण ऊर्जा का संकट गहराया, तब भी नरेन्द्र मोदी ने यही अपील की थी कि लोग सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें, विदेश न जाएं, सोना न खरीदें। हालांकि ऐसे उपदेश देकर वो खुद विदेश दौरे पर निकल गए थे और लोगों को चिढ़ाने के लिए इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी को मेलोडी टॉफी भेंट कर रहे थे। नरेन्द्र मोदी ग्लोबल की जगह लोकल यानी स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का ज्ञान भी जनता को बांटते-फिरते हैं, लेकिन खुद उनके चश्मे, जूते, घड़ियां, गाड़ियां सब विदेशी रहते हैं। हर किसी के लिए गांधी बनना मुमकिन नहीं है कि आश्रम में रहें और अपने हाथ से काते हुए सूत के कपड़े पहनें। लेकिन गांधीजी किसी को ज्ञान नहीं देते थे, वो अपने जीवन में जिन मूल्यों पर यकीन रखते थे, उन्हें अपनाते थे, बाकी लोग उनका अनुसरण करते थे। लेकिन नरेन्द्र मोदी सारा त्याग और समर्पण लोगों से मांगते हैं और खुद विदेशों में घूम रहे हैं। इस समय देश में महंगाई से लेकर शिक्षा, लड़कियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी जैसे कई मुद्दों पर हाहाकार मचा है। लेकिन नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को फिर से एक इंस्टाग्राम रील बनाकर कहा है कि देश खुशियों से भर गया है। दरअसल सरकार की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने इंस्टाग्राम वीडियो के साथ लिखा 7.8 फीसदी की वृद्धि, मजबूत आंकड़े और उससे भी मजबूत भरोसा। प्रधानमंत्री ने इंस्टाग्राम वीडियो में कहा कि दुनिया युद्ध, संकट, सप्लाई चेन में बाधा और कोविड के बाद की आर्थिक अस्थिरता से जूझ रही है, लेकिन इन परिस्थितियों के बावजूद भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके बाद उन्होंने वोकल फॉर लोकल विदेश यात्रा करने से बचना चाहिए, सोना खरीदने से भी बचना चाहिए जैसा ज्ञान दिया। इस वीडियो में झूठ की गूंज और निराशा फैलाने वालों का जिक्र मोदी ने किया, जो साफ तौर पर राहुल गांधी के युवाओं से जुड़े छात्रों की गूंज अभियान पर सीधा हमला है। मतलब अगर खुशी का मौका रहे, फिर भी नरेन्द्र मोदी राहुल गांधी को कोसे बिना नहीं रह सकते, यह जाहिर हो गया। हालांकि इस जीडीपी वृद्धि की सच्चाई कुछ और ही है। देश में दूध-चीनी से लेकर प्याज और अंडे तक की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। ऊपर से तेल महंगा होने के बाद सामानों की आवाजाही भी महंगी होगी। 1 सितंबर से जेट फ्यूल भी महंगा हो गया है। घरेलू एयरलाइंस के लिए एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतों में लगातार दूसरे महीने बढ़ोतरी की गई है, जिसमें रुपए 6.28 प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। अब एटीएफ रुपए 115.00 से बढ़कर रुपए 121.28 प्रति लीटर हो गया है। इधर 5 किलो वाले सिलेंडर की कीमत भी रुपए 762 से बढ़कर रुपए 764 हुई। हालांकि, घरेलू सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी नहीं की गई। चीनी 56 से लेकर 62 रुपये तक आ गई है। दूध की कीमत अब रुपए 93 से सीधे 102 पहुंच गई है। 9 किलो वाला कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर भी महंगा हो गया है। दिल्ली में इसकी कीमत में 9.50 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। अब यह 2747.50 रुपये में मिलेगा। कुछ दिन पहले सीएनजी की कीमत करीब 4 रुपये बढ़ी थी। यानी एक तरफ महंगाई से आम जनता को राहत नहीं है, बल्कि शिकंजा और कस चुका है, वहीं नरेन्द्र मोदी बता रहे हैं कि देश में खुशियां हैं। असल में मोदी जमीनी हकीकत से बिलकुल अनजान हैं।

कौशल मिलेगा, रोजगार कहां मिलेगा?

अरुण कुमार डनायक

भारत में केवल 8.26प्रतिशत स्नातक ही अपनी योग्यता के अनुरूप रोजगार में हैं, बीए, बीएससी और बीकॉम जैसे सामान्य पाठ्यक्रमों के दो करोड़ विद्यार्थी शिक्षा और रोजगार के बीच गहरे बेमेल का सामना कर रहे हैं। विद्यार्थी प्रायः सामाजिक प्रतिष्ठा, स्थिर वेतन, सुरक्षित भविष्य जैसी वजहों से सरकारी नौकरी की पात्रता हेतु डिग्री को प्राथमिकता देते हैं। सरकारी नौकरी को सम्मानजनक और स्थायी माना जाता है। विकसित भारत ञ्च2047 की परिकल्पना को साकार करने के लिए नीति आयोग ने कौशल विकास को पुर्नव्यवस्थित करने की पहल की है। विगत बारह वर्षों में 7.67 करोड़ से अधिक लोगों को प्रशिक्षण दिया गया है। केंद्र सरकार ने कौशल विकास पर गत वर्ष 34,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। लेकिन राज्यों, नागरिक समाज और निजी क्षेत्र के योगदान के बावजूद परिणाम असमान बने हुए हैं। अध्ययन ने स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, औपचारिक एवं अनौपचारिक रोजगार, शिक्षा-रोजगार-प्रशिक्षण से बाहर के युवा और महिलाओं को शामिल करते हुए लगभग 60 करोड़ नागरिकों को अपने दायरे में लिया है। भारत में केवल 8.26प्रतिशत स्नातक ही अपनी योग्यता के अनुरूप रोजगार में हैं, बीए, बीएससी और बीकॉम जैसे सामान्य पाठ्यक्रमों के दो करोड़ विद्यार्थी शिक्षा और रोजगार के बीच गहरे बेमेल का सामना कर रहे हैं। विद्यार्थी प्रायः सामाजिक प्रतिष्ठा, स्थिर वेतन, सुरक्षित भविष्य जैसी वजहों से सरकारी नौकरी की पात्रता हेतु डिग्री को प्राथमिकता देते हैं। सरकारी नौकरी को सम्मानजनक और स्थायी माना जाता है, इसलिए व्यावसायिक तथा ऑनलाइन शिक्षा पर उनका भरोसा अपेक्षाकृत कम है। ऐसे में सवाल है—नई कौशल व्यवस्था इस बेमेल को दूर करेगी या डिग्रियों के ऊपर कौशल प्रमाणपत्रों की एक और परत जोड़ देगी? अध्ययन के अनुसार मौजूदा व्यवस्था की प्रमुख कमियों में विश्वसनीय करियर मार्गदर्शन का अभाव, स्कूलों में कौशल शिक्षा का सीमित प्रसार, उच्च शिक्षा का उद्योग और अप्रेंटिसशिप से कमजोर जुड़ाव तथा अनौपचारिक कामगारों के लिए प्रशिक्षण की लागत और समय जैसी बाधाएं शामिल हैं। काफी हद तक सैद्धांतिक शिक्षण- प्रशिक्षण का कार्यस्थल की जरूरतों से पर्याप्त मेल नहीं है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में व्यावसायिक शिक्षा और रोजगारपरक कौशल का प्रावधान है, पर क्रियान्वयन सीमित है। इसलिए स्कूल स्तर से कौशल शिक्षा, उद्योग की भागीदारी और अप्रेंटिसशिप को रोजगार व आय से जोड़ना जरूरी है। नीति आयोग का सुझाव है कि कक्षा 6 से रोजगारपरक कौशल और कक्षा 9 से ह्यकौशल ट्रैकझ् शुरू हों, जिन्हें स्कूलों की क्षमता और संसाधनों के अनुसार राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क से औपचारिक शिक्षा से जोड़ा जाए। उच्च शिक्षा में सामान्य डिग्रियों के बजाय उद्योग आधारित विशेषज्ञता, अप्रेंटिसशिप आधारित डिग्री और ह्यसीखते हुए कमानेझ् जैसे विकल्पों को बढ़ावा दिया जाए। साथ ही उद्योग-शिक्षण संस्थानों की भागीदारी, कम अवधि के मॉड्यूल तथा लचीली प्रवेश-निकास व्यवस्था विकसित की जाये। नीति आयोग ने कौशल प्रशिक्षण को बदलती रोजगार मांग से जोड़ने पर जोर दिया है—हरित उद्योग, इलेक्ट्रिक वाहन और उभरते क्षेत्रों के लिए नए कौशल तथा घटते क्षेत्रों में पुनः कौशल विकास की आवश्यकता बताई है। शिक्षा और रोजगार के बीच पुल बनाने हेतु अप्रेंटिसशिप, एमएसएमई की भागीदारी और करियर मार्गदर्शन को पूरी शिक्षा रोजगार यात्रा का हिस्सा बनाने की सिफारिश की गई है। डिजिटल स्किल पासपोर्ट और राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क से शिक्षा, प्रशिक्षण और कार्य-अनुभव को जोड़ा जाए, जिससे पढ़ाई और रोजगार के बीच लचीला आवागमन संभव होगा और सीखना जीवनभर जारी रहे।

बहुत गहरी हैं दलित विरोधी मानसिकता की जड़ें

इसके बाद 11 अगस्त को उसी मंच पर श्री राम सेना धर्मार्थ सेवा न्यास नाम के संगठन से जुड़े कुछ लोगों ने मंच पर गंगाजल छिड़का, उसकी सफाई की और हवन,यज्ञ किया। इसे शुद्धिकरण आयोजन का नाम दिया गया। इसके बाद कांग्रेस ने इसे दलित अपमान के रूप में मुद्दा बनाया। स्वयं मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में इस मुद्दे को उठाते हुये भावुक होकर कहा कि इस शुद्धिकरण ने मुझे छुआछूत के डंक का अहसास कराया है और मेरा गहरा अपमान किया है। मैं एक दलित समाज से आता हूँ, इसलिए भाजपा विचारधारा के लोगों ने यह कृत्य किया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने भी इसे सीधे तौर पर दलित समाज का अपमान और संविधान विरोधी मानसिकता करार दिया। राहुल गांधी ने आरोपियों के खिलाफ SC/ST एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। उत्तराखंड सहित देश के विभिन्न शहरों व जिलों में कांग्रेस कार्यकताओं ने इस घटना के विरोध में जमकर प्रदर्शन किए और सचिवालय कूच किया। युवा कांग्रेस के कार्यकताओं ने दिल्ली के झंडेवालान स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

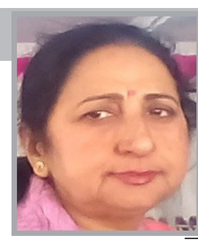

निर्मल रानी

(लेखिका वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

उत्तराखंड के हल्द्वानी रामलीला मैदान में गत 8 अगस्त को कांग्रेस पार्टी द्वारा विजय शंखनाद रैली का आयोजन किया गया था। इस रैली को मुख्य रूप से कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संबोधित किया था। इसके बाद 11 अगस्त को उसी मंच पर श्री राम सेना धर्मार्थ सेवा न्यास नाम के संगठन से जुड़े कुछ लोगों ने मंच पर गंगाजल छिड़का, उसकी सफाई की और हवन,यज्ञ किया। इसे शुद्धिकरण आयोजन का नाम दिया गया। इसके बाद कांग्रेस ने इसे दलित अपमान के रूप में मुद्दा बनाया। स्वयं मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में इस मुद्दे को उठाते हुये भावुक होकर कहा कि इस शुद्धिकरण ने मुझे छुआछूत के डंक का अहसास कराया है और मेरा गहरा अपमान किया है। मैं एक दलित समाज से आता हूँ, इसलिए भाजपा विचारधारा के लोगों ने यह कृत्य किया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने भी इसे सीधे तौर पर दलित समाज का अपमान और संविधान विरोधी मानसिकता करार दिया। राहुल गांधी ने आरोपियों के खिलाफ SC/ST एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। उत्तराखंड सहित देश के विभिन्न शहरों व जिलों में कांग्रेस कार्यकताओं ने इस घटना के विरोध में जमकर प्रदर्शन किए और सचिवालय कूच किया। युवा कांग्रेस के कार्यकताओं ने दिल्ली के झंडेवालान स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान युवा कांग्रेस के कार्यकताओं ने मनुस्मृति की प्रतियां और उसके अनेक पन्ने जलाये। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह लड़ाई दो विचारधाराओं के बीच है। एक विचारधारा बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान की है, जबकि दूसरी भाजपा और आरएसएस की है जो मनुस्मृति के आधार पर देश चलाना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि खड़गे के भाषण के बाद मंच को अपवित्र मानकर गंगाजल से उसका शुद्धिकरण करना देश के करोड़ों दलितों, आदिवासियों,पिछड़ों व उनकी अस्मिता का अपमान है। नागपुर स्थित संघ के केंद्रीय मुख्यालय के बाहर भी मनुस्मृति जलाकर विरोध दर्ज कराया गया। गोया शुद्धिकरण की इस घटना को लेकर उपजा राजनीतिक विवाद इस समय देश के सबसे बड़े राजनैतिक मुद्दों में से एक बन गया है। देश में इसतरह के कई ऐसे हाई प्रोफाइल मामले सार्वजनिक होते हैं जो संघ व भाजपा से जुड़े नेताओं की दलित विरोधी मानसिकता को उजागर करते रहते हैं। दलित कार्यकर्ता, लेखक और पत्रकार भंवर मेघवंशी को ही देख लीजिये। उन्होंने मात्र 13 वर्ष की आयु में 1987 में आरएसएस की शाखा में जाना शुरू किया था। मेघवंशी संगठन में भीलवाड़ा के जिला प्रमुख के पद तक पहुंचे और 1990 के राम जन्मभूमि आंदोलन में एक सक्रिय कारसेवक के रूप में भी भाग लिया। परन्तु ऐसे समर्पित स्वयंसेवक को जातिगत भेदभाव के कारण हमेशा के लिए संघ से नाता तोड़ना पड़ा। संघ छोड़ने के मुख्य कारणों को उन्होंने अपनी चर्चित आत्मकथा मैं एक कारसेवक था में बयान किया है। उन्होंने लिखा है कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान जब संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी उनके गृह जिले भीलवाड़ा (राजस्थान) आए, तो उन्होंने बड़े उत्साह से अपने घर पर भोजन तैयार करवाया। परन्तु संघ के वरिष्ठ ह्यसवर्ण ह्यनेताओं ने उनके घर आकर भोजन करने से यह कहते हुये साफ इनकार कर दिया कि वे समय की कमी के कारण भोजन पैक करवाकर साथ ले जा रहे हैं। बाद में संघ के उन्हीं सवर्ण नेताओं ने उनके घर का बना वह भोजन खाया नहीं, बल्कि उसे एक नाली में फेंक दिया। इस घटना से उन्हें यह एहसास हुआ कि हिंदू राष्ट्र की बात करने वाले संगठन में आज भी छुआछूत और भेदभाव कायम है। उन्होंने अपना व्यक्तिगत अनुभव साँझा करते हुये लिखा कि आरएसएस के भीतर एक आंतरिक ब्राह्मणवादी पदानुक्रम काम करता है। दलित होने के कारण ही उन्हें संघ का प्रचारक बनने का दर्जा भी नहीं दिया गया। उन्होंने यह भी महसूस किया कि संघ की शाखाओं और बौद्धिकों में अन्य धर्मों विशेषकर अल्पसंख्यकों के प्रति नफरत का भाव भरा जाता है। उन्हें लगने लगा कि संगठन समाज को जोड़ने के बजाय वैचारिक रूप से विभाजित कर रहा है, जो उनकी खुद की अंतरात्मा को स्वीकार नहीं था। उन्हें यह एहसास हुआ कि संघ में रहकर जिस हिंदू राष्ट्र और समानता के दावे के लिए वे लड़ रहे थे, उसमें एक दलित के रूप में उनकी सामाजिक हैसियत को स्वीकार नहीं किया जा रहा था। इन अपमानजनक घटनाओं और भेदभाव को इस तरह भी समझा जा सकता है कि गाँवों और अर्ध-शहरी इलाकों में दलितों को उनकी सामाजिक स्थिति का एहसास कराने के लिए कई अमानवीय प्रथाओं और पाबंदियों का सामना करना पड़ता है। उदाहरणतः कई राज्यों में दलित दूल्हे द्वारा शादी में घोड़ी चढ़ने या सज-धज कर बारात निकालने पर सवर्णों द्वारा हमले या पत्थरबाजी की जाती है। दलित युवाओं द्वारा मूंछ रखने, महंगे जूते पहनने, अथवा सवर्णों के सामने पैर पर पैर रखकर बैठने पर मारपीट और जानलेवा हमलों की घटनाएं प्रकाश में आती रही हैं। अनेक सार्वजनिक कुओं, हैंडपंपों, तालाबों या मंदिरों में दलितों के प्रवेश को लेकर आज भी हिंसक टकराव होते हैं। शिक्षण संस्थानों तक में दलित छात्र जातिगत पूर्वाग्रहों और अपमान का शिकार होते हैं। कई सरकारी स्कूलों में दलित बच्चों को भोजन की कतार में अलग बैठाने, उनके द्वारा बनाए गए भोजन को सवर्ण बच्चों द्वारा न खाने, या उन्हें अलग बर्तनों में खाना देने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। कई बार दलित छात्रों को पढ़ाई के बजाय स्कूल या कॉलेज के शौचालय और परिसर साफ करने के लिए मजबूर किया जाता है। आईआईटी,एम्स,और केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रोफेसरों या सहपाठियों द्वारा योग्यता पर सवाल उठाने और जातिसूचक टिप्पणियों के कारण कई मेधावी दलित छात्रों को आत्महत्या तक के लिए मजबूर होना पड़ा है। दलित महिलाएं लैंगिक और जातिगत दोनों स्तरों पर दोहरे शोषण का शिकार होती हैं। हाथरस और खैरलांजी जैसी ऐतिहासिक और भयावह घटनाओं से लेकर रोजमर्रा की अनेक घटनाओं तक, दलित महिलाओं को डराने, दबाने और पूरे दलित समुदाय को सबक सिखाने के लिए यौन हिंसा को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। आम मामलों की तुलना में दलित महिलाओं के साथ हुए यौन अपराधों में दोषियों को सजा मिलने की दर बेहद कम अर्थात करीब 2% से भी कम रहती है।

नैरेटिव - सकारात्मक को ढककर नकारात्मक को चमकाने की कला

यह धारणा बनाने की एक ऐसी कला है, जिसमें किसी व्यक्ति की खूबियों को पृष्ठभूमि में धकेलकर उसकी कमियों, विवादों या छोटी घटनाओं को इतना बड़ा बना दिया जाता है कि धीरे-धीरे वही उसकी पूरी पहचान बन जाती है। राजनीति में यह कला जिसको आ गई, वह किसी भी व्यक्तित्व की तस्वीर को 360 डिग्री तक बदल सकता है। कल तक जो व्यक्ति सक्षम, लोकप्रिय और निर्णायक माना जाता था, उसे कुछ ही समय में असफल, विवादास्पद या जनविरोधी बताने का वातावरण तैयार किया जा सकता है। इसके लिए हमेशा विरोधियों की जरूरत नहीं होती है। कई बार अपने लोग ही इस खेल के सबसे प्रभावी खिलाड़ी बन जाते हैं और मीडिया उसका मंच। यह कोई आज की उपज नहीं है। भारतीय राजनीति में इसके अनेक उदाहरण मिलते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि पहले नैरेटिव बनाने में अखबार, रेडियो और टेलीविजन की भूमिका प्रमुख थी, जबकि आज सोशल मीडिया ने इसकी गति और पहुंच दोनों को कई गुना बढ़ा दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का उदाहरण आज भी राजनीतिक नैरेटिव के प्रभाव को समझने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

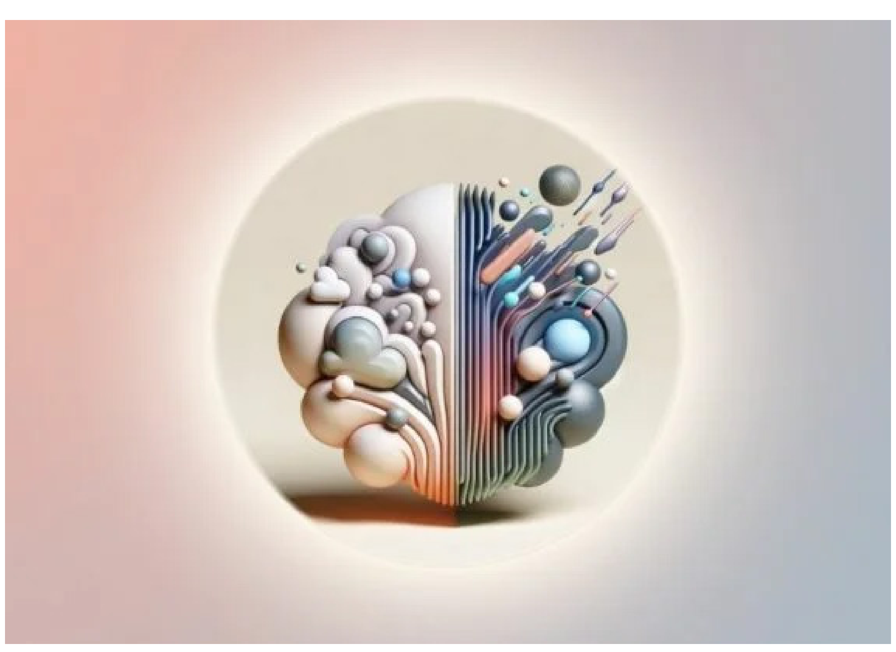

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

(लेखक)

अंग्रेजी का एक शब्द है नैरेटिव। सामान्य अर्थ में इसका मतलब किसी घटना, व्यक्ति या परिस्थिति को एक खास दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने वाली कहानी या विमर्श से है। लेकिन राजनीति में नैरेटिव केवल कहानी नहीं होता है। यह धारणा बनाने की एक ऐसी कला है, जिसमें किसी व्यक्ति की खूबियों को पृष्ठभूमि में धकेलकर उसकी कमियों, विवादों या छोटी घटनाओं को इतना बड़ा बना दिया जाता है कि धीरे-धीरे वही उसकी पूरी पहचान बन जाती है। राजनीति में यह कला जिसको आ गई, वह किसी भी व्यक्तित्व की तस्वीर को 360 डिग्री तक बदल सकता है। कल तक जो व्यक्ति सक्षम, लोकप्रिय और निर्णायक माना जाता था, उसे कुछ ही समय में असफल, विवादास्पद या जनविरोधी बताने का वातावरण तैयार किया जा सकता है। इसके लिए हमेशा विरोधियों की जरूरत नहीं होती है। कई बार अपने लोग ही इस खेल के सबसे प्रभावी खिलाड़ी बन जाते हैं और मीडिया उसका मंच। यह कोई आज की उपज नहीं है। भारतीय राजनीति में इसके अनेक उदाहरण मिलते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि पहले नैरेटिव बनाने में अखबार, रेडियो और टेलीविजन की भूमिका प्रमुख थी, जबकि आज सोशल मीडिया ने इसकी गति और पहुंच दोनों को कई गुना बढ़ा दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का उदाहरण आज भी राजनीतिक नैरेटिव के प्रभाव को समझने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। बोफोर्स सौदे को लेकर उठे सवालों ने जिस तरह राजनीतिक माहौल बनाया, उसने राजीव गांधी की छवि को गहरे प्रभावित किया। स्वीडिश रेडियो की रिपोर्ट से शुरू हुआ विवाद भारत में राजनीतिक तूफान में बदल गया। विपक्ष ने इसे मुद्दा बनाया और सरकार पर गंभीर आरोप लगे। मीडिया में लगातार बहस हुई। आरोप, प्रत्यारोप और राजनीतिक अभियान के बीच बोफोर्स धीरे-धीरे केवल एक रक्षा सौदे का विषय नहीं रहा, बल्कि राजीव गांधी सरकार की पहचान से जोड़ दिया गया। बाद की राजनीतिक घटनाओं ने दिखाया कि किसी मुद्दे का राजनीतिक नैरेटिव किस तरह चुनावी परिणामों को प्रभावित कर सकता है। यहां यह सवाल अलग है कि आरोपों की कानूनी परिणति क्या हुई और इतिहास ने अंततः किसे सही या गलत माना। महत्वपूर्ण यह है कि जनमानस में किसी घटना की धारणा कैसे बनाई गई। यही नैरेटिव की शक्ति है। आज स्थिति पहले से कहीं अधिक जटिल है। सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को प्रकाशक, संपादक और प्रसारक बना दिया है। किसी घटना का वीडियो कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। एक पोस्ट हजारों बार साझा हो सकती है और कुछ ही घंटों में किसी व्यक्ति के पक्ष या विपक्ष में माहौल बनाया जा सकता है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि सोशल मीडिया पर संपूर्ण सत्य की तुलना में अधूरा सत्य ज्यादा तेजी से दौड़ता है। किसी घटना के दस पहलू हो सकते हैं, लेकिन नैरेटिव केवल एक पहलू को चुनता है। फिर उसी को बार-बार दोहराया जाता है। लगातार दोहराव से धारणा बनती है और धारणा धीरे-धीरे ह्यसत्यह्न का रूप लेने लगती है। राजनीति में यह और अधिक प्रभावशाली है क्योंकि यहां समर्थक और विरोधी दोनों अपने-अपने नैरेटिव के साथ सक्रिय रहते हैं। किसी नेता के दस अच्छे काम हो, लेकिन उनमें से किसी एक पर चर्चा न हो और उसकी सरकार के दौरान हुई कोई छोटी आपराधिक घटना लगातार सुर्खियों में रहे, तो जनता के एक वर्ग के मन में वही घटना पूरी सरकार का प्रतीक बन सकती है। यही नैरेटिव का खेल है। बिहार की वर्तमान राजनीति में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को लेकर भी एक अलग तरह का नैरेटिव दिखाई देता है। जब से उन्होंने बिहार की कमान संभाली है, उनके फैसलों और कामकाज को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर बहस जारी है। यह स्वाभाविक भी है। लोकतंत्र में मुख्यमंत्री से सवाल होना चाहिए। सरकार की आलोचना भी होनी चाहिए। विपक्ष को सरकार की कमियां उजागर करनी चाहिए और मीडिया को भी सत्ता से कठिन सवाल पूछने चाहिए। लेकिन सवाल तब उठता है जब सरकार के कामों का मूल्यांकन संतुलित तरीके से न होकर पहले से तय धारणा के आधार पर होने लगे। मुख्यमंत्री के कई ऐसे फैसले और पहल हैं, जिनका प्रभाव तत्काल सुर्खियों में भले दिखाई न दे, लेकिन उनका महत्व आने वाले समय में महसूस किया जा सकता है। बिहार और झारखंड के बीच सोन नदी से जुड़े लंबे समय से चले आ रहे विवाद का समाधान एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा सकता है। करीब ढाई दशक से अधिक समय से लंबित विषय का समाधान केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं है। नदी, जल और सिंचाई से जुड़े विवादों का सीधा संबंध किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से होता है। ऐसे मामलों में राज्यों के बीच सहमति बनाना आसान नहीं होता। इसलिए यदि लंबे समय से अटका कोई विषय आगे बढ़ता है तो उसकी राजनीतिक चमक से अधिक उसका दीर्घकालिक महत्व समझना चाहिए। लेकिन नैरेटिव की दुनिया में ऐसे काम अक्सर उस तरह जगह नहीं बना पाते, जिस तरह कोई विवादित बयान या राजनीतिक टकराव बना लेता है। बिहार की त्रासदी का एक बड़ा नाम है ह्यबाढ़ह्न। हर वर्ष नदियां लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित करती हैं। खेत, सड़क, घर, पशुधन और स्थानीय अर्थव्यवस्था बाढ़ की चपेट में आते हैं। ऐसे में फरक्का बराज के गेटों से जुड़े निर्णय और जल प्रवाह का प्रबंधन बिहार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। यदि किसी सरकार की तत्परता से बाढ़ की स्थिति में राहत मिलती है तो उसका मूल्य केवल सरकारी फाइलों में दर्ज आंकड़ों से नहीं लगाया जा सकता। उस किसान से पूछना चाहिए जिसका खेत बच गया, उस परिवार से पूछना चाहिए जिसका घर सुरक्षित रहा और उस गांव से पूछना चाहिए जहां पानी का दबाव कम हुआ। लेकिन ऐसी उपलब्धियां कैमरे पर उतनी आकर्षक नहीं होती जितनी राजनीतिक बयानबाजी। नेपाल में आई आपदा का असर सीमावर्ती बिहार पर पड़ना स्वाभाविक है। ऐसी परिस्थितियों में प्रशासनिक मशीनरी की गति और सरकार की तत्परता बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। आपदा प्रबंधन का वास्तविक परीक्षण प्रेस कॉन्फ्रेंस में नहीं, बल्कि संकट के समय होता है। समय पर सूचना, राहत, प्रशासनिक समन्वय, स्थानीय मशीनरी की सक्रियता और प्रभावित लोगों तक सहायता पहुंचाना, ये सभी ऐसे काम हैं जिनका श्रेय अक्सर किसी एक व्यक्ति को नहीं मिलता। लेकिन सरकार की कार्यशैली का मूल्यांकन करते समय इनका महत्व अवश्य देखा जाना चाहिए। शिक्षा किसी भी राज्य के भविष्य का सबसे बड़ा आधार है। शिक्षक भर्ती हो या विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने वाली योजनाएं, इनका प्रभाव तत्काल राजनीतिक नारों में दिखाई नहीं देता। स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाएं उन परिवारों के लिए महत्वपूर्ण हो सकती हैं जिनके बच्चे आर्थिक कारणों से उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं।

पूर्वोत्तर भारत के ईसाई संगठनों ने कहा एफसीआरए में प्रस्तावित बदलाव दमनकारी

रवीन्द्र नाथ सिन्हा

मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने 9 अगस्त को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में केंद्र और उसके गृह मंत्री से एफसीआरए संशोधन बिल को वापस लेने और इसे और गहन विचार-विमर्श के लिए जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) को भेजने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने 6 अगस्त को नई दिल्ली में ईसाई समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ शाह से मुलाकात की थी और उन्हें अपनी चिंताओं से अवगत कराया था। पूर्वोत्तर भारत के ईसाई संगठन-जहां मिजोरम, नागालैंड और मेघालय जैसे तीन राज्यों में ईसाई आबादी बहुत ज्यादा है- फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) अमेंडमेंट (एफसीआरए) बिल, 2026 के खिलाफ अपनी बात रखने के लिए आपस में बातचीत कर रहे हैं। हालात के दबाव में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने इस बिल को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा है। जेपीसी के लिए यह आम बात है कि वह अपनी राय तय करने से पहले सभी संबंधित पक्षों, जिनमें प्रभावित पक्ष भी शामिल हैं, की बातें सुने। सत्ता पक्ष ने जेपीसी से संसद के मानसून सत्र में अपनी रिपोर्ट सौंपने का आग्रह किया था, परन्तु काम की गंभीरता और विषय की संवेदनशीलता को देखते हुए, जेपीसी को अपनी रपट तैयार करने में देर हो रही है। इस बातचीत की प्रक्रिया में पूर्वोत्तर के कई चर्च काउंसिल और उनके मुख्य संगठन शामिल हैं। इनमें असम क्रिश्चियन फोरम, यूनाइटेड क्रिश्चियन फोरम ऑफ नॉर्थ-ईस्ट इंडिया और नॉर्थ-ईस्ट इंडिया क्रिश्चियन काउंसिल जैसे संगठन शामिल हैं। हालांकि, हमेशा की तरह, जेपीसी में सत्तापक्ष का प्रतिनिधित्व दो-तिहाई और विपक्ष का एक-तिहाई है, फिर भी उम्मीद है कि जेपीसी ईसाई संगठनों के रुख पर उचित ध्यान देगी, जिन्हें एफसीआरए (संशोधन) बिल 2026 के प्रावधान दमनकारी लगते हैं। ईसाई संगठनों को इस बात से राहत मिल रही है कि भले ही दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अधिकारी विदेशी चंदा पाने वाले और उसका इस्तेमाल घरेलू संसाधनों के साथ मिलकर शिक्षा, चिकित्सा और लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने जैसे कल्याणकारी कामों में करने वाले सिविल सोसाइटी संगठनों (सीएसओ) को बहुत ज्यादा नियंत्रित करने पर तुले हों, फिर भी लोगों के बीच सीएसओ के महत्व को लेकर आम सहमति है। इसके अलावा, प्राकृतिक आपदाओं के समय, अक्सर सीएसओ ही सबसे पहले और दूसरे स्तर पर मदद करने वालों के तौर पर काम करते हैं और पीड़ितों के लिए भोजन और आश्रय का इंतजाम करते हैं। 2026 के एफसीआरए (संशोधन) विधेयक से पहले, नई दिल्ली ने 2020 में एफसीआरए में संशोधन पास कराए थे। इन संशोधनों के तहत, किसी रजिस्टर्ड संस्था के लिए किसी दूसरी संस्था (भले ही वह उसी एक्ट के तहत रजिस्टर्ड हो) को धन हस्तांतरित करना मना कर दिया गया था। इसके अलावा, प्रशासन के काम में इस्तेमाल होने वाले विदेशी धन का हिस्सा 50 प्रतिशत से घटाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया था। असम क्रिश्चियन फोरम और यूनाइटेड क्रिश्चियन फोरम ऑफ नॉर्थ ईस्ट इंडिया के प्रवक्ता ने संवाद को बताया, यह बहुत बड़ी कटौती है, जिससे कामकाज को ठीक से चलाना मुश्किल हो जाता है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि चर्च के प्रशासनिक शाखा में कोई व्यक्ति अपनी जेब भरने के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल कर सकता है।

जाँच एवं उपचार चिकित्सा आपके द्वार अभियान का हुआ शुभारंभ, घर-घर होगी गैर संचारी रोगों की स्क्रीनिंग

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर । गैर संचारी रोगों की समय रहते पहचान और बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के लिए जिले में जाँच एवं उपचार चिकित्सा आपके द्वार अभियान का शुभारंभ बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। इस दौरान सारण एनआईसी से जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव , तरैया के विधायक जनक सिंह, सिविल सर्जन डॉ राजकुमार चौधरी समेत अन्य अधिकारी शामिल हुए। इस अवसर सारण समाहरणालय में जाँच शिविर भी लगाया गया। यह अभियान 30 नवंबर 2026 तक संचालित होगा। अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें समुदाय स्तर पर घर-घर पहुंचकर लोगों की स्क्रीनिंग करेंगी। संदिग्ध एवं रोग से ग्रसित मरीजों को आवश्यक परामर्श, दवा तथा आगे की जांच और उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य संस्थान से जोड़ा जाएगा। बिहार में करीब 6 करोड़ लोगों की स्क्रीनिंग का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वहीं सारण में 19 लाख लोगों की स्क्रीनिंग होगी। प्रति दिन प्रत्येक संस्थान को 50 स्क्रीनिंग का लक्ष्य दिया गया है। इस पूरे अभियान की मॉनिटरिंग जिलाधिकारी करेंगे। इस मौके पर जिला गैर संचारी रोग पदाधिकारी डॉ भूपेंद्र कुमार, डीपीएम अरविन्द कुमार, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ केएम दुबे, डीपीसी रमेश चंद्र कुमार, डीएमएनई

ब्रजेश कुमार, डीसीएम ब्रजेन्द्र कुमार सिंह, अस्पताल प्रबंधक राजेश्वर प्रसाद, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी नीना झा समेत अन्य मौजूद थे। इन बीमारियों की होगी जाँच जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि अभियान का मुख्य फोकस गैर संचारी रोगों की शुरूआती अवस्था में पहचान करना है। इसमें उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मुंह, स्तन एवं गर्भाशय के मुख के कैंसर, हृदय रोग, नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज और क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज की स्क्रीनिंग की जाएगी। समय पर बीमारी की पहचान होने से उपचार शुरू करने के साथ-साथ जोखिम कारकों को कम करने में मदद मिलेगी। घर-घर होगा स्क्रीनिंग अभियान के दौरान आशा कार्यकर्ता और एएनएम अपने क्षेत्र के सभी घरों का भ्रमण करेंगी। प्रत्येक परिवार का फैमिली फोल्डर तैयार किया जाएगा और कम्युनिटी बेस्ड असेसमेंट चेकलिस्ट के माध्यम से विशेष रूप से उच्च जोखिम वाले लोगों की पहचान की जाएगी। स्क्रीनिंग से संबंधित जानकारी मोबाइल आधारित एनसीडी एप्लीकेशन पर दर्ज की जाएगी। गृह भ्रमण के दौरान चिन्हित या संदिग्ध मरीजों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर सहित नजदीकी स्वास्थ्य संस्थान तक पहुंचाने में आशा कार्यकर्ता सहयोग करेंगी। 30 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों पर विशेष फोकस आयुष्मान आरोग्य मंदिर में आने वाले 30 वर्ष या उससे अधिक आयु के प्रत्येक व्यक्ति की लंबाई और वजन मापकर बीएमआई निकाला जाएगा। इसके बाद उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर, हृदय रोग की स्क्रीनिंग की जाएगी। पहले से पंजीकृत मरीजों की दोबारा स्क्रीनिंग की जाएगी। गंभीर अथवा जटिल स्थिति वाले मरीजों को बेहतर उपचार के लिए उच्चतर स्वास्थ्य संस्थान में रेफर किया जाएगा। जरूरत के अनुसार टेली-कंसल्टेशन के माध्यम से चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा तथा मरीजों को आवश्यकतानुसार 30 दिनों की दवा भी दी जाएगी।

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. दरोगा प्रसाद राय की 104वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

प्रात : किरण संवाददाता

परसा। पूर्व मुख्यमंत्री स्व दरोगा प्रसाद राय की 104 वीं जयंती परसा में अलग अलग स्थानों पर धूम धाम से मनाया गया।इस अवसर पर स्व दरोगा प्रसाद राय का पुत्र पूर्व मंत्री डॉ चंद्रिका राय ने परसा स्थित दरोगा राय चौक पर स्थापित प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया।वही प्रभु नाथ कॉलेज में आयोजित जयंती समारोह में शामिल हुए।पूर्व मंत्री ने कॉलेज में स्थापित आदम कद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किया।पूर्व मंत्री ने दरोगा बाबू के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। और कहा कि दरोगा बाबू के आदर्शों पर चलना और उनके अधूरे सपनों को पूरा करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।उन्होंने उनके बताये मार्ग पर चलने का कृत संकल्पित होने की बातें कही।वही हाई स्कूल परसा में विधायक करिश्मा राय के नेतृत्व में दरोगा बाबू का जयंती मनाई गई।जिसमें उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।कार्यक्रम में जिप सदस्य विनोद राय,कालेज प्राचार्य डॉ संजय सिंह,पूर्व प्राचार्य अम्बिका राय,भूषण राय,देवी राय, डॉ संजय कुमार राय,उमेश राय,राम बाबू राय,कर्मबीर सिंह,प्रो अनिल कुमार,साहेब राय ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया।

संक्षिप्त खबरें

गंगा के बढ़ते जलस्तर से दिघवारा में बाढ़ का खतरा, निचले इलाकों में फैला पानी

दिघवारा। दो दिनों से गंगा के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि के बीच दिघवारा प्रखंड क्षेत्र में बाढ़ का खतरा बढ़ता जा रहा है। गंगा किनारे बसे विभिन्न गांवों के साथ नगर पंचायत के कई वार्डों के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी फैलने लगा है। पानी बढ़ने से ग्रामीणों में चिंता का माहौल है। आमी से लेकर मानुपुर, मलखाचक, पिपरा, मिल्की, रामदासचक, टरवां, कुरैयाँ समेत कई गांवों में पानी का दबाव बना हुआ है। मलखाचक के सीढ़ी घाट के समीप कटाव की स्थिति भी बनी हुई है, जिसे लेकर स्थानीय ग्रामीण चिंतित नजर आ रहे हैं। हालांकि प्रशासन की ओर से कटाव को रोकने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।वहीं, प्रखंड के आमी कर्मवारी पट्टी और पिपरा गांव स्थित नमामि गंगे घाट पूरी तरह पानी में डूब चुके हैं। बरुआ पंचायत के मिल्की गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय भी बाढ़ के पानी में डूब गया है, जिससे विद्यालय में पठन-पाठन प्रभावित हो गया है। बाढ़ के बीच मिल्की सड़क बांध और रामदासचक तटबंध की स्थिति सबसे संवेदनशील बताई जा रही है।ग्रामीणों का कहना है कि इन दोनों तटबंधों पर प्रशासन को लगातार विशेष निगरानी रखने की जरूरत है। तटबंधों पर किसी प्रकार की चूक या कटाव की स्थिति उत्पन्न होने पर आसपास के बड़े इलाके में गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है। इस संबंध में दिघवारा अंचलाधिकारी मिट्ठूप्रसाद ने बताया कि गंगा के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।स्थिति पर विशेष नजर रखी जा रही है और प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। संवेदनशील क्षेत्रों एवं तटबंधों की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।इधर, जलस्तर बढ़ने के साथ पशुपालकों की परेशानी भी बढ़ने लगी है। मवेशियों के लिए चारे की समस्या उत्पन्न हो रही है। कई पशुपालक अपने पशुओं को सुरक्षित रखने के लिए ऊंचे और सुरक्षित स्थानों की तलाश कर रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से तटबंधों की नियमित निगरानी, कटावरोधी कार्य तेज करने तथा पशुपालकों के लिए चारे और सुरक्षित स्थान की व्यवस्था करने की मांग की है।

शराब बरामदगी मामले में फरार नामजद आरोपित गिरफ्तार

परसा। परसा थाना क्षेत्र में शराब बरामदगी के मामले में फरार चल रहे एक नामजद आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने यह कार्रवाई थाना कांड संख्या 430/26 के तहत की है.गिरफ्तार आरोपित की पहचान तितिरा गांव निवासी गजाधर माझी के पुत्र जितेंद्र माझी उर्फ मोनाका माझी के रूप में हुई है.पुलिस के अनुसार, उक्त आरोपित शराब बरामदगी से संबंधित मामले में नामजद था और घटना के बाद से फरार चल रहा था.पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास कर रही थी.इसी क्रम में पुलिस को आरोपित के तितिरा गांव में मौजूद होने की सूचना मिली. सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया.गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपित से आवश्यक पूछताछ की तथा मामले से संबंधित कानूनी प्रक्रिया पूरी की.इसके बाद मंगलवार को गिरफ्तार जितेंद्र माझी उर्फ मोनाका माझी को छपरा व्यवहार न्यायालय में पेशी के लिए भेज दिया गया.पुलिस की इस कार्रवाई से शराब के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों में हड़कंप मचा हुआ है.पुलिस का कहना है कि शराब से जुड़े मामलों में फरार चल रहे आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है.थाना क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा आगे भी कार्रवाई जारी रखने की बात कही गई है।

माउंटेन बाइक चैंपियनशिप में सारण ओवरऑल विजेता

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय।। साइकिलिंग एसोसिएशन ऑफ बिहार के तत्वावधान में पटना के एलसीडी घाट पर आयोजित 7वीं राज्य स्तरीय सीनियर, जूनियर एवं सब-जूनियर माउंटेन बाइक साइकिलिंग चैंपियनशिप में सारण जिले की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में सारण की टीम ने कुल 20 अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं कटिहार जिले की टीम 13 अंकों के साथ उपविजेता रही। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने तकनीकी ट्रैक पर अपनी कौशल, संतुलन और सहनशक्ति का बेहतरीन प्रदर्शन किया। परिणाम घोषित होने के बाद विजेता एवं उपविजेता टीमों को शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। साइकिलिंग एसोसिएशन ऑफ बिहार के पदाधिकारियों ने कहा कि इस तरह की राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं उभरते हुए साइकिलिस्टों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करती हैं और युवाओं में माउंटेन बाइकिंग के प्रति रुचि बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सारण की इस शानदार उपलब्धि पर पूरी टीम, खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर सारण साइकिलिंग संघ के अध्यक्ष डॉ देव कुमार सिंह सचिव संजीव चौधरी संरक्षक डॉक्टर सुरेश सिंह, खेल पदाधिकारी डॉ विभा सिंह संयुक्त सचिव अभिषेक सिंह शैलेन्द्र पूरी कोषाध्यक्ष ऋषिकेश जी अर्पित सिंह मीडिया आनंद वर्मा कोच नेहा और ममता ने प्रसन्नता जाहिर की।

त्वरित कार्वाई कर मोटरसाईकिल चोरी का सफल उभेदन कर 02 अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

छपरा सदर। बनियापुर थाना पुलिस ने 24 घंटे में मोटर साइकिल चोरी कांड का उद्भेदन कर 2 अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। बताते चले कि बनियापुर थाना को मोटरसाईकिल चोरी के संबंध में आवेदन प्राप्त हुआ। जिसमें वादी द्वारा बताया गया कि 29 अगस्त को रात्रि में बाजार के बगल में मोटरसाईकिल लगाकर समान खरीद रहा था। इसी क्रम में कुछ अज्ञात चोरो द्वारा मेरी मोटरसाईकिल चोरी कर ली गई। लिखित आवेदन के आधार पर बनियापुर थाना कांड संख्या-708/26 दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। अनुसंधान एवं प्राप्त आसूचना संकलन के आधार पर महज 24 घंटे के भीतर 01 मोटरसाईकिल जप्त कर कांड में संलिप्त 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

दाउदपुर में नागरिक परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. अजय सिंह का स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

मांझी (सारण)। बिहार राज्य नागरिक परिषद के नव मनोनीत उपाध्यक्ष एवं जदयू के वरिष्ठ नेता डॉ. अजय कुमार सिंह का बुधवार को दाउदपुर के वीर कुंवर सिंह चौक पर भव्य स्वागत किया गया। बाबू वीर योद्धा कुंवर सिंह फाउंडेशन के तत्वावधान में फाउंडेशन के सदस्यों ने उन्हें माला पहनाकर अभिनंदन किया। इस दौरान डॉ. सिंह ने वीर कुंवर सिंह स्मारक स्थल पर पहुंचकर उनकी तस्वीर और वीरता के प्रतीक खड्ग पर माल्यार्पण किया।मौके पर डॉ. सिंह ने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान योद्धा थे। 80 वर्ष की उम्र में भी अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ उनका अदम्य साहस और पराक्रम देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि वीर कुंवर सिंह ने शौर्य, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति समर्पण की जो मिसाल पेश की, वह आज भी समाज को नई दिशा देने में सक्षम है। उनके आदर्शों को जीवन में अपनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। नई पीढ़ी तक उनके विचारों को पहुंचाकर समाज में एकजुटता, स्वाभिमान और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करना जरूरी है। फाउंडेशन के समाजसेवी रणविजय सिंह उर्फ धड़का सिंह ने बताया कि डॉ. अजय सिंह पटना जाने के क्रम में दाउदपुर पहुंचे थे। जदयू में बड़ी जिम्मेदारी मिलने पर फाउंडेशन के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर जटाशंकर सिंह, डॉ. राजीव कुमार सिंह, जितेंद्र सिंह, रघुवंश सिंह, दयानंद सिंह, बड़े सिंह, अजीत सिंह, ओमप्रकाश सिंह, गुड्डू सिंह, गजेंद्र सिंह, अवधेश गुप्ता सहित फाउंडेशन के सैकड़ों सदस्य और ग्रामीण मौजूद थे।

चार नदियों के उफान से सारण में बाढ़ का कहर, दियारा में दहशत

प्रात : किरण संवाददाता

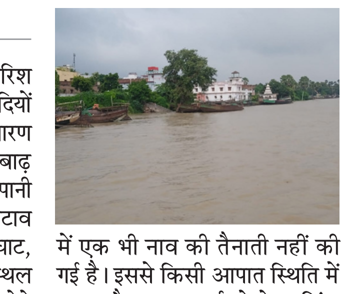

डोरीगंज। लगातार हो रही बारिश और गंगा, सरयू, सोन व गंडक नदियों के जलस्तर में लगातार वृद्धि से सारण के तटीय और दियारा इलाकों में बाढ़ का संकट गंभीर होता जा रहा है। पानी बढ़ने के साथ ही कई इलाकों में कटाव ने भी रफ्तार पकड़ ली है। तिवारी घाट, नोकिया टोला और पुरातात्विक स्थल चिरांद के आसपास कटाव तेज होने से ग्रामीणों में भय व्याप्त है। लोगों को आशंका है कि जलस्तर में इसी तरह वृद्धि जारी रही तो कई घर और अन्य संरचनाएं कटाव की चपेट में आ सकती हैं। तीन पंचायतों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूटा सदर प्रखंड के दियारा क्षेत्र में बाढ़ का प्रभाव सबसे अधिक दिखाई दे रहा है। तीन पंचायतों का जिला मुख्यालय से संपर्क भंग हो गया है। सड़क मार्ग से आवागमन बाधित होने के बाद ग्रामीणों के सामने आने-जाने और जरूरी सामान की व्यवस्था की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। बीमार लोगों, बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाना भी मुश्किल हो रहा है। ग्रामीणों के लिए अब नाव ही एकमात्र सहारा बचा है। नाव नहीं मिलने से ग्रामीणों में आक्रोश कोटवापट्टीरामपुर के मुखिया सत्येंद्र सिंह तथा बडहरा महाजी पंचायत के मुखिया ने जिला प्रशासन से अपने-अपने पंचायतों में जान-माल की सुरक्षा के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने की गुहार लगाई है। ग्रामीणों का कहना है कि बाढ़ का पानी लगातार बढ़ रहा है, लेकिन अभी तक प्रभावित इलाकों में एक भी नाव की तैनाती नहीं की गई है। इससे किसी आपात स्थिति में राहत और बचाव कार्य को लेकर चिंता बढ़ गई है। पांच लाख क्यूसेक पानी की सूचना से बढ़ी बेचैनी सोन नदी के इंद्रपुरी बराज से करीब पांच लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने की सूचना ने दियारा क्षेत्र के लोगों की चिंता और बढ़ा दी है। ग्रामीणों को डर है कि पानी का दबाव बढ़ने पर निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति और भयावह हो सकती है। अधिकारियों ने प्रभावित पंचायतों का लिया जायजाबाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए सदर अनुमंडल पदाधिकारी नितेश कुमार एवं सदर अंचलाधिकारी ने रायपुर, विंदगावा, कोटवापट्टीरामपुर, बडहरा महाजी, चिरांद, भैरोपुर निजात, डुमरी तथा मुसेपुर पंचायतों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का जायजा लिया। इधर, ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल नाव उपलब्ध कराने, राहत-बचाव की तैयारी मजबूत करने तथा कटाव प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा उपाय तेज करने की मांग की है। जलस्तर बढ़ने और कटाव जारी रहने से दियारा के लोगों में यह डर गहराता जा रहा है कि आने वाले घंटों में हालात और चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं।

सारण जिलाधिकारी ने पूर्व मुख्यमंत्री की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

छपरा सदर। बुधवार को बिहार के भूतपूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय दरोगा प्रसाद राय जयंती के अवसर पर छपरा स्थित दरोगा राय चौक पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सारण के जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने दरोगा राय चौक स्थित स्वर्गीय दरोगा प्रसाद राय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती जयमित्रा देवी सहित जिला प्रशासन एवं सदर छपरा अनुमंडल प्रशासन के वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। उपस्थित पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने स्वर्गीय दरोगा प्रसाद राय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर स्वर्गीय दरोगा प्रसाद राय के परिजन एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। सभी ने उनके जनसेवा, सामाजिक सरोकार एवं सार्वजनिक जीवन में दिए गए योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। कार्यक्रम के दौरान स्वर्गीय दरोगा प्रसाद राय के आदर्शों, जनसेवा की भावना एवं समाज के प्रति उनके योगदान को स्मरण किया गया।

सहयोग शिविर में पहुंचे फरियादी अधिकारियों ने सुनीं समस्याएं

प्रात : किरण संवाददाता

जलालपुर (सारण)। आम लोगों की समस्याओं का पंचायत स्तर पर त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बिहार सरकार के निर्देश पर चलाए जा रहे सहयोग शिविर के तहत रामपुरनूर नगर पंचायत स्थित सरकार भवन में शिविर लगाया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे और बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों से शिकायत एवं सुझाव संबंधी आवेदन प्राप्त किए प्रखंड विकास पदाधिकारी विनोद कुमार प्रसाद ने कहा कि शिविर में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन किया जाना है। सभी आवेदनों का 30 दिनों के अंदर निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्धारित अवधि में आवेदन का निष्पादन नहीं होने पर संबंधित पदाधिकारी से शोकॉज किया

जाएगा। उन्होंने कहा कि शिविर में प्राप्त आवेदनों की मॉनिटरिंग कर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि लोगों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़े। कुछ विभागों के कर्मियों की अनुपस्थिति पर उठे सवाल शिविर में भाजपा मंडल अध्यक्ष कुश पांडेय ने राजस्व कर्मचारी, बिजली विभाग के कर्मचारी एवं आपूर्ति पदाधिकारी की अनुपस्थिति का मुद्दा उठाया। उन्होंने संबंधित कर्मियों की अनुपस्थिति की जांच कराने की मांग की। इस पर बीडीओ विनोद कुमार प्रसाद ने बताया कि आपूर्ति पदाधिकारी के सेवानिवृत्त होने के कारण पद फिलहाल रिक्त है। उनके स्थान पर एक सहयोगी को शिविर में बैठाया गया था। वहीं, अंचल पदाधिकारी राजन कुमार ने बताया कि राजस्व कर्मचारी इलाज के लिए अवकाश पर हैं। राजस्व से संबंधित कार्यों का निष्पादन उनके स्तर से किया जा रहा है। शिविर में बीडीओ विनोद कुमार प्रसाद, अंचल पदाधिकारी राजन कुमार, जिला मत्स्य पदाधिकारी अनुपम कुमार, मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी सरिता कुमारी, सीडीपीओ राधिका रमन रानी, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी मुन्ना कुमार सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे। मौके पर मुखिया नागेंद्र मांझी, सरपंच संजय राम, बीडीसी धर्मेंद्र कुमार सिंह, पूर्व मुखिया कन्हैया प्रसाद सिंह, तूफानी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित थे। अधिकारियों ने लोगों की समस्याएं सुनकर संबंधित विभागों के माध्यम से उनके त्वरित समाधान का भरोसा दिलाया।

विगत् 24 घंटे में 25 अभियुक्त किये गये गिरफ्तार अवैध शराब भी किये गये जब्त

छपरा सदर। सारण एस एस पी द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में असामाजिक तत्वों , अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन, बिक्री, भंडारण, निर्माण और परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्ठी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को दृष्टिगत रखते हुए 1 सितंबर को विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल-25 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें शराब सेवन में 10, चोरी में 4, पुलिस पर हमला में 3, वारंट में 2,हत्या के प्रयास में 2, शराब कारोबारी में 1, खनन में 1, दहेज अधिनियम में 1, अन्य में 1 अभियुक्त शामिल है।वही अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुल-07 वाहनों से 7,000 रूपए जुमार्ना राशि वसूली गई। साथ ही जिला अंतर्गत देशी शराब-85 लीटर, विदेशी शराब-0.9 लीटर, अपहृता-02, ट्रैक्टर-01, मोटरसाईकिल-01, नगद राशि-4500/- रुपए, पितल का रड-01 पीस, टुटा हुआ इनसुलेटर-01 पीस, हाई हुक-01 पीस, बिजली-तार-01 मीटर, खुला हुआ ट्रांसफार्मर बॉडी 01 पीस, पिलास-01, सलाई रिंच-01, रैबिट वायर-01 मीटर एवं लोहा का नाव-01 बरामद किया गया।

रसूलपुर: वार्ड नौ की सड़क हुई बदहाल स्कूली बच्चों को बड़ी परेशानी

प्रात : किरण संवाददाता

रसूलपुर। थाना क्षेत्र स्थित रसूलपुर पंचायत के वार्ड नौ नंबर की सड़क पुरी तरह बदहाल है जिसपर चलना मुश्किल है।इस वार्ड की सड़क से स्कूली बच्चे और बाबा दुर्गेश्वरनाथ पंचमंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को काफी परेशानी होती है।ग्रामीणों की मानें तो यह सड़क करीब डेढ़ दशक पूर्व स्व रसूल मियां के मुखिया काल में बनी थी। निर्माण के बाद कभी मरम्मत भी नहीं हुई।हालत यह हुआ इस सड़क की पीच और ढ़लाई दोनों धीरे धीरे विलीन हो गये। ग्रामीणों के अनुसार वार्ड निवासी समाजसेवी युवक अनूप कुमार दूबे अपने निजी खर्च से कई बार चुना-राबिश गिरा कर मरम्मती करा चुके हैं पर भारी बारिश होने पर बह जाता है। समाजसेवी अनूप कहते हैं कि बच्चों के हित में कुछ करना पड़ता है। हालांकि इसके स्थायी समाधान के लिए वे ग्रामीणों के साथ मुखियाऔर जिला पार्षद से लेकर स्थानीय विधायक तक से मिल कर समस्या को बता चुके हैं पर आश्वासन के सिवा कुछ न मिला।इस सड़क से पंचमंदिर प्राथमिक विद्यालय जाने वाले बच्चे हों या मंदिर जाने वाले श्रद्धालु सभी इस सड़क की दुर्दशा से परेशान हैं। मुखियापति व प्रतिनिधि मिथिलेश प्रसाद कहते हैं कि फिलहाल कोई फंड नहीं है पर फंड आते ही इस सड़क निर्माण की प्राथमिकता दी जाएगी।

लालपुर में पुलिस की छापेमारी, 75 लीटर देसी शराब बरामद

परसा। थाना क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ परसा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लालपुर गांव में छापेमारी कर 75 लीटर देसी शराब बरामद की है. पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है.पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना मिली थी कि लालपुर गांव में अवैध रूप से देसी शराब का कारोबार किया जा रहा है.सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए चिन्हित स्थान पर छापेमारी की. पुलिस टीम के पहुंचते ही मौके पर मौजूद शराब धंधेबाज को कार्रवाई की भनक लग गई और वह मौका पाकर फरार हो गया.छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से खेत में रखे कुल 75 लीटर देसी शराब बरामद की. फरार धंधेबाज की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है.मामले को लेकर परसा थाने में उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है. पुलिस फरार आरोपी की तलाश के साथ-साथ अवैध शराब के कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भी जानकारी जुटाने में लगी है.पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और बिक्री के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा. उन्होंने कहा कि अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

समर कैंप के 158 वॉलंटियर्स को मिला प्रमाण-पत्र: बीईओ मनीष कुमार ने किया सम्मानिता

एकमा (सारण)। शिक्षा विभाग एवं प्रथम संस्था के सहयोग से आयोजित समर कैंप में योगदान देने वाले एकमा प्रखंड के सभी 158 वॉलंटियर्स को मंगलवार को बीआरसी एकमा में प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रमाण-पत्र पाकर वॉलंटियर्स के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सह एफएलएन के नोडल पदाधिकारी मनीष कुमार ने सभी वॉलंटियर्स को प्रमाण-पत्र प्रदान किया। इस दौरान उन्होंने समर कैंप के उद्देश्यों और वॉलंटियर्स की भूमिका की सराहना करते हुए प्रमाण-पत्र की उपयोगिता एवं विशेषता के बारे में जानकारी दी। बताया गया कि शिक्षा विभाग, बिहार सरकार एवं प्रथम संस्था की टीम के सहयोग से एकमा प्रखंड के सभी मध्य विद्यालयों में 1 जून से 30 जून तक समर कैंप का आयोजन किया गया था। कैंप में कक्षा पांच एवं छह के एफएलएन में कमजोर बच्चों को शामिल किया गया। वॉलंटियर्स ने बच्चों को बुनियादी पढ़ने-लिखने और गणितीय दक्षताओं को बेहतर बनाने में सहयोग किया। यह कार्यक्रम कमजोर बच्चों के लिए काफी लाभदायक साबित हुआ। समर कैंप इस वर्ष संचालित एफएलएन कार्यक्रम का दूसरा चरण था। कार्यक्रम में प्रखंड सहायक नोडल शिक्षिका कुमारी अंजना, निपुण प्रखंड इकाई एकमा के सदस्य रंजन कुमार चौरसिया, प्रधानाध्यापक अरुण कुमार सिंह, आईसीटी कोऑर्डिनेटर मनीष कुमार सिंह, शिक्षक उपेंद्र कुमार सिंह, अरुण कुमार ओझा, संजय कुमार भारती, अजीत कुमार, अमितेश कुमार सिंह, अरुण कुमार यादव समेत बीआरसी के लेखापाल एवं अन्य कर्मी मौजूद थे।

पेपरलेस रजिस्ट्री व्यवस्था के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु मीडिया प्रतिनिधियों को कराया गया निबंधन कार्यालय का भ्रमण

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। सारण जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव के निदेर्शानुसार जिला अवर निबंधन कार्यालय, सारण में लागू पेपरलेस रजिस्ट्री व्यवस्था के संबंध में आम नागरिकों के बीच व्यापक जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज विभिन्न मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधियों को जिला अवर निबंधन कार्यालय का भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान मीडिया प्रतिनिधियों को पेपरलेस रजिस्ट्री की पूरी प्रक्रिया की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई तथा कार्यालय में संचालित विभिन्न काउंटर्स एवं नागरिक सुविधाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन कराया गया। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा प्रत्येक काउंटर पर संचालित कार्यप्रणाली, नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा पेपरलेस रजिस्ट्री की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। मीडिया प्रतिनिधियों को बताया गया कि पेपरलेस रजिस्ट्री व्यवस्था के माध्यम से निबंधन प्रक्रिया को पूर्व की अपेक्षा अधिक सरल, पारदर्शी, सुरक्षित एवं समयबद्ध बनाया गया है। इस व्यवस्था से कागजी दस्तावेजों पर निर्भरता कम हुई है तथा रजिस्ट्री की प्रक्रिया में लगने वाले समय में भी कमी आई है। इससे आम नागरिकों को अनावश्यक प्रतीक्षा तथा बार-बार कार्यालय आने की आवश्यकता कम हो रही है। पूरी प्रक्रिया के डिजिटल होने से निबंधन कार्यों में पारदर्शिता एवं दक्षता बढ़ी है तथा दस्तावेजों एवं निबंधन से

संबंधित अभिलेखों की सुरक्षा भी बेहतर तरीके से सुनिश्चित की जा रही है। में आई हेल्प यू हेल्प डेस्क से नागरिकों को मिल रही सहायता निबंधन कार्यालय में आम नागरिकों की सुविधा का विशेष ध्यान रखते हुए ह्य मे आई हेल्प यू हेल्प डेस्क की व्यवस्था की गई है। पहली बार रजिस्ट्री कराने आने वाले नागरिकों को यहां उपस्थित कर्मियों द्वारा निबंधन की पूरी प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक जानकारी, मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त कार्यालय में फ्लो चार्ट भी प्रदर्शित किया गया है, जिसके माध्यम से रजिस्ट्री की पूरी प्रक्रिया को सरल एवं क्रमबद्ध तरीके से समझाया गया है। नागरिकों को रजिस्ट्री में लगने वाले शुल्क/खर्च, आवश्यक दस्तावेज, प्रक्रिया एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां भी उपलब्ध कराई जाती हैं, ताकि उन्हें पहले से पूरी जानकारी प्राप्त हो सके और निबंधन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। मीडिया प्रतिनिधियों ने कार्यालय के विभिन्न काउंटर्स पर जाकर पेपरलेस रजिस्ट्री की कार्यप्रणाली को प्रत्यक्ष रूप से देखा तथा अधिकारियों एवं कर्मियों से संबंधित प्रक्रिया एवं नागरिक सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। आम नागरिकों तक नई व्यवस्था की जानकारी पहुंचाने की अपील इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से मीडिया प्रतिनिधियों से अपील की गई कि पेपरलेस रजिस्ट्री व्यवस्था के सरल, पारदर्शी, सुरक्षित एवं समयबद्ध स्वरूप , इससे होने वाली समय की बचत तथा ह्यटं८ कली'स्र ङ्म४ह्ल हेल्प डेस्क सहित नागरिकों के लिए उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं की जानकारी को व्यापक रूप से आम लोगों तक पहुंचाया जाए, ताकि अधिक से अधिक नागरिक नई व्यवस्था का लाभ उठा सकें। जिला प्रशासन द्वारा नागरिक-केंद्रित सेवाओं को और अधिक सुगम, पारदर्शी, सुरक्षित एवं तकनीक आधारित बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

नामजद आरोपित सत्यानंद राय गिरफ्तार छपरा व्यवहार न्यायालय भेजा गया

परसा। थाना क्षेत्र के मारर टोले दिघारा गांव में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक नामजद आरोपित को गिरफ्तार कर लिया.गिरफ्तार आरोपित की पहचान मारर टोले दिघारा गांव निवासी स्व. केशव राय के पुत्र सत्यानंद राय के रूप में हुई है. मिली जानकारी के अनुसार, सत्यानंद राय के खिलाफ परसा थाने में मामला दर्ज था और वह उक्त मामले में नामजद आरोपित था.पुलिस को उसकी तलाश थी. इसी क्रम में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए उसे उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया.गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपित से आवश्यक पूछताछ और कानूनी प्रक्रिया पूरी की.इसके बाद मंगलवार को उसे छपरा व्यवहार न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए भेज दिया गया।

बाढ़ प्रभावित इलाकों का विधायक ने दूसरे दिन भी किया दौरा, राहत कार्य तेज करने के निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

बड़हरा (भोजपुर)। गंगा और सोन नदी के बढ़ते जलस्तर के बीच बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने लगातार दूसरे दिन बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ बड़हरा और कोईलवर प्रखंड के तटीय एवं बाढ़ प्रभावित गांवों का निरीक्षण किया और राहत-बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। विधायक ने बड़हरा प्रखंड के लौहर, करजा, भुसौला, बड़हरा, एकवना, सिरसिया, बबुरा, सबलपुर, बिशुनपुरा, बड़का बिंदगांव, सेमरा और फुहा सहित कोईलवर प्रखंड के बिंदगांव पहुंचकर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान बड़हरा प्रखंड विकास पदाधिकारी, कोईलवर प्रखंड विकास पदाधिकारी,

कोईलवर अंचलाधिकारी तथा बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान विधायक ने कुदुबपुर डेरा के लोगों के लिए अविलंब नाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही बबुरा एवं बिंदगांव बांध पर शरण लिए बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए बबुरा हाई स्कूल और बिंदगांव बांध के समीप सामुदायिक किचेन संचालित करने को कहा। तिरपाल और मेडिकल टीम की व्यवस्था का निर्देश विधायक ने प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी को बाढ़ पीड़ित परिवारों के बीच तिरपाल का वितरण कराने तथा आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मेडिकल टीम की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने आपदा विभाग के एसडीओ से फोन पर बात कर प्रभावित क्षेत्रों में जरूरत की सभी आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने को कहा। साथ ही दोनों स्थानों पर अगले दिन से सामुदायिक किचेन शुरू करने का निर्देश दिया। फुहा बांध की दरार पर जताई चिंता विधायक ने फुहा के समीप बांध में छिद्र एवं दरार की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर चल रहे मरम्मत कार्य का भी निरीक्षण किया। मुखिया की देखरेख में कराए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने बाढ़ नियंत्रण विभाग के कनीय अभियंता को छिद्र को जल्द भरने का निर्देश दिया। उन्होंने बांध की सुरक्षा के लिए बालू भरे बोरों का उपयोग कर मरम्मत कार्य तेज करने तथा रात के समय विशेष निगरानी के लिए रात्रि प्रहरी की तैनाती करने को भी कहा। विधायक ने कायमनगर पंचायत के ज्ञानपुर क्षेत्र की स्थिति को लेकर कोईलवर प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचलाधिकारी को वहां जाकर निरीक्षण करने तथा जरूरत के अनुसार नाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मौके पर संजय कुमार सिंह, शुभम पांडेय, धनंजय तिवारी, धीरज सिंह, मनोरंजन तिवारी, टुनटुन बिंद, रंजीत गुप्ता, मुखिया अर्जुन सिंह, सतेंद्र पांडेय, हरेराम चंद्रवंशी, पिंटू सिंह, विक्की कुमार, नवीन सिंह सहित कई कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद थे।

6 सितंबर को पटना में जुटेंगे छात्र-युवा, शिक्षा और रोजगार के मुद्दे पर होगा सम्मेलन

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। बिहार की शिक्षा व्यवस्था में सुधार, परीक्षाओं में पारदर्शिता और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की मांग को लेकर छह सितंबर को पटना में छात्र-युवा सम्मेलन आयोजित होगा। श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में दोपहर 12 बजे से होने वाले सम्मेलन का आयोजन आइसा और आरवाईए के Gen-Z Rising अभियान के तहत किया जा रहा है।सम्मेलन को लेकर बुधवार को एसबी कॉलेज, आरा की आइसा इकाई की ओर से कैंपस में अभियान चलाया गया। छात्र नेताओं ने विद्यार्थियों से बड़ी संख्या में पटना पहुंचकर सम्मेलन में भाग लेने की अपील की। अभियान के दौरान शिक्षा व्यवस्था की स्थिति, प्रतियोगी एवं विश्वविद्यालय परीक्षाओं में पारदर्शिता तथा रोजगार के सवालों

को प्रमुखता से उठाया गया।आइसा नेताओं ने कहा कि वर्तमान समय में छात्र-नौजवानों के सामने शिक्षा, परीक्षा और रोजगार सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। इन सवालों को लेकर युवाओं को संगठित होकर अपनी आवाज बुलंद करने की जरूरत है। सम्मेलन के माध्यम से छात्र-युवा अपनी मांगों को मजबूती से रखने का प्रयास करेंगे।कैंपस अभियान के दौरान शिक्षा, परीक्षा और रोजगार हमारा अधिकार, छह सितंबर को पटना चलोह्न का नारा भी बुलंद किया गया। अभियान में आइसा जिला सह सचिव साहिल अरोरा, कॉलेज अध्यक्ष राजन कुमार, उपाध्यक्ष कुमारी श्रेया, सह सचिव राहुल यादव और जयश्री आनंद समेत अन्य छात्र शामिल रहे। नेताओं ने कहा कि पटना में होने वाला सम्मेलन छात्र-युवाओं के अधिकारों और भविष्य से जुड़े सवालों को व्यापक मंच प्रदान करेगा।

बड़हरा में 23 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद, बाइक छोड़ तस्कर फरार

प्रात: किरण संवाददाता

बड़हरा थाना पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। थाना प्रभारी चुनमुन कुमारी के नेतृत्व में पुलिस टीम डेली गश्ती के दौरान क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रही थी। इसी दौरान पुलिस को लाला के टोला के पास एक बाइक संदिग्ध अवस्था में दिखाई दी। पुलिस टीम ने जब मौके पर पहुंचकर जांच की तो बाइक के साथ अंग्रेजी शराब बरामद हुई। तलाशी के दौरान कुल 23 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की गई। पुलिस की कार्रवाई की भनक लगते ही मौके पर मौजूद शराब तस्कर बाइक छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने शराब और बाइक को जब्त कर लिया है। फरार तस्कर की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस टीम आसपास के इलाकों में भी छापेमारी कर रही है और संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई जा रही है। थाना पुलिस की इस कार्रवाई से शराब के अवैध कारोबार में शामिल लोगों के बीच हड़कंप मच गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में शराब की तस्करी और अवैध बिक्री के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। गश्ती के दौरान संदिग्ध वाहनों और लोगों की जांच भी की जा रही है। पुलिस अब जब्त बाइक के आधार पर फरार तस्कर तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि बरामद शराब कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था। मामले में पुलिस की जांच जारी है।

संक्षिप्त खबरें

स्वाभिमान भारत मंच ने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अरविंद कुमार को किया सम्मानित

बड़हरा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बड़हरा में स्वाभिमान भारत मंच, बड़हरा (भोजपुर) की ओर से प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अरविंद कुमार को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक रामकांत सिंह, अध्यक्ष राजेश दत्त तिवारी सहित संस्था के सदस्य संतोष सिंह संटू और रुद्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे। संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने डॉ. अरविंद कुमार को सम्मानित करते हुए स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। मौके पर उपस्थित लोगों ने कहा कि समाजहित और जनसेवा के कार्यों में स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान संस्था के सदस्यों ने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

गुप्त सूचना पर छापेमारी, 30 लीटर देशी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

तरारी (आरा)। तरारी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बंधवा पुल के समीप छापेमारी कर 30 लीटर देशी शराब के साथ एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शराब ढोने मेंप्रयुक्त एकपैशन मोटरसाइकिल भी जब्त की है। तरारी थानाध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने के बाद एसएसआई एवं मुंशी संजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम को छापेमारी के लिए भेजा गया। इस दौरान बंधवा पुल के समीप से 30 लीटर देशी शराब बरामद की गई। मौके से पुलिस ने रोहतास जिला अन्तर्गत कच्छवा थाना क्षेत्र के ढोण्नडीह निवासी श्रीराम राम के पुत्र बुधन राम को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही उसके पास से एक पैशन मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित के विरुद्ध उत्पाद एवं मद्य निषेध कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गंगा के बहाव में टूटी क्षतिग्रस्त पुलिया, चार हजार की आबादी का आवागमन प्रभावित

प्रात: किरण संवाददाता

खवासपुर: खवासपुर पंचायत से महुली जाने वाली मुख्य सड़क पर सर्वू सिंह के डेरा के समीप सुखदेव ठाकुर के घर के पास स्थित पुलिया गंगा नदी के पानी के तेज बहाव में टूट गई। पुलिया पहले से ही क्षतिग्रस्त थी, लेकिन बाढ़ के पानी के बढ़ते दबाव के कारण मंगलवार को वह पूरी तरह टूट गई। पुलिया टूटने से इस मार्ग से जुड़े करीब चार हजार की आबादी का आवागमन प्रभावित हो गया है। बाढ़ के इस मुश्किल दौर में ग्रामीणों की परेशानी और बढ़ गई है। अब लोगों के सामने खाद्य सामग्री, दवाइयां और अन्य जरूरी सामान लाने की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया टूटने के कारण वे जरूरी सामान की खरीदारी के लिए जानकी बाजार तक भी आसानी से नहीं पहुंच पा रहे हैं। बाढ़ के कारण पहले से ही प्रभावित ग्रामीणों के लिए सड़क संपर्क टूटना बड़ी समस्या बन गया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तत्काल मौके का निरीक्षण कर आवागमन बहाल करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के लोगों को जरूरी सुविधाओं और सामान के लिए परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

अम्हरूहाँ में श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का होगा भव्य आयोजन

सहार। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर अम्हरूहाँ स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर (पुरानी ठाकुरबाड़ी) में दो दिन तक धार्मिक आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन 3 सितंबर से 4 सितंबर तक चलेगा। आयोजन स्वामी चतुर्भुजाचार्य जी महाराज के सानिध्य में संपन्न होगा। महोत्सव के दौरान हरि नाम संकीर्तन के साथ-साथ शाम 7 बजे से रात 12 बजे तक विभिन्न सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है और मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाने की तैयारी की जा रही है। आयोजन को सफल बनाने में अंजीत कुमार, भावी युवा मुखिया प्रतिनिधि उर्फ राज वीर प्रताप सिंह, युवा समाजसेवी, रितेशाचार्य जी सहित समस्त ग्रामीण जनता सहयोग कर रहे हैं। आयोजकों ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में शामिल होने की अपील की है।

वेतनमान की मांग को लेकर संबद्ध कॉलेज कर्मियों ने विवि में दिया धरना

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। बिहार राज्य संबद्ध डिग्री महाविद्यालय शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी महासंघ की वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय इकाई की ओर से बुधवार को विभिन्न मांगों को लेकर विश्वविद्यालय परिसर में धरना-प्रदर्शन किया गया। धरना की अध्यक्षता डॉ. शंभूनाथ सिंह ने की, जबकि संचालन डॉ. हरेंद्र कुमार सिंह ने किया। इस दौरान संबद्ध डिग्री कॉलेजों के शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की।महासंघ के प्रदेश सचिव डॉ. रवींद्र कुमार ने कहा कि संबद्ध डिग्री कॉलेजों के शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों को भी वेतनमान और पेंशन का लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्षों से अनुदान की राशि लंबित है। इसका एकमुश्त भुगतान किया जाना चाहिए, ताकि कॉलेज कर्मियों को आर्थिक परेशानियों से राहत मिल सके। उन्होंने अनुदान राशि पर लगी डेढ़ करोड़ रुपये की बंदिश को भी समाप्त करने की मांग की।महासंघ ने कॉलेजों और विश्वविद्यालय की स्वायत्तता बनाए रखने, पटना हाईकोर्ट के निर्णय को लागू करने तथा बिहार विधान परिषद की शिक्षा समिति की रिपोर्ट के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई करने की मांग भी उठाई। वक्ताओं ने कहा कि संबद्ध कॉलेजों के शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारी लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन अब तक अपेक्षित समाधान नहीं हुआ है। महासंघ के नेताओं ने स्पष्ट किया कि मांगों को लेकर आंदोलन आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने सभी शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों से 9 सितंबर को पटना के गर्दनीबाग में आयोजित आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया।धरना समाप्त होने के बाद प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय के कुलसचिव को मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन को कुलाधिपति के पास भेजने का आग्रह किया, ताकि मांगों पर उच्च स्तर से पहल हो सके।धरना में डॉ. माया, डॉ. उमा शुक्ला, डॉ. सुमन सिंह, डॉ. मीना सिंह, डॉ. सुरेंद्र सागर, डॉ. शीला सिंह, शक्ति सिंह, प्रो. कृष्णा देवी, डॉ. राजनाथ सिंह, डॉ. संतोष सिंह, डॉ. अशोक कुमार पांडेय, डॉ. विनोद कुमार सिंह, डॉ. अमर सिंह, डॉ. अरविंद कुमार समेत कई प्राचार्य, शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी मौजूद रहे।

बंधु छपरा गंगा बांध के समीप युवक का शव बरामद, 28 अगस्त से था लापता

बबुरा (भोजपुर)। बबुरा थाना क्षेत्र के बंधु छपरा स्थित गंगा नदी बांध के समीप से पुलिस ने एक युवक का शव बरामद किया है। शव की पहचान कोईलवर वार्ड नंबर चार निवासी विष्णु राय (लगभग 22 वर्ष), पिता जय राम राय, के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार मृतक विष्णु राय तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि युवक इसी महीने की 28 तारीख से लापता था। युवक का शव मिलने की सूचना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। युवक की मौत के कारणों का स्पष्ट पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। इधर, शव बरामद होने की सूचना मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया।

सोन नद में मिला युवक का शव, सोशल मीडिया से हुई पहचान

प्रात: किरण संवाददाता

कोईलवर। बबुरा थाना क्षेत्र के बिंदगावा स्थित सोन नदी में बुधवार को एक युवक का अज्ञात शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। नदी में शव देख ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर स्थानीय लोगों से पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन तत्काल उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी।इसके बाद स्थानीय लोगों ने शव की तस्वीर सोशल मीडिया पर प्रसारित कर पहचान की अपील की। तस्वीर वायरल होने के करीब एक घंटे के अंदर शव की पहचान कोईलवर थाना क्षेत्र के नगर के वार्ड चार निवासी जयराम राय के 19 वर्षीय पुत्र विष्णु कुमार के रूप में हुई। सूचना मिलने के बाद परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान की। पुलिस ने शव का सदर अस्पताल, आरा में पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजनों को सौंप दिया गया। मृतक की मां सुशीला देवी ने बताया कि करीब चार दिन पहले विष्णु अपनी बहन के ससुराल जाने की बात कहकर बिहटा थाना क्षेत्र के परेव गया था। इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटा। काफी खोजबीन के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका था। बुधवार को सोन नदी से शव मिलने और सोशल मीडिया के माध्यम से पहचान होने की सूचना पर परिवार में कोहराम मच गया। विष्णु तीन भाइयों में मंझला था। उसकी मौत की खबर से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पीपरपाती में गंगा का कहर जारी, तीन घर नदी में विलीन; 100 घर कराए गए खाली

प्रात: किरण संवाददाता

बड़हरा (भोजपुर)। प्रखंड क्षेत्र के पीपरपाती गांव में गंगा नदी का लगातार कटाव ग्रामीणों के लिए भय का कारण बन गया है। तेज कटाव की चपेट में आकर अब तक तीन घर गंगा नदी में विलीन हो गए हैं। लगातार बिगड़ती स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने एहतियात के तौर पर करीब 100 घरों को खाली कराया है। कटाव के कारण गांव में दहशत का माहौल है। पीपरपाती के साथ-साथ आसपास के गांवों के लोग भी गंगा की तेज होती धार और लगातार हो रहे कटाव को लेकर चिंतित हैं। ग्रामीण अपने घरों और सामान को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में जुटे हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रभावित लोगों के लिए उत्क्रमित मध्य विद्यालय, पीपरपाती में सामुदायिक किचेन शुरू किया गया है। यहां प्रभावित परिवारों के लिए भोजन की व्यवस्था की जा रही है। वहीं प्रशासन की ओर से 105 तिरपाल का वितरण भी किया गया है। पंचायत के मुखिया राहुल पांडेय ने बताया कि कटाव की आशंका को देखते हुए करीब 100 घरों को खाली कराया गया है और प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का कार्य जारी है। कटाव प्रभावित क्षेत्र का जायजा लेने आपदा विभाग के एडीएम कमर आलम, एसडीपीओ-2 रंजीत कुमार सिंह तथा बड़हरा के अंचल अधिकारी अंशु प्रसून मौके पर पहुंचे। इस दौरान कृष्णगढ़ थाना प्रभारी रोशन कुमार सिंह भी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। अधिकारियों ने कटाव प्रभावित इलाके का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशासन की ओर से प्रभावित लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं, सामुदायिक किचेन सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं लगातार उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। राहत और बचाव कार्यों पर प्रशासन नजर बनाए हुए है। लगातार हो रहे कटाव से ग्रामीणों की चिंता बढ़ती जा रही है। लोग प्रशासन से कटावरोधी कार्यों में तेजी लाने और प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने भोजपुर में संगठन का किया विस्तार

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। राष्ट्रीय लोक मोर्चा भोजपुर की ओर से बुधवार, 2 सितंबर को जिला संगठन का विस्तार करते हुए जिला कार्यकारिणी, जिला कमेटी, प्रखंड अध्यक्ष एवं नगर अध्यक्षों की सूची जारी की गई। जिला अध्यक्ष रोहित कुशवाहा ने संगठन के विभिन्न पदों पर मनोनीत पदाधिकारियों की सूची जारी की। जारी सूची के अनुसार जिला संगठन में 9 कार्यकारिणी सदस्य, 2 प्रवक्ता, 9 जिला उपाध्यक्ष, 16 महासचिव, 21 सचिव, 14 प्रखंड अध्यक्ष एवं 3 नगर अध्यक्ष बनाए गए हैं। संगठन के विस्तार से पार्टी कार्यकताओं में उत्साह है।इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष जागा कुशवाहा एवं प्रदेश सचिव सुनील पाठक ने संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि भोजपुर जिले के सभी जाति एवं धर्म के लोगों को संगठन से जोड़कर पार्टी को मजबूत और सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन के विस्तार से पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को गांव-गांव तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत कर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सांसद उपेन्द्र कुशवाहा तथा प्रदेश अध्यक्ष, दिनारा विधायक सह बिहार राज्य कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के सदस्य आलोक सिंह के हाथों को मजबूती प्रदान की जाएगी। सूची जारी करने के दौरान प्रदेश सचिव पंकज कुशवाहा, सुबोध केशरी, विनय कुशवाहा एवं कार्तिक पांडेय समेत अन्य पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

अवकाश प्राप्त शिक्षक की विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित

बड़हरा। प्रखंड क्षेत्र के रामपुर गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण में पूर्व प्रधानाध्यापक कामेश्वर कुमार सिंह के अवकाशप्राप्त करने के उपरांत भव्य विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। लम्बे समय से विद्यालय में सेवा दे रहे शिक्षक कामेश्वर सिंह के सराहनीय कार्यों, विद्यालय के प्रति समर्पण तथा बच्चों के साथ सही मायने में गुरू-शिष्य की परंपरा के सम्यक निर्वहन की जमकर तारीफ कार्यक्रम के मंच से वक्ताओं ने की। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरीय अवकाशप्राप्त शिक्षक सह डीडीओ रहे निर्मल कुमार सिंह ने की। जबकि संचालन धर्मपाल सिंह व धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय की वर्तमान प्रभारी सह प्रधान शिक्षक नेहा कुमारी ने किया। जहां मंच से प्रमुख वक्ताओं में अनिल सिंह, श्यामनाथ सिंह, नलिनी कांत त्रिपाठी, जीतेन्द्र पाठक, राणा शक्ति, कृष्ण कुमार, विकाश कुमार सिंह, मंजू कुमारी, कुन्ती कुमारी, नीतु कुमारी, धीरेन्द्र कुमार सिंह, मनोज कुमार, शिवमणी उपाध्याय, रविशंकर दास, अमित कुमार, सुनील कुमार, वार्ड सदस्य जय शंकर सिंह, सुग्रीव सिंह, राधेश्याम सिंह, ओमप्रकाश सिंह, शशि कुमार सिंह, मनोज सिंह आदि ने अपने-अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किये।

रूद्रनगर निमार्णाधीन डायवर्सन पर दो युवकों की मौत से आक्रोश आरा-बक्सर हाईवे जाम कर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

प्रात: किरण संवाददाता

शाहपुर नगर के रूद्रनगर स्थित निमार्णाधीन डायवर्सन के पास छेर नदी की तेज धारा में डूबने से दो युवकों की मौत के बाद आज बुधवार को ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। घटना से नाराज मृतकों के परिजनों और ग्रामीणों ने शाहपुर नगर पंचायत के वार्ड संख्या एक स्थित शोभीटोला के समीप आरा-बक्सर हाईवे को जाम कर दिया। सड़क पर बड़ी संख्या में लोगों के बैठ जाने से हाईवे पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। देखते ही देखते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों का आरोप है कि निमार्णाधीन डायवर्सन पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए थे। यदि डायवर्सन के दोनों ओर बैरिकेडिंग तथा अन्य सुरक्षा व्यवस्था रहती तो संभवतः यह दर्दनाक हादसा नहीं होता। ग्रामीणों ने घटना के लिए निमार्णाधीन एजेंसी और प्रशासन की कथित लापरवाही को जिम्मेदार बताते हुए मामले की जांच कराने तथा दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। बताया जाता है कि कल मंगलवार को तीन दोस्त बाइक से छेर नदी पार कर रहे थे। इसी दौरान नदी में पानी की तेज धारा होने के कारण बाइक सवार सचिन रवानी और संदीप रवानी तेज बहाव की चपेट में आकर बह गए। वहीं तीसरे युवक कृष्णा यादव को स्थानीय लोगों की मदद से पानी से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और दोनों लापता युवकों की तलाश शुरू की गई।घटना की सूचना मिलने के बाद एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और नदी में सर्च अभियान चलाया। मंगलवार को काफी मशक्कत के बाद एसडीआरएफ की टीम ने सचिन रवानी का शव बरामद कर लिया था। वहीं दूसरे युवक संदीप रवानी की तलाश जारी रही। आज बुधवार को एसडीआरएफ की टीम ने संदीप रवानी का शव भी खोज निकाला। दोनों शव बरामद होने की खबर मिलते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। दो युवकों की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने मृतक परिवारों को उचित मुआवजा, आर्थिक सहायता और अन्य सरकारी लाभ देने की मांग को लेकर हाईवे जाम कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि निमार्णाधीन डायवर्सन पर आवागमन को लेकर स्पष्ट सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों की जान जोखिम में है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि डायवर्सन पर तत्काल बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड और सुरक्षा कर्मियों की व्यवस्था कराई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो। सड़क जाम की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से बातचीत की और उनकी मांगों को सुना। ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि जब तक मृतक परिवारों को उचित सहायता और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ठोस आश्वासन नहीं दिया जाए। जाम स्थल पर शाहपुर के पूर्व विधायक राहुल तिवारी उर्फ मंटू तिवारी, राजद प्रखंड अध्यक्ष शिवपरसन यादव, पूर्व पार्षद मो. मुख्तार शाह, सतेन्द्र यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और स्थानीय लोग मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने भी प्रशासन से पूरे मामले की जांच कराकर निमार्णाधीन डायवर्सन पर सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित कराने की मांग की। दो युवकों की मौत के बाद सड़क जाम से इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। ग्रामीणों ने कहा कि निर्माण कार्य पूरा होने तक डायवर्सन पर लोगों की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम करना प्रशासन और संबंधित निर्माण एजेंसी की जिम्मेदारी है।

बिना सत्यापन पोर्टल पर अपलोड हुए नामांकन दस्तावेज

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के अंतर्गत स्नातक सेमेस्टर-1 सत्र 2026-30 में नामांकन के दौरान कई महाविद्यालयों में अभ्यर्थियों के शैक्षणिक प्रमाणपत्रों का समुचित सत्यापन किए बिना ही दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड किए जाने का मामला सामने आया है। नामांकन प्रक्रिया में तेजी के बीच कॉलेज स्तर पर दस्तावेजों की जांच पूरी तरह सुनिश्चित नहीं होने से विश्वविद्यालय प्रशासन की चिंता बढ़ गई है।विश्वविद्यालय के निर्देश के अनुसार नामांकन के समय विद्यार्थियों द्वारा अपलोड किए गए अंकपत्र और अन्य शैक्षणिक प्रमाणपत्रों की जांच की जानी थी। हालांकि, कुछ कॉलेजों में सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही नामांकन से संबंधित विवरण पोर्टल पर अपलोड कर दिए गए। अब नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद कॉलेज स्तर पर विद्यार्थियों के मूल प्रमाणपत्रों की जांच कराने की तैयारी है।दरअसल, विश्वविद्यालय में पहले भी कुछ अभ्यर्थियों द्वारा आवेदन के दौरान फर्जी अथवा संशोधित अंकपत्र अपलोड किए जाने की शिकायत सामने आ चुकी है। इसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रमाणपत्रों के सत्यापन को लेकर कॉलेजों को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। कुलपति प्रो. शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी ने संबंधित अधिकारियों को मामले में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। छात्र कल्याण अध्यक्ष प्रो. ओम प्रकाश राय ने बताया कि फर्जी अंकपत्र के आधार पर नामांकन लेने वाले विद्यार्थियों की पहचान कॉलेज स्तर पर की जाएगी। कॉलेज अपने सिस्टम पर उपलब्ध नामांकन संबंधी जानकारी की जांच करेंगे और संदेहास्पद मामलों की सूची विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराएंगे। इसके बाद संबंधित विद्यार्थियों के मूल प्रमाणपत्रों का सत्यापन कराया जाएगा।विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि कितने विद्यार्थियों ने गलत या फर्जी दस्तावेज के आधार पर नामांकन कराया है।प्रमाणपत्र फर्जी पाए जाने पर संबंधित विद्यार्थी का नामांकन रद्द करने के साथ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल स्नातक सेमेस्टर-1 की तीसरी मेधा सूची के आधार पर नामांकन जारी है। तीसरी सूची के तहत नामांकन की अंतिम तिथि दो सितंबर है। इसके बाद तीन सितंबर से कॉलेज कोटा के तहत नामांकन शुरू होगा। विश्वविद्यालय अब कॉलेजों से अपलोड किए गए दस्तावेजों की स्थिति की जानकारी लेकर बिना सत्यापन वाले मामलों की पहचान करने की तैयारी में है।

गंगा-सोन की तेज धार ने बिंदगावा को बनाया टापू, नाव नहीं मिलने से ग्रामीणों में दहशत

प्रात: किरण संवाददाता

बड़हरा। गंगा और सोन नदी की तेज धार तथा बढ़ते जलस्तर ने बिंदगावा गांव की स्थिति गंभीर कर दी है। चारों ओर बाढ़ का पानी फैल जाने से गांव टापू में तब्दील हो गया है। कई घरों में पानी प्रवेश कर गया है, जबकि गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली सड़क तेज बहाव में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। सड़क के बह जाने से गांव का संपर्क लगभग कट गया है। ग्रामीणों के सामने सबसे बड़ी समस्या आवागमन की बनी हुई है। प्रशासन की ओर से अब तक नाव की समुचित व्यवस्था नहीं किए जाने से लोगों में भय और चिंता का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि रात के समय किसी के अचानक बीमार पड़ने या अन्य आपात स्थिति उत्पन्न होने पर मरीज को अस्पताल पहुंचाना बड़ी चुनौती बन सकता है। गांव से बाहर निकलने के लिए लोगों को जोखिम उठाना पड़ रहा है। जरूरी सामान की खरीदारी और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए

भी ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, गंगा-सोन की तेज धार और बाढ़ के पानी से हजारों लोगों का जनजीवन प्रभावित हुआ है। कई परिवार अपने घरों और सामान की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। राहत-बचाव की मांग ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल नाव की व्यवस्था कराने, प्रभावित परिवारों तक राहत सामग्री पहुंचाने तथा क्षतिग्रस्त मुख्य सड़क की मरम्मत के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते राहत और बचाव के लिए ठोस व्यवस्था नहीं की गई तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

संक्षिप्त खबरें

जीबीएम कॉलेज में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत पोषण जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

गया जी। गौतम बुद्ध महिला कॉलेज में प्रभारी प्रधानाचार्य प्रो सहदेब बाउरी एवं गृहविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ प्रियंका कुमारी के निर्देशन में कॉलेज के गृहविज्ञान विभाग एवं संवर्द्धिनी क्लब की ओर से 1 सितंबर से 30 सितंबर तक चलने वाले राष्ट्रीय पोषण माह के तहत चित्रगुप्त मध्य विद्यालय में पोषण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। स्कूल के बच्चों को पोषण संबंधी जानकारियाँ दी गयीं। रंग-बिरंगे पोस्टरों द्वारा काबोर्हाइड्रेट, वसा, प्रोटीन, विटामिन, खनिज लवण युक्त भोजन, रेशेदार फल-सब्जियों, दालों आदि के बारे में बताया गया। स्कूल के बच्चों ने कार्यक्रम में काफी रुचि के साथ भाग लिया। साथ ही, डॉ प्रियंका कुमारी एवं छात्राओं ने बच्चों से रोचक प्रश्न भी पूछे, जिसका उत्तर बच्चों ने बड़े ही उत्साह के साथ दिया। कार्यक्रम में स्कूल के प्रधानाचार्य प्रो शहनवाज आलम, शिक्षक प्रसून कुमार, कौशल कुमार, छात्रा माधवी नंदन, अलीशा, संचिता, जेबा, अनु, कश्लया, अंजनी, ब्यूटी, अंजली, कौशल्या आदि उपस्थित रहे। कॉलेज की पीआरओ डॉ रश्मि प्रियदर्शिनी ने बताया कि राष्ट्रीय पोषण माह के तहत गृहविज्ञान विभाग की ओर से पूरे माह विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें से हर वर्ष आयोजित होने वाला पोषण मेला, चिकित्सकों की उपस्थिति में आयोजित कार्यशालाएँ, पोषण एवं स्वास्थ्य परामर्श सत्र आदि प्रमुख हैं।

जीरी पैक्स अध्यक्ष बनीं संगीता प्रतिद्वंद्वी को 467 वोट से हराया

गया जी। अतरी प्रखंड की जीरी पंचायत में संगीता देवी ने पैक्स अध्यक्ष पद के चुनाव में शानदार जीत हासिल की है ! इस मुकाबले में कुल चार उम्मीदवार अध्यक्ष पद के दावेदार थे, जिनमें चंद्रदीप प्रसाद को 51 वोट, पंकज कुमार को 112 वोट, रामबली प्रसाद यादव को 206 वोट और संगीता देवी को सबसे अधिक 668 वोट मिले ! संगीता देवी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी रामबली प्रसाद यादव को 467 वोटों के बड़े अंतर से करारी शिकस्त दी है। चुनाव में अपनी इस धमाकेदार जीत के बाद अतरी बीडीओ धनंजय कुमार भारती ने संगीता देवी को आधिकारिक तौर पर जीत का प्रमाण पत्र सौंपा है ! प्रमाण पत्र मिलने के बाद समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई और उन्होंने नवनिर्वाचित पैक्स अध्यक्ष को बधाई दी ! इस जीत से पंचायत के विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है ! वही मौके पर शुभकामनाएं देने वालों में गया शहर के युवा समाजसेवी सह विशाल प्राइवेट आईटीआई बोधगया के ट्रस्टी आकाश प्रदर्श उर्फ एपी युवा समाजसेवी सागर यादव विशाल यादव आदि शामिल रहे ! ज्ञात हो कि विजेता कैंडिडेट के पति स्वर्गीय विजय यादव भी पूर्व में इसी पंचायत से पैक्स अध्यक्ष रह चुके हैं।

गया-कामाख्या एक्सप्रेस में लगेगा अतिरिक्त थर्ड एसी कोच

गया जी। आगामी पर्व-त्योहार के दौरान यात्रियों की संभावित अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने गया-कामाख्या एक्सप्रेस में अस्थायी रूप से वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का एक अतिरिक्त कोच लगाने का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 15619/15620 गया-कामाख्या-गया एक्सप्रेस में यह सुविधा उपलब्ध रहेगी। कामाख्या से गया के लिए 7 सितंबर से 30 नवंबर तक तथा गया से कामाख्या के लिए 8 सितंबर से 1 एक दिसंबर तक अतिरिक्त कोच लगाया जाएगा। रेलवे के इस निर्णय से पर्व-त्योहार के दौरान यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त बर्थ उपलब्ध होगी और उन्हें यात्रा में सुविधा मिलेगी।

जाँच एवं उपचार, चिकित्सा आपके द्वार कार्यक्रम का शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। 02 सितम्बर 26 को राज्य सरकार की महत्वपूर्ण स्वास्थ्य पहल जाँच एवं उपचार, चिकित्सा आपके द्वार कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री, बिहार द्वारा पटना स्थित ऊर्जा ऑडिटोरियम से किया गया है। यह कार्यक्रम गैर-संचारी रोग की रोकथाम, समय पर पहचान एवं उपचार को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन के घर एवं समुदाय के निकट ही गैर-संचारी रोगों की स्क्रीनिंग, प्रारंभिक पहचान, चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान कर उनका उचित प्रबंधन किया जा सके। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रमुख रूप से उच्च रक्तचाप , मधुमेह , ओरल कैंसर मुख का कैंसर स्तन कैंसर एवं अन्य प्रमुख गैर-संचारी रोगों की स्क्रीनिंग की जाएगी। इसके साथ ही स्क्रीनिंग में संदिग्ध पाए जाने वाले व्यक्तियों को चिकित्सकीय परामर्श, आवश्यक जाँच एवं उपचार तथा जरूरत पड़ने पर उच्चतर स्वास्थ्य संस्थान में रेफर करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। गया जिले में कार्यक्रम का शुभारंभ गया जिला में कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर जिला स्तर पर व्यापक व्यवस्था की गई है। जयप्रकाश नारायण अस्पताल में विधायक बाराचट्टी, महापौर नगर निगम, जिला पदाधिकारी शशांक शुभंकर एवं सिविल सर्जन तथा बिहार विधानसभा अध्यक्ष के प्रतिनिधि सहित बड़ी.संख्या में आशा कार्यकर्ता, चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ कार्यक्रम में उपस्थित रहे हैं। मुख्यमंत्री द्वारा पटना स्थित ऊर्जा ऑडिटोरियम से किए जा रहे राज्य स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम को टू-वे कम्युनिकेशन के माध्यम से गया जिले के जयप्रकाश नारायण अस्पताल से सीधे जोड़ा गया। इन स्वास्थ्य संस्थानों में टू-वे कम्युनिकेशन के माध्यम से कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एवं उद्घाटन कार्यक्रम में सहभागिता सुनिश्चित की गई है। इसके अतिरिक्त जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं अन्य संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों में वेबकास्टिंग के माध्यम से पटना से हो रहे राज्य स्तरीय उद्घाटन कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया है। स्वास्थ्य संस्थानों में टीवी,स्क्रीन के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री द्वारा किए जा रहे कार्यक्रम के शुभारंभ को स्वास्थ्य पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा देखा एवं सुना गया। ठउऊकी स्क्रीनिंग पर विशेष जोर जाँच एवं उपचार, चिकित्सा आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से गैर-संचारी रोगों की समय पर पहचान एवं उपचार पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत लोगों की नियमित रूप से बीपी एवं ब्लड शुगर की जाँच, ओरल कैंसर एवं स्तन कैंसर की स्क्रीनिंग तथा अन्य आवश्यक एन सी डी संबंधी जाँच की जाएगी। विशेष रूप से ऐसे व्यक्तियों की पहचान की जाएगी जिनमें गैर-संचारी रोगों के जोखिम कारक अथवा बीमारी के प्रारंभिक लक्षण पाए जाते हैं। स्क्रीनिंग के दौरान संदिग्ध पाए गए मरीजों को आगे की जाँच एवं विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श के लिए आवश्यकतानुसार संबंधित स्वास्थ्य संस्थान में रेफर किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य गैर-संचारी रोगों को गंभीर अवस्था में पहुँचने से पहले पहचानना तथा लोगों को समय पर उपचार एवं उचित चिकित्सकीय देखभाल उपलब्ध कराना है। इससे समुदाय स्तर पर एन सी डी की रोकथाम एवं नियंत्रण को मजबूती मिलेगी। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग, गया द्वारा कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु सभी संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों को आवश्यक समन्वय एवं तैयारियाँ सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है, ताकि जाँच एवं उपचार, चिकित्सा आपके द्वार कार्यक्रम का लाभ अधिक से अधिक आमजन तक पहुँचाया जा सके।

नशे के खिलाफ जागरूकता की पहल: आईआईएम बोधगया में, आईपीएम विद्यार्थियों के लिए विशेष सत्र

प्रात : किरण संवाददाता

बोध गया। भारतीय प्रबंधन संस्थान बोध गया में, आईपीएम के छठे बैच के ओरिएंटेशन कार्यक्रम के अंतर्गत नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव, रोकथाम एवं एनडीपीएस मामलों से संबंधित विषयों पर विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में बिहार पुलिस की ओर से एसपी एएनटीएफ राजेश कुमार, एएसपी इमरान परवेज एवं डीएसपी रमेश कुमार मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे हैं। सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के बढ़ते खतरे, इसके सामाजिक प्रभाव तथा नशे की रोकथाम में व्यक्तिगत एवं सामूहिक जागरूकता की भूमिका से अवगत कराना था। सत्र के मुख्य वक्ता एसपी एएनटीएफ राजेश कुमार (आईपीएस) ने नशीले पदार्थों से जुड़े मामलों में अपने व्यापक अनुभव के आधार पर विद्यार्थियों को एनडीपीएस मामलों, इंटेलिजेंस, ऑपरेशन एवं इन्वेस्टिगेशन से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया है। उनके साथ उपस्थित एएसपी इमरान परवेज एवं डीएसपी रमेश कुमार मिश्रा ने भी कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई है। राजेश कुमार को फील्ड एवं मुख्यालय स्तर पर कार्य करने का व्यापक अनुभव प्राप्त है। उन्होंने एसडीपीओ दानापुर, एसडीपीओ सचिवालय, डीएसपी एसएसजी सीएम सिक्योरिटी, सिटी एसपी पटना वेस्ट, एसपी प्रोहिबिशन, एसपी नवगछिया तथा एसपी साइबर सहित विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएँ दी हैं। अपने कार्यकाल के दौरान उन्हें डीजी अवॉर्ड एवं सोनपुर अवॉर्ड सहित कई अवसरों पर सम्मानित किया जा चुका है। इस कार्यक्रम में लगभग 400 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सत्र के अंत में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने में अपना योगदान देने की शपथ भी दिलाई गई। यह जागरूकता सत्र क्ळट के विद्यार्थियों के लिए नशीले पदार्थों से जुड़ी चुनौतियों को समझने और एक जिम्मेदार एवं जागरूक नागरिक के रूप में अपनी भूमिका को पहचानने का महत्वपूर्ण अवसर रहा।

पुनपुन नदी के बढ़ते जलस्तर को लेकर विधायक व डीएम ने किया इलाके का निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। पुनपुन नदी के लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए कुर्था विधायक पप्पू वर्मा, जिला पदाधिकारी अमृषा बैंस एवं जिले के वरीय पदाधिकारियों ने अनुआ मखमिलपुर धरनई सेरपुर सहित कई गांवों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने गांव-गांव घूमकर लोगों से बात की और जलस्तर, फसल क्षति और अन्य समस्याओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान विधायक पप्पू वर्मा ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि जहां भी जलस्तर बढ़ रहा है, उसके आसपास के गांवों के लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। हम आपके साथ 24 घंटे खड़े हैं। हर सुविधा दी जाएगी, इसके लिए जो भी करना पड़ेगा हम करने को तैयार हैं। जिला पदाधिकारी ने अधिकारियों को अलर्ट रहने और राहत-बचाव की सभी तैयारियां पूरी रखने का निर्देश दिया है।

इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक ने अपनी स्थापना के 9वें स्थापना दिवस पर वित्तीय समावेशन को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। देश के हर नागरिक तक आसान, सुलभ और भरोसेमंद बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने के अपने संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक ने आज अपना आठवां फाउंडेशन डे स्थापना दिवस बेहद उत्साह के साथ मनाया गया है। इस विशेष अवसर पर बैंक ने देश के दूर-दराज के इलाकों, ग्रामीण क्षेत्रों और समाज के वंचित वर्गों तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाने की अपनी यात्रा और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला है। संचार मंत्रालय के तहत डाक विभाग के पूर्ण स्वामित्व वाले इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक की स्थापना 1 सितंबर 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आपका बैंक, आपके द्वार के मूल मंत्र के साथ की गई थी। पिछले कुछ वर्षों में, बैंक ने देश के कोने-कोने में मौजूद डाकघरों और डाकियों (पोस्टमेन) के विशाल नेटवर्क का उपयोग करके पारंपरिक बैंकिंग व्यवस्था से अछूते करोड़ों नागरिकों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ा है। इस अवसर पर अपने संदेश में बैंक के प्रबंधन ने कहा, हमारा मुख्य उद्देश्य भारत के हर नागरिक के लिए बैंकिंग को सरल, सुरक्षित और किफायती बनाना है। आज जब हम अपने फाउंडेशन डे का जश्न मना रहे हैं, तो यह उन अनगिनत ग्राहकों और हमारे कर्मठ डाकियों के प्रति आभार व्यक्त करने का दिन है, जिन्होंने आपके द्वार बैंक के विजन को जमीन पर उतारा है। मुख्य उपलब्धियां और भविष्य की दिशाः डोरस्टेप बैंकिंग क्रांतिः देश भर में लाखों डाकिए माइक्रो-एटीएम और स्मार्टफोन के जरिए घर-घर जाकर खाता खोलने, नकद निकासी और बिल भुगतान जैसी सेवाएं दे रहे हैं। महिला सशक्तिकरणः ग्रामीण महिलाओं विशेषकर ग्रामीण डाक सेवकों और आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं) को वित्तीय साक्षरता और सेवाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण भागीदार बनाया गया है। डिजिटल और डीबीटी सेवाएंः सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं डी बी टी का लाभ सीधे लाभार्थियों के खातों तक पहुंचाने में बैंक ने एक बड़ी भूमिका निभाई है। फाउंडेशन दिवस के तहत देश भर की विभिन्न शाखाओं और डाकघरों में विशेष ग्राहक जागरूकता शिविर, वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम और खाता खोल अभियान आयोजित किए गए हैं। आने वाले समय में आइ पी पी बी उन्नत डिजिटल भुगतान समाधानों, बीमा, और ऋण सेवाओं को और अधिक सहज बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि देश के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को भी आधुनिक बैंकिंग का पूरा लाभ मिल सके।

दिव्यांगों को सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा दी गई ई रिक्शा

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। सामाजिक सुरक्षा विभाग अरवल द्वारा दिव्यांगजनों के बीच बैटरी चालित ई-रिक्शा का वितरण किया गया है। इस पहल से उन दिव्यांगजनों को बड़ी राहत मिली है जो शारीरिक अक्षमता के कारण घर से बाहर नहीं निकल पाते थे। ई-रिक्शा मिलने के बाद अब वे आसानी से कहीं भी आ-जा सकेंगे, जिससे वे आत्मनिर्भर बनेंगे और मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे। इस अवसर पर भाजपा बिहार प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भास्कर कुमार ने कहा कि जो घर से निकल नहीं पा रहे थे, उन्हें आज पंख दिया गया है उन्होंने कहा कि सरकार दिव्यांगों के सशक्तिकरण और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

पात्र चालानों पर 50 फीसदी तक जुमार्ने में छूट, डीटीओ कार्यालय में बनाया गया विशेष काउंटर

गया जी। राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर गया जिला परिवहन विभाग ने लंबित यातायात ई-चालानों के निपटारे की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू कर दी है। आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक पुराने मामलों का निपटारा कराने के उद्देश्य से जिला परिवहन कार्यालय में मंगलवार 1 सितंबर से चालानों का 12 सितंबर तक विशेष लोक अदालत के तहत सत्यापन किया जाएगा। वाहन मालिक अपने लंबित चालान की जानकारी प्राप्त कर उसकी त्रुटियों और अन्य समस्याओं का समाधान करा सकेंगे। बिहार परिवहन विभाग की ओर से लागू एकमुश्त यातायात चालान निपटान योजना के तहत पात्र वाहन मालिकों को बड़ी राहत दी जा रही है। योजना के तहत 31 मार्च 2026 तक के ऐसे ई-चालान जो 90 दिन या उससे अधिक समय से लंबित हैं उनमें जुमार्ने की राशि पर 50 प्रतिशत तक की छूट का प्रावधान है। इससे पुराने चालानों का निपटारा कराने वाले वाहन मालिकों को आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है। लोक अदालत के दिन जिला परिवहन कार्यालय में संभावित भीड़ को देखते हुए वाहन मालिकों को पहले से अपने चालान का सत्यापन कराने की सुविधा दी जा रही है। विशेष काउंटर पर वाहन मालिक लंबित ई-चालान की स्थिति की जांच कराने के साथ पात्र होने पर निपटान योजना का लाभ लेने की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। डीटीओ राजेश कुमार ने वाहन मालिकों से अपील की है कि वे कार्यालय आने के दौरान ड्राइविंग लाइसेंस , वाहन का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट और संबंधित चालान की प्रति साथ लेकर आएं। बताया गया कि समय रहते सत्यापन करा लेने से लोक अदालत के दिन अनावश्यक भीड़ से बचा जा सकेगा और लंबित मामलों के निपटारे में भी तेजी आएगी। परिवहन विभाग का उद्देश्य पुराने यातायात मामलों का त्वरित समाधान करने के साथ वाहन मालिकों को नियमानुसार राहत उपलब्ध कराना है। लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक लंबित चालानों का निपटारा कराने की तैयारी की जा रही है।

बिहार के बुनकरों के लिए गौरव का क्षण

गया जी के गोपाल प्रसाद पटवा एमजीआईआरआई के जनरल काउंसिल सदस्य मनोनीत

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। बिहार के बुनकरों के लिए गौरव का क्षण है। पटवाटोली, गयाजी निवासी गोपाल प्रसाद पटवा को महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगीकरण संस्थान वर्धा जो एम एस एम ई मंत्रालय, भारत सरकार का राष्ट्रीय स्वायत्त संस्थान है, के जेनरल कोंसिल का सदस्य मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन केंद्रीय एम एस एम ई मंत्री, भारत सरकार सह प्रेसिडेंट जेनरल कोंसिल एम जी आइ आर आई द्वारा 31 जुलाई 2026 से तीन वर्षों के लिए किया गया है। एम जी आई आर आई के निदेशक डॉ. आशुतोष ए. मुरकुटे ने दिनांक 27 अगस्त 26 द्वारा इसकी सूचना दी है। यह नियुक्ति ग्रामीण औद्योगीकरण से जुड़ी स्वयंसेवी संस्थाओं एवं कारीगरों के प्रतिनिधि के रूप में की गई है। जेनरल कोंसिल एम जी आईकी सर्वोच्च नीति-निर्धारक संस्था है जिसमें पूरे देश से अधिकतम 18 सदस्य होते हैं। बुनकर समाज ने दी बधाई : इस ऐतिहासिक मनोनयन पर लालजी प्रसाद, बसंत प्रसाद पान, मनोज कुमार, नेमधारी तांती, मुन्ना कुमार, मो. मोजिबुल्ला, राधा देवी, अनिल कुमार, दीपक कुमार सहित बुनकर समाज के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से कहा कि गोपाल प्रसाद पटवा पटवाटोली, बिहार के बुनकरों का गौरव हैं। उन्होंने बिहार, विशेषकर गया जी के बुनकरों को गौरवान्वित किया है। हम सभी उन्हें हृदय से बधाई और शुभकामनाएं देते हैं। पटवा ने जताया आभार : इस अवसर पर पटवा ने अपने अभिभावक जीतन राम मांझी केंद्रीय एम एस एम ई मंत्री सह सांसद, गया लोकसभा का हृदय से आभार जताते हुए कहा कि मांझी द्वारा दिया गया यह सम्मान मेरे लिए अत्यंत भावनात्मक है। यह सम्मान मेरा नहीं, गया जी के हजारों बुनकरों का सम्मान है। मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीघार्यु की कामना करता हूँ।

अनुग्रह मेमोरियल महाविद्यालय, गया में अंतर महाविद्यालय पुरुष क्रॉस कंट्री दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

गया। मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के तत्वावधान में अंतर महाविद्यालय क्रॉस कंट्री रेस टूनार्मेंट (पुरुष)-2026 का आयोजन अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज (ए.एम. कॉलेज), गया द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में मगध विश्वविद्यालय के 06 महाविद्यालयों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, शारीरिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास एवं प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बढ़ावा देना था। प्रतिभागी खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ क्रॉस कंट्री दौड़ में हिस्सा लिया तथा अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। रेस गुलेरियाचक से अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज गया तक 12 किमी तक रहा है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ नजीर अख्तर ने हरी झंडी दिखाकर क्रॉस कंट्री रेस का शुभारंभ किया है। इस प्रतियोगिता में सत्येंद्र नारायण सिंह कॉलेज, जहानाबाद विजेता तथा अनुग्रह मेमोरियल महाविद्यालय, गया उपविजेता रहा। तत्पश्चात पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया है। डॉ सरोज कुमारी, सहायक प्राध्यापिका, रसायन विभाग ने मंच संचालन किया है। प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ी को पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। विजेता के शानदार प्रदर्शन की उपस्थित लोगों ने सराहना की और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि शिक्षा के साथ खेल भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के साथ-साथ उन्हें शारीरिक एवं मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाती हैं। महाविद्यालय के खेल प्रभारी डॉ निधि त्रिपाठी प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों, निर्णायकों एवं आयोजन से जुड़े सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा खेल समन्वयक डॉ रितेश कुमार सिंह प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दीं है। इस अवसर पर डॉ मानिक मोहन शुक्ला, शिक्षा विभाग, डॉ धनेश्वर राम, मनोविज्ञान , डॉ मीनाक्षी कुमारी,डॉ अनामिका भगत,डॉ मोनिका कुमारी ,डॉ शमीमा , डॉ उत्तम कुमार गुप्ता,डॉ आलोक यादव, इत्यादि उपस्थित रहे हैं।

पुलिस महानिरीक्षक विकास वैभव के सख्त तेवर से अपराधियों में खलबली

प्रात : किरण संवाददाता

गया। मगध की धरती पर अब अपराधियों के लिए माहौल बदलता नजर आ रहा है। पुलिस महानिरीक्षक विकास वैभव की सक्रियता, सख्त निगरानी और अपराध के खिलाफ त्वरित कार्रवाई ने आपराधिक तत्वों को स्पष्ट संदेश दे दिया है कि मगध में अपराध करके बच निकलना अब आसान नहीं होगा। अपराधियों के लिए संदेश बिल्कुल साफ है अपराध करना छोड़ दो, नहीं तो मगध छोड़ दो। कानून तोड़ने वालों के खिलाफ पुलिस पूरी गंभीरता से कार्रवाई करेगी और किसी भी अपराधी को कानून के शिकंजे से बचने नहीं दिया जाएगा। पुलिस महानिरीक्षक श्री विकास वैभव के नेतृत्व में बीते तीन महीनों में अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस की सक्रियता लगातार बढ़ी है। इसका असर आम जनता के बीच भी दिखाई दे रहा है। लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है और पुलिस के प्रति विश्वास लगातार बढ़ रहा है। मगध की जनता के बीच चर्चा है कि ऐसे अधिकारी की मौजूदगी से अपराधियों में भय और आम लोगों में भरोसा पैदा होता है। अपराधियों को यह समझना होगा कि कानून से बड़ा कोई नहीं है और अपराध की राह पर चलने वालों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई से पीछे नहीं हटेगी। साथ ही, यदि कोई पुलिसकर्मी अपने कर्तव्य में लापरवाही बरतता है तो उसके विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मगध में अब अपराधियों के लिए सीधा संदेश अपराध छोड़ो, समाज की मुख्यधारा में लौटो; कानून तोड़ोगे तो कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। पुलिस महानिरीक्षक विकास वैभव की सख्ती से अपराधियों में बेचैनी, जनता में बढ़ा विश्वास मगध में कानून के इकबाल की चर्चा तेज।

गया जंक्शन पर डीडीयू मंडल की विशेष टीम ने परखी यात्री सुविधाएं

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। पितृपक्ष मेले की तैयारियों को लेकर रेलवे ने गया जंक्शन पर यात्री सुविधाओं और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की कवायद तेज कर दी है। डीडीयू रेल मंडल के डीआरएम उदय सिंह मीना के नेतृत्व में विशेष टीम ने गया जंक्शन का औचक निरीक्षण किया है। इस दौरान स्टेशन परिसर में यात्रियों के लिए उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण में डीआरएम के साथ सीनियर डीसीएम राजीव रंजन, सीनियर डीएससी दिनेश सिंह तोमर समेत विभिन्न शाखाओं के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने स्टेशन के अलग-अलग हिस्सों का निरीक्षण करते हुए पितृपक्ष मेले के दौरान बढ़ने वाली यात्रियों की भीड़ को ध्यान में रखकर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया है। इस अवसर पर सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह, मुख्य टिकट निरीक्षक (प्रशासन) आर आर सहाय, रेल कंस्ट्रक्शन विभाग के अभियंता हरि गोविंद राय, रेल कंस्ट्रक्शन कंपनी के जीएम बीके सिंह, मुख्य टिकट पर्यवेक्षक रंजीत कुमार और मुख्य आरक्षण पर्यवेक्षक मोहम्मद मसूद समेत कई अधिकारी उपस्थित थे। रेलवे अधिकारियों ने यात्री सुविधा, टिकट एवं आरक्षण व्यवस्था, सुरक्षा, साफ-सफाई और स्टेशन पर भीड़ नियंत्रण से संबंधित तैयारियों की समीक्षा की है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि मेले के दौरान देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। इधर, पूर्व मध्य रेलवे के नवपदस्थापित महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग बुधवार को गया जंक्शन पर पितृपक्ष मेले की तैयारियों की ऑनलाइन समीक्षा करेंगी। इसे लेकर रेलवे के विभिन्न विभागों ने तैयारियां और तेज कर दी हैं।

शिविर का उद्देश्य कैडेटों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास बढाना: पठानिया

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। गया जी के बाजार समिति परिसर में 27 बिहार बटालियन एनसीसी की ओर से संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। 31 अगस्त से शुरू हुआ यह प्रशिक्षण शिविर 9 सितंबर तक चलेगा। शिविर में करीब 550 एनसीसी कैडेट और 21 प्रशिक्षक भाग ले रहे हैं। कैंप का संचालन कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल भूपेश पठानिया और सूबेदार मेजर सरदारी लाल के नेतृत्व में किया जा रहा है। शिविर का उद्देश्य कैडेटों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और विभिन्न व्यावहारिक कौशल का विकास करना है। प्रशिक्षण के दौरान कैडेटों को सैन्य प्रशिक्षण के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास और टीम भावना से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी जा रही हैं। अलग-अलग सत्रों के माध्यम से कैडेटों को नेतृत्व क्षमता विकसित करने, चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में निर्णय लेने और टीम के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने के गुर सिखाए जा रहे हैं। हथियार संचालन से शारीरिक प्रशिक्षण तक, कैडेटों को मिल रहा बहुआयामी प्रशिक्षण ओरशिक्षण कैम्प के दौरान कैडेटों को वेपन हैंडलिंग, फिजिकल ट्रेनिंग सहित एनसीसी से जुड़े विभिन्न प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। शारीरिक दक्षता बढ़ाने के लिए नियमित अभ्यास कराया जा रहा है। साथ ही कैडेटों को अनुशासन, समय प्रबंधन, टीमवर्क और नेतृत्व क्षमता का महत्व समझाया जा रहा है। प्रशिक्षण शिविर में कैडेटों को विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिल रहा है, जिससे उनमें आत्मनिर्भरता और जिम्मेदारी की भावना विकसित हो। प्रशिक्षकों द्वारा कैडेटों को बेहतर प्रदर्शन के लिए मार्गदर्शन दिया जा रहा है। दस दिनों तक चलने वाले इस शिविर के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रसेवा, अनुशासन और नेतृत्व के गुण विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। एनसीसी अधिकारियों के अनुसार, इस तरह के प्रशिक्षण से कैडेटों को भविष्य में विभिन्न क्षेत्रों में जिम्मेदार भूमिका निभाने के लिए तैयार करने में मदद मिलती है।

जांच एवं उपचार-चिकित्सा आपके द्वार अभियान का शुभारंभ

प्रात: किरण संवाददाता

मोतिहारी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा आज, 02 सितंबर 2026 को गैर-संचारी रोगों एवं अन्य बीमारियों के लिए विशेष स्क्रीनिंग एवं उपचार अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर पूर्वी चम्पारण जिले में नगर निगम, मोतिहारी की महापौर प्रीति गुप्ता एवं सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में सदर अस्पताल, मोतिहारी में ह्लजांच एवं उपचारह्वचिकित्सा आपके द्वारह्व विशेष अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार ने बताया कि इस विशेष अभियान के अंतर्गत जिले में 30 वर्ष से अधिक आयु के लगभग 25 लाख लक्षित व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की जाएगी। अभियान के दौरान मधुमेह, उच्च रक्तचाप, सामान्य कैंसर, हृदय रोग, श्वसन एवं फेफड़ों से संबंधित रोग, फैटी लिवर, एनीमिया, सिफलिस सहित अन्य प्रमुख बीमारियों की जांच की जाएगी तथा संभावित रोगियों की पहचान कर उनके उपचार एवं आवश्यक फॉलो-अप की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि 02 सितंबर से 30 नवंबर 2026 तक चलने वाले इस विशेष अभियान के दौरान स्वास्थ्य उपकेंद्र से लेकर जिला अस्पताल तक निर्धारित स्वास्थ्य संस्थानों पर स्क्रीनिंग एवं उपचार की सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। अभियान के तहत जिले के सभी आशा कार्यकर्ताओं द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को जागरूक एवं प्रेरित कर आयुष्मान आरोग्य मंदिर, अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक लाया जाएगा, जहां उनकी आवश्यक जांच एवं स्क्रीनिंग की जाएगी। जांच के उपरांत संभावित रोगियों को आवश्यक उपचार एवं उच्चतर स्वास्थ्य संस्थान में रेफरल की सुविधा उपलब्ध कराने में भी सहयोग किया जाएगा। सिविल सर्जन ने बताया कि अभियान की सफलता के लिए जिले के सभी एएनएम, जीएनएम, सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी (उळड), आयुष चिकित्सक एवं चिकित्सा पदाधिकारी अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि 30 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्ति इस अभियान के दौरान अपनी स्वास्थ्य जांच अवश्य कराएं और किसी बीमारी की पहचान होने पर समय पर उपचार प्राप्त करें। नगर निगम, मोतिहारी की महापौर प्रीति गुप्ता ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि ह्लजांच एवं उपचारह्व चिकित्सा आपके द्वारह्व अभियान के तहत आयोजित स्वास्थ्य जांच एवं उपचार केंद्रों पर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपनी स्वास्थ्य जांच कराएं। उन्होंने आम लोगों से इस अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करने की भी अपील की, ताकि जिले के सभी लक्षित व्यक्तियों की स्क्रीनिंग सुनिश्चित की जा सके और संभावित रोगियों की समय पर उपचार प्रारंभ किया जा सके। उन्होंने कहा कि समय पर बीमारी की पहचान एवं उपचार से स्वस्थ एवं समृद्ध समुदाय के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। अभियान के शुभारंभ अवसर पर डॉ. शरतचंद्र शर्मा, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. मुकेश कुमार, जिला कार्यक्रम समन्वयक भारत भूषण, जिला अनुश्रवण एवं मूल्यांकन पदाधिकारी अमानुल्लाह अमन, अस्पताल प्रबंधक कौशल दुबे, आशीष कुमार, एफएलसी सहित स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

राज्यपाल सैयद अता हसनैन का मोतिहारी में भव्य स्वागत

प्रात: किरण संवाददाता

मोतिहारी, पू.चः बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन के पूर्वी चंपारण के मोतिहारी में प्रथम आगमन पर जिला प्रशासन, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने गर्मजोशी के साथ उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। राज्यपाल के आगमन को लेकर जिला प्रशासन की ओर से व्यापक तैयारियां की गई थीं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी विशेष सतर्कता बरती गई। मोतिहारी पहुंचने पर महामहिम राज्यपाल को जिला पुलिस बल की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव, पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात समेत अन्य वरीय प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर उनका औपचारिक स्वागत किया। राज्यपाल के आगमन पर परिसदन सहित विभिन्न स्थानों पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं समाजशास्त्रियों की मौजूदगी रही। सभी ने राज्यपाल का आत्मीयता के साथ स्वागत करते हुए उनके प्रथम मोतिहारी आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त की। अपने दौरे के दौरान राज्यपाल ने जिले की महत्वपूर्ण प्रशासनिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली और विभिन्न कार्यक्रमों का जायजा लिया। उनके आगमन को लेकर प्रशासनिक महकमे में विशेष सक्रियता देखने को मिली। अधिकारियों ने जिले से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों एवं कार्यक्रमों की जानकारी महामहिम को दी। राज्यपाल के दौरे को लेकर शहर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी लगातार व्यवस्था की निगरानी करते रहे। राज्यपाल के प्रथम मोतिहारी आगमन को लेकर स्थानीय लोगों में भी उत्साह का माहौल रहा।

संक्षिप्त खबरें

नेपाल में बाढ़ से 1,127 लोगों की मौत, 4,858 अब भी लापता

बगहा। नेपाल में 26 अगस्त को आई भीषण बाढ़ के बाद हालात लगातार गंभीर बने हुए हैं। बुधवार को पुलिस के अनुसार बाढ़ और इससे जुड़ी आपदा में मृतकों की संख्या बढ़कर 1,127 हो गई है, जबकि 4,858 लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। आपदा के बाद प्रभावित इलाकों में खोज एवं राहत अभियान लगातार जारी है। कई स्थानों पर सड़क, पुल और अन्य बुनियादी ढांचे के क्षतिग्रस्त होने के कारण राहत दलों को दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचने में परेशानी हो रही है। हाइड्रोपावर परियोजनाओं की सुरंगों में फंसे लोगों की तलाश भी अभियान का प्रमुख हिस्सा बनी हुई है। नेपाल के विदेश मंत्रालय के अनुसार, अब तक 324 विदेशी नागरिकों को सुरक्षित निकाला जा चुका है, जबकि करीब 590 विदेशी नागरिकों के बारे में अभी जानकारी नहीं मिल सकी है। कुछ लापता विदेशी पर्यटकों के सुरक्षित होने की सूचना मिलने से राहत की उम्मीद भी जगी है। बाढ़ के बाद शवों की पहचान के लिए नेपाल में उ्ढअ जांच की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। प्रभावित परिवार अपने लापता परिजनों की पहचान के लिए नमूने दे रहे हैं। नेपाल सरकार के सामने अब राहत के साथ-साथ बड़े पैमाने पर पुनर्वास और पुनर्निर्माण की चुनौती है। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने आपदा के बाद पुनर्वास और पुनर्निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही है।

अवैध नर्सिंग होम व जांच केंद्रों पर स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी

बगहा। (नसीम खान क्या) सिविल सर्जन बेतिया के निर्देश पर बुधवार को बगहा-1 क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित नर्सिंग होम और जांच केंद्रों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जांच अभियान चलाया। टीम ने विभिन्न संस्थानों में पहुंचकर पंजीकरण, लाइसेंस, आवश्यक दस्तावेज और संचालन से संबंधित कागजात की जांच की। कार्रवाई की सूचना मिलते ही कई संचालकों में हड़कंप मच गया। कुछ संस्थानों में ताला बंद मिला और संचालक मौके से फरार पाए गए। अभियान के दौरान करीब आधा दर्जन जांच केंद्रों और स्वास्थ्य संस्थानों का निरीक्षण किया गया। जांच टीम में शामिल पतिलार स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉ. आशु कुमार ने बताया कि बगहा-1 क्षेत्र के सभी नर्सिंग होम और जांच घरों की जांच की जा रही है। नियमों के विपरीत या बिना वैध पंजीकरण के संचालित संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि खुशी डायग्नोस्टिक सेंटर के दस्तावेज सही पाए गए हैं।

अब घर-घर पहुंचेगा स्वास्थ्य विभाग, गंभीर बीमारियों की होगी स्क्रीनिंग

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। गंभीर एवं गैर-संचारी रोगों की समय पर पहचान, जांच और उपचार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार, 2 सितंबर से बगहा अनुमंडल में ह्यजांच एवं उपचार चिकित्सा आपके द्वारह्व विशेष अभियान की शुरूआत हुई। अभियान का शुभारंभ बगहा अनुमंडलीय अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम से किया गया। राज्यस्तरीय शुभारंभ मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार की ऑनलाइन मौजूदगी में किया। कार्यक्रम में अनुमंडलीय अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक डॉ. अशोक कुमार तिवारी, बगहा विधायक राम सिंह, वाल्मीकिनगर विधायक सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा, समाजसेवी एवं स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे। अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर पहुंचकर लोगों की स्वास्थ्य जांच और स्क्रीनिंग करेंगी। आशा कार्यकर्ता, आशा फैसिलिटेटर और एएनएम को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। अभियान में 30 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों की स्क्रीनिंग पर विशेष जोर रहेगा। इसके तहत उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, कैंसर, गैर-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज और सीओपीडी जैसी गैर-संचारी बीमारियों की शुरूआती पहचान की जाएगी। यह अभियान 30 नवंबर 2026 तक चलेगा। विधायकों ने अभियान की सराहना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों के घर तक पहुंचाना और बीमारी की समय रहते पहचान करना सरकार की महत्वपूर्ण पहल है।

दिल्ली नंबर की इंडिका से पकड़ा गया 500 लीटर देसी शराब का जखीरा

प्रात: किरण संवाददाता

हरसिद्धि। जिला के पुलिस कप्तान स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत हरसिद्धि पुलिस ने भादा पंचायत के दामोवृति गांव से एक बड़ी मात्रा में देसी चुलाई शराब जब्त की है। गुप्त सूचना मिलने पर हरसिद्धि थाना अध्यक्ष सुनील कुमार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तुरंत एक पुलिस टीम बनाई और मौके पर छापेमारी कर इंडिका कार के अंदर रखी 10 बोरे में कुल 500 लीटर शराब बरामद कर लिया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि कार्रवाई में शराब व वाहन दोनों को जब्त कर लिया गया है। वाहन का रजिस्ट्रेशन दिल्ली का बताया जा रहा है–ऊ्छ 3उउउ 3983–और पुलिस ने शराब कारोबारी की पहचान भी कर ली है। मामले में संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच व कानूनी कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी के दौरान अपर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार, सिपाही फूल कुमार महलदार, तफसीर आलम एवं अन्य पुलिस कर्मी मौके पर मौजूद थे। पुलिस जब्ती की गई शराब के स्रोत और सप्लाई चैन की तह तक पहुंचने के लिए लगातार छानबीन जारी है।

दो जगह पहुंचा मगरमच्छ, वन विभाग की टीम ने किया सुरक्षित रेस्क्यू

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। पिपरासी थाना क्षेत्र के मनियां छापर दलित बस्ती में बुधवार देर रात गंडक नदी से निकलकर एक मगरमच्छ ग्रामीण ईश्वर चंद्र भारती के घर के पास पहुंच गया। मगरमच्छ को देखते ही उन्होंने शोर मचाकर ग्रामीणों को जानकारी दी। सूचना पर पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद मगरमच्छ को सुरक्षित रेस्क्यू किया। वहीं, 2 सितंबर को बगहा प्रखंड के सबिया गांव स्थित नम्रता चिमनी से भी एक मगरमच्छ का रेस्क्यू किया गया। दोनों घटनाएं अलग-अलग स्थानों की थीं, लेकिन वन विभाग की एक ही रेस्क्यू टीम ने दोनों मगरमच्छों को सुरक्षित पकड़कर गंडक नदी में छोड़ दिया। बगहा रेंज ऑफिसर श्रीमान मालाकार ने बताया कि मनियां छापर में रात करीब एक बजे मगरमच्छ के पहुंचने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम को भेजा गया। सुबह टीम ने मगरमच्छ को सुरक्षित रेस्क्यू किया। इसके बाद सबिया गांव में भी टीम ने मगरमच्छ का रेस्क्यू किया। रेस्क्यू अभियान रेंज ऑफिसर श्रीमान मालाकार के नेतृत्व में वनरक्षी विक्की कुमार तथा पशुरक्षक लक्ष्मण राम, विजय कुमार पासवान, चंद्रशेखर कुमार समेत अन्य कर्मियों ने चलाया। रेंजर ने बताया कि दोनों मगरमच्छों को सुरक्षित उनके प्राकृतिक आवास गंडक नदी में छोड़ दिया गया।

12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत, लंबित यातायात चालानों के निपटारे पर विशेष जोर

मोतिहारी पु.च. आगामी 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता एवं प्रभावी संचालन को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के सचिव नितिन त्रिपाठी के कक्ष में बुधवार को महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पुनीत कुमार तिवारी ने की।बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यपालक पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान विशेष रूप से लंबित यातायात चालानों के अधिक से अधिक मामलों के निपटारे पर जोर दिया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी निबेदिता कुमारी को तीन माह पुराने लंबित यातायात चालानों को चिह्नित कर अधिक से अधिक मामलों का निष्पादन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया।राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार को लेकर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ज्ञानेश्वर कुमार को प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया सहित पोस्टर-बैनर और अन्य माध्यमों का प्रभावी उपयोग करने का निर्देश दिया गया, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक लोक अदालत की जानकारी पहुंच सके। बैठक में वन विभाग, विधिक माप-विज्ञान (बाट एवं माप) विभाग तथा श्रम विभाग के पदाधिकारियों को भी अपने-अपने विभाग से संबंधित समझौतायोग्य मामलों को चिह्नित कर 12 सितंबर को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में त्वरित निष्पादन की कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।यातायात चालान में 50 प्रतिशत तक की छूट का लाभ जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से आम लोगों से अपील की गई है कि वे अपने लंबित यातायात चालान के निपटारे के लिए बड़ी संख्या में महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में पहुंचें। पात्र मामलों में एकमुश्त निपटान के तहत चालान की राशि में 50 प्रतिशत तक की कमी का लाभ मिल सकता है।राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से मामलों का सौहार्दपूर्ण, त्वरित और कम खर्च में निपटारा कराया जा सकता है। प्राधिकार ने आम नागरिकों से इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है।

अवैध नर्सिंग होम में ऑपरेशन के दौरान 22 वर्षीय महिला की मौत

प्रात: किरण संवाददाता

सुगौली, पू.चः थाना क्षेत्र के बस स्टैंड रोड स्थित स्टेशन रोड में संचालित एक कथित अवैध नर्सिंग होम में ऑपरेशन के दौरान 22 वर्षीय महिला की मौत का मामला सामने आया है। घटना को लेकर मृतका के पति ओमप्रकाश सहनी, पिता रामाशीष सहनी, निवासी हाता पोस्ट रघुनाथपुर थाना सुगौली ने थाने में आवेदन देकर दो लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और न्याय की गुहार लगाई है। थाने में दिए आवेदन में ओमप्रकाश सहनी ने बताया कि उनकी पत्नी चंदा देवी (22) का बच्चेदानी का ऑपरेशन श्वेता स्वास्थ्य इमरजेंसी हॉस्पिटल में कराया गया था। आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान बिंदु देवी, पति ब्रजकिशोर गुप्ता, ब्रजकिशोर गुप्ता, पिता शंभू शाह, ग्राम विशुनपुर श्रीपुर तथा अन्य अज्ञात स्टाफ द्वारा ऑपरेशन किया गया। मृतका के पति का आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान कथित रूप से लापरवाही एवं गलत तरीके से उपचार किए जाने के कारण उनकी पत्नी की हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मृतका के पति ने पुलिस को आवेदन देकर संबंधित लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। मामले में पुलिस की जांच के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

एक दिवसीय जॉब कैंप सह कैरियर मार्गदर्शन कैम्प का आयोजन

मोतिहारी जिला नियोजनालय के कैंपस में अ 07.09.2026 को प्रातः 11:00 बजे एक दिवसीय जॉब कैंप सह कैरियर मार्गदर्शन कैम्प का आयोजन किया जा रहा है इस जॉब कैम्प में श्री ओम ऑटोमोटिव्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा भाग लिया जाएगा और अभ्यर्थियों का चयन सर्विस सुपरवाइजर पद के लिए किया जाएगा। विभिन्न पदों के लिए योग्यता 10 वीं पास एवं आई टी आई आवश्यक है, उम्र पुरुष 18-32 वर्ष निर्धारित है। जॉब का कार्यस्थल पूर्वी चम्पारण जिला में होगा और मानदेय इंटरव्यू के आधार पर निर्धारित किया जाएगा। साथ ही साथ अन्य सुविधाएं भी दी जाएगी जैसे इंसेंटिव,पीएफ,मेडिकल इस जॉब कैंप मे कुल - 10 रिक्त पदों पर भर्ती किया जाना है।अभ्यर्थी अपने रिज्यूम बॉयोडाटा, मूल प्रमाणपत्रों, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक, फोटो के साथ जिला नियोजनालय के कैंपस में रोजगार कैम्प में प्रातः 11:00 उपस्थित हो सकते हैं।

टेली लॉ योजना को लेकर ग्रामीणों को किया गया जागरूक

सुगौली। प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक कार्यकर्ता सह स्वयंसेवक अवधेश कुमार गुप्ता ने सरकारी योजनाओं का लाभ जन जन तक पहुँचाने के लिये जागरूकता अभियान का आयोजन किया। ग्रामीणों को जागरूक करते हुए स्वयंसेवक अवधेश कुमार गुप्ता ने कहा कि इस जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराना है। सरकारी योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को जागरूक करते हुए, केन्द्र प्रायोजित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधी योजना, टेली लॉ कानूनी सहायता योजना, प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, मुख्यमंत्री बृद्धजन पेंशन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, ई श्रम कार्ड, शौचालय प्रोत्साहन योजना तथा राज्य प्रायोजित मुख्यमंत्री साइकिल योजना, मुख्यमंत्री पोशाक योजना, मुख्यमंत्री निःशक्त पेंशन योजना, मुख्यमंत्री बालिका साईकिल योजना, स्टूडेंट्स क्रेडिट कार्ड, बिहार प्रतिकर योजना, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, मुख्यमंत्री उद्यमि योजना, पशुपालन सहित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अपने देश व मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में अपने राज्य का काफी विकास काफी हो रहा है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के संबंध में उन्होंने कहा कि इस योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को पाँच लाख रुपये के हेल्थ बीमा का लाभ मिलता है। उन्होंने कहा कि अब किसी भी गरीब को गंभीर बीमारी की स्थिति में ईलाज कराने में होने वाले खर्च के बारे में सोचने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों का ख्याल करते हुए सभी को आयुष्मान हेल्थ कार्ड से जोड़ने की शुरूआत की है। उन्होंने कहा कि आप सभी लोग आयुष्मान हेल्थ कार्ड का लाभ उठायें एवं अपने आसपास के लोगों को भी लाभ उठाने के लिए प्रेरित करें। इसके साथ ही उन्होंने पशुपालन से मिलने वाली लाभ की महत्वपूर्ण जानकारी दी तथा सभी को मछली पालन, बकरी पालन व गाय पालन पर जोर देने की बात कही।

भारत ने नेपाल भेजा पांचवां राहत विमान, 5.5 टन दवाएं और बचाव दल रवाना: नेपाल सूत्र

बगहा। नेपाल में आई भीषण बाढ़ के बाद राहत और बचाव अभियान के लिए भारत ने बुधवार को पांचवां राहत विमान नेपाल रवाना किया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बताया कि विमान में 11 सदस्यीय विशेष बचाव दल, अत्याधुनिक उपकरण और 5.5 टन आवश्यक दवाएं भेजी गई हैं। भारत की यह सहायता नेपाल में जारी मानवीय संकट के बीच भेजी गई है। बाढ़ के बाद अब तक नेपाल में 1,127 लोगों की मौत की सूचना है। राहत दल दूरदराज के प्रभावित क्षेत्रों और जलविद्युत परियोजनाओं की सुरंगों में बचाव अभियान चला रहे हैं। नवीनतम खेप के साथ भारत की ओर से नेपाल को अब तक करीब 68.5 टन राहत सामग्री उपलब्ध कराई जा चुकी है। इसमें दवाओं के साथ चिकित्सकीय, बचाव और तकनीकी सहायता भी शामिल है। भारत की ओर से भेजी जा रही सहायता ह्यनेबरहुड फर्स्टह्व नीति और मानवीय आपदा राहत अभियान के तहत है। नेपाल में फंसे लोगों की तलाश और घायलों को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए भारतीय टीमें नेपाली एजेंसियों के साथ समन्वय कर रही हैं।

रसुवा बाढ़ी: पोखरा लाए गए 102 शवों में 76 की पहचान नहीं, सुरक्षित प्रबंधन

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल के रसुवा जिले में भोटेकोशी नदी में आई भीषण बाढ़ के बाद विभिन्न स्थानों से बरामद कर पोखरा लाए गए 102 शवों में से 21 शवों की पहचान कर परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं पहचान नहीं हो पाने वाले 76 शवों को पोखरा महानगरपालिका-16 स्थित सिसौघारी वन क्षेत्र में वैज्ञानिक और सुरक्षित तरीके से जमीन के नीचे प्रबंधित किया गया है। प्रशासन के अनुसार शवों के पोस्टमार्टम के साथ डीएनए नमूने भी सुरक्षित रखे गए हैं। प्रत्येक शव को पहचान संख्या देकर सुरक्षित स्थान पर रखा गया है, ताकि भविष्य में डीएनए मिलान के माध्यम से पहचान होने पर अवशेष संबंधित परिवार को सौंपे जा सकें। पांच शव अभी भी पोखरा के शवगृह में रखे गए हैं, जिनकी पहचान के लिए अतिरिक्त जांच की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक लंबे समय तक शवगृह में शव रखने से स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ने की आशंका को देखते हुए कानूनी और वैज्ञानिक प्रक्रिया पूरी कर अज्ञात शवों का सुरक्षित प्रबंधन किया गया है।

रानीनगर में निःशुल्क नेत्र शिविर

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। रानीनगर स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में मंगलवार को निःशुल्क आंख जांच एवं मोतियाबिंद शल्यक्रिया शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन समन्वय मनोज यादव व तकनीकी सहायक डॉ मनोहर न्योपने ने बुटवल लायंस आई हॉस्पिटल के सहयोग से एम्बिशन युवा क्लब, रानीनगर द्वारा किया गया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने मरीजों की आंखों की जांच की। आयोजकों के अनुसार, शिविर में करीब 250 मरीजों की जांच की गई। जांच के दौरान मोतियाबिंद पाए जाने वाले 65 मरीजों का निःशुल्क ऑपरेशन किया गया। मरीजों को आवश्यक दवाएं भी उपलब्ध कराई गईं।

नेपाल बाढ़ पीड़ितों की पहचान के लिए शुरू हुआ डीएनए मिलान

बगहा। नेपाल में 26 अगस्त को आई विनाशकारी भोटेकोशी बाढ़ के बाद बरामद शवों की पहचान के लिए DNA जांच का काम तेज कर दिया गया है। भारत की 19 सदस्यीय फोरेंसिक टीम ने नेपाली विशेषज्ञों के साथ मिलकर उ्ढअ नमूनों का विश्लेषण शुरू कर दिया है। जांच नेपाल पुलिस की केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला और खुमलटार स्थित राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला में की जा रही है। नेपाल पुलिस के अनुसार अब तक 1,068 शव बरामद किए जा चुके हैं, जिनमें करीब 400 अवशेष आंशिक अवस्था में हैं, जिससे पहचान में कठिनाई हो रही है। वहीं 4,606 लोग अभी भी लापता बताए गए हैं, जिनमें 583 विदेशी नागरिक शामिल हैं।

त्रिशूली-3ए हाइड्रोपावर की सुरंग में फंसे 40 से अधिक श्रमिकों की तलाश जारी

बगहा। नेपाल में पिछले सप्ताह आई विनाशकारी बाढ़ के बाद त्रिशूली-3ए हाइड्रोपावर परियोजना की भूमिगत पावरहाउस में फंसे करीब 42 श्रमिकों को निकालने के लिए बचाव अभियान जारी है। मलबे, कीचड़ और पानी के कारण बचाव दल अब तक पावरहाउस तक नहीं पहुंच सके हैं। नेपाल सेना और तकनीकी विशेषज्ञ सुरंग तक पहुंच बनाने के लिए खुदाई और ड्रिलिंग कर रहे हैं। भारतीय, चीनी और दक्षिण कोरियाई विशेषज्ञ भी अलग-अलग जलविद्युत परियोजनाओं में बचाव अभियान में सहयोग कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार त्रिशूली-3ए में फंसे लोगों तक पहुंचने के लिए सुरंग से मलबा हटाया जा रहा है और पानी निकालने का प्रयास किया जा रहा है। परिजनों ने बचाव अभियान तेज करने की मांग की है। बाढ़ से नेपाल के कई जलविद्युत परियोजना क्षेत्र प्रभावित हुए हैं और सैकड़ों श्रमिकों के अब भी लापता होने की सूचना है। राहत एवं बचाव दलों के सामने दुर्गम पहाड़ी इलाकों और क्षतिग्रस्त संपर्क मार्गों के कारण बड़ी चुनौती बनी हुई है।

अतिशीघ्र संरक्षक मंडल व अधिकृत पदाधिकारियों की बुलाई जाएगी बैठक

संगठन की गरिमा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, बिना अधिकृत बैठक खुद को संयोजक घोषित करना सामाजिक व्यवस्था का खुला उल्लंघन: डॉ. वरुण

- संगठन के प्रदेश संयोजक डॉ. वरुण कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दावों को पूरी तरह भ्रामक, मनगढ़ंत और आधारहीन बताते हुए कड़ी आपत्ति दर्ज कराई
- आधिकारिक सूचना केवल अधिकृत पदाधिकारियों द्वारा ही सार्वजनिक की जाएगी

पटना। अखिल भारतीय सूडी (वैश्य) संगठन के नाम पर कुछ व्यक्तियों द्वारा अनधिकृत बैठक आयोजित कर पदों की घोषणा करने का मामला तूल पकड़ चुका है। संगठन के प्रदेश संयोजक डॉ. वरुण कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इन दावों को पूरी तरह भ्रामक, मनगढ़ंत और आधारहीन बताते हुए कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। डॉ. वरुण कुमार ने स्पष्ट किया कि संगठन द्वारा कोई भी आधिकारिक बैठक या नई नियुक्ति नहीं की गई है। उन्होंने कहा, किसी व्यक्ति द्वारा निजी स्तर पर खुद को पदधारक या संयोजक घोषित कर देना पूरी तरह अनुचित है। संगठन किसी भी स्वयंभू घोषणा को मान्यता नहीं देता। उन्होंने आगे बताया कि जल्द ही संरक्षक मंडल और वरिष्ठ पदाधिकारियों की अधिकृत बैठक बुलाकर सर्वसम्मति से संगठनात्मक निर्णय लिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि 31 अगस्त को पटना के आशियाना-दीघा क्षेत्र में समाज के कुछ लोगों ने अखिल भारतीय सुढ़ी (वैश्य) संगठन एक बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें 4 अक्टूबर को होने वाले कार्यक्रम और पदाधिकारियों की घोषणा का दावा किया गया था। बैठक 30 से 35 लोग शामिल थे हालाँकि, इस बैठक में उपस्थित अरुण कुमार साह ने अपना समर्थन नहीं दिया था। कथित बैठक का हवाला देकर प्रहलाद पूर्वे को संयोजक बनाए जाने की बात कही गई है, संगठन के अनुसार उसमें शामिल बताए जा रहे कोशी के सुनील नायक, मुंगेर के अनिल वैद्य और भागलपुर प्रमंडल के दिगंबर मंडल संयोजकों ने भी इस दावे का स्पष्ट खंडन किया है। सह-संयोजक सुनील गड़ाई और चितरंजन महतो ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों से समाज को बांटने का प्रयास करने वाले तत्वों को आगे भी सफलता नहीं मिलेगी। 8 जून 2025 के ऐतिहासिक सामाजिक एकता कार्यक्रम ने साबित कर दिया है कि समाज पूरी तरह एकजुट है। प्रदेश प्रवक्ता पप्पू कुमार नायक और कोषाध्यक्ष विष्णु कुमार ने कहा कि समाज किसी की निजी जागीर नहीं है। पद की लालसा और निजी स्वार्थ के लिए संगठन की प्रतिष्ठा को दांव पर लगाने वालों को बेनकाब किया जाएगा। संगठन ने समाज के बुद्धिजीवियों एवं सदस्यों से अपील की है कि वे ऐसी अनधिकृत सूचना पर विश्वास न करें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा रखें।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने रामगढ़ा गांव से वारंटी को किया गिरफ्तार

सीवान/दरौंदा थाना पुलिस ने बुधवार को रामगढ़ा गांव में छापेमारी कर एक वारंटी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार वारंटी की पहचान रामगढ़ा निवासी भोला नट के रूप में हुई है।थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने बताया कि भोला नट की पुलिस को तलाश थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने रामगढ़ा गांव में छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद गिरफ्तार वारंटी को बुधवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

रतनपुरा में 5 सितंबर को होगी अनुमंडल स्तरीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता

सीवान/दारौंदा रतनपुरा में आगामी 5 सितंबर को अनुमंडल स्तरीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन रतनपुरा की जनता के सहयोग से किया जा रहा है, जबकि रूरली स्माइल फाउंडेशन की ओर से इसे प्रायोजित किया गया है।आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता में कक्षा सातवीं से दसवीं तक के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। प्रथम पाली में कक्षा सातवीं से आठवीं तथा द्वितीय पाली में कक्षा नौवीं से दसवीं के विद्यार्थी शामिल होंगे। परीक्षा में जीके एवं जीएस विषय से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 9:30 से 10:30 बजे तथा दूसरी पाली की परीक्षा 10:30 से 11:30 बजे तक होगी।आयोजकों ने विद्यार्थियों से अधिक संख्या में प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने की अपील की है।

करसौत पैक्स के नवनिर्वाचित सदस्यों को मिला प्रमाण पत्र

सीवान/दरौंदा प्रखंड के करसौत पैक्स के नवनिर्वाचित सदस्यों को बुधवार को निर्वाचन पदाधिकारी सह बीडीओ शिम्पी कुमारी ने प्रमाण पत्र प्रदान किया। प्रमाण पत्र प्राप्त करने वालों में अनूप कुमार सिंह उर्फ मुरारी सिंह, रामजनम यादव, प्रमोद सिंह, नीतीश मांझी, पूनम देवी एवं माया देवी शामिल हैं। निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को प्रमाण पत्र सौंपते हुए उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रमाण पत्र मिलने के बाद नवनिर्वाचित सदस्यों में खुशी का माहौल रहा।

अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय में 300 छात्र-छात्राओं के लिए शुरू हुई दीदी की रसोई

पटना। नालंदा के बिहारशरीफ शहर स्थित अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत लगभग 300 छात्र-छात्राओं को शुद्ध, पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बुधवार को बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समितिझजी-विका की ओर से दीदी की रसोई का भव्य शुभारंभ किया गया।दीदी की रसोई का उद्घाटन बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने किया।इस अवसर पर नालंदा के सांसद कौशलेन्द्र कुमार और उप विकास आयुक्त सारा अशरफ बतौर अतिथि उपस्थित रहीं। इस रसोई के संचालन की जिम्मेदारी जीविका से जुड़ी महिलाओं को सौंपी गई है। रसोई में लगभग 12 जीविका दीदियां भोजन तैयार करने से लेकर छात्र-छात्राओं को भोजन परोसने एवं खिलाने तक की जिम्मेदारी संभालेंगी। वहीं, लगभग 8 जीविका दीदियां साफ-सफाई एवं स्वच्छता संबंधी कार्यों का दायित्व निभाएंगी। दीदी की रसोई के माध्यम से जहां आवासीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं को स्वच्छ वातावरण में पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध होगा, वहीं जीविका से जुड़ी महिलाओं को सम्मानजनक आजीविका एवं आर्थिक सशक्तीकरण का अवसर भी प्राप्त होगा। मंत्री श्री कुमार ने रसोई में कार्यरत सभी जीविका दीदियों से संवाद किया और उन्हें अपने कार्य में दक्षता हासिल करते हुए साफ सफाई और भोजन की गुणवत्ता को बनाए रखने का निर्देश दिया। साथ ही उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए शुभकामनाएं दी।

4 बिहार बटालियन एनसीसी का वार्षिक निरीक्षण सम्पन्न ब्रिगेडियर अरुण उनियाल ने कैडेटों को किया सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर/भागलपुर। 4 बिहार बटालियन एनसीसी, भागलपुर में मंगलवार को भागलपुर ग्रुप के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर अरुण उनियाल का वार्षिक निरीक्षण सम्पन्न हुआ। बटालियन परिसर में आगमन पर एनसीसी कैडेटों द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान कर सम्मानित किया गया। वार्षिक निरीक्षण के दौरान ब्रिगेडियर अरुण उनियाल ने बटालियन की प्रशिक्षण व्यवस्था, प्रशासनिक गतिविधियों, अनुशासन तथा कैडेटों के प्रदर्शन का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों का जायजा लेते हुए कैडेटों से संवाद भी किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विशेष रूप से शारीरिक प्रशिक्षण एवं कैडेटों के प्रशिक्षण पर दिए जा रहे जोर की सराहना की। निरीक्षण के उपरांत निरीक्षण पुस्तिका में अपनी टिप्पणी दर्ज करते हुए ग्रुप कमांडर ने यूनिट को पूर्णतः कार्यशील एवं प्रभावी ढंग से संचालित बताया तथा प्रशिक्षण व्यवस्था की प्रशंसा की। उन्होंने विशेष रूप से फिजिकल ट्रेनिंग एवं प्रशिक्षण गतिविधियों पर दिए जा रहे जोर को सराहनीय बताते हुए वेल डन एंड किपअप इटअप की भावना के साथ बटालियन के अधिकारियों एवं स्टाफ का उत्साहवर्धन किया।इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य एवं अनुशासन के लिए पाँच एनसीसी कैडेटों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इनमें एच.एस. कॉलेज, हवेली खड़गपुर की कोमल जूली, बी.एल.एस. कॉलेज, नौगछिया के सार्जेंट प्रदीप कुमार, टी. एन.बी. कॉलेजिएट, भागलपुर के अमित कुमार तथा हाई स्कूल सैदपुर की कैडेट अनुश्री सहित पाँच कैडेट शामिल रहे।

ब्रिगेडियर अरुण उनियाल ने पुरस्कृत कैडेटों के अनुशासन, परिश्रम एवं उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने 4 बिहार बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल विकास मंडल के नेतृत्व में बटालियन द्वारा किए जा रहे कार्यों की विशेष सराहना की। उन्होंने कैडेटों के प्रशिक्षण, अनुशासन एवं सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों को प्रशंसनीय बताया। साथ ही बटालियन के कार्यों में सक्रिय सहयोग एवं समन्वय के लिए सूबेदार मेजर सीतल सिंह की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि एनसीसी के माध्यम से युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व, आत्मविश्वास, कर्तव्यनिष्ठा एवं राष्ट्र सेवा की भावना विकसित होती है। कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट कर्नल विकास मंडल, सूबेदार मेजर सीतल सिंह, एच. एस. कॉलेज की एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. प्रियंवदा शर्मा, टी.एन.बी. कॉलेजिएट के एएनओ अमृत कुमार, हाई स्कूल सैदपुर के एएनओ अखिलेश कुमार, सूबेदार पी.के. गौड़ा, सूबेदार जगदीप सिंह, सूबेदार बाबूलाल यादव, नायब सूबेदार लखविंदर सिंह, नायब सूबेदार सुनील कुमार, बीएचएम रंजीत सिंह, सीएचएम मुखिया यादव, सीएचएम दलवाड़ा सिंह, सीएचएम दीपक घर्ती, सीएचएम राम संजीवन, हवलदार मंदीप सिंह, हवलदार मोहन सिंह, हवलदार प्रदीप कुमार एवं नायक मंदीप सिंह सहित समस्त सिविल स्टाफ एवं एनसीसी कैडेट उपस्थित रहे।वार्षिक निरीक्षण के दौरान कैडेटों ने अनुशासन, उत्साह एवं उत्कृष्ट प्रशिक्षण का परिचय दिया। ब्रिगेडियर अरुण उनियाल की सकारात्मक निरीक्षण टिप्पणी ने 4 बिहार बटालियन एनसीसी के अधिकारियों, स्टाफ एवं कैडेटों का उत्साह बढ़ाया।

पागल भैंसे का आतंक, दर्जनों ग्रामीणों को पटककर किया घायल

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। मुंगेर जिले के हवेली खड़गपुर प्रखंड अंतर्गत गंगटा पंचायत के लौढ़िया गांव में एक हमलावर भैंसे के आतंक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले कई दिनों से उग्र हुए भैंसे ने अब तक करीब एक दर्जन लोगों और कई मवेशियों को पटककर घायल कर दिया है। भैंसे के आतंक के कारण किसान और पशुपालक खेत एवं बथान जाने से कतरा रहे हैं।वहीं बच्चे भी स्कूल और ट्यूशन जाने में भयभीत हैं। ग्रामीणों ने बताया कि भैंसा राह चलते लोगों और बाइक सवारों पर अचानक हमला कर देता है।

कई राहगीर इसके हमले में घायल हो चुके हैं। इतना ही नहीं, भैंसा कई बार घरों में घुसकर सामान को नुकसान भी पहुंचा चुका है।बुधवार को भैंसे को सड़क पर विचरण करते देख ग्रामीण सड़क के दोनों ओर डरे-सहमे खड़े नजर आए। हमले में किशुन यादव की कमर की हड्डी टूटी ग्रामीणों के मुताबिक, कुछ दिन पूर्व भैंसे के हमले में किशुन यादव गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हमले में उनकी कमर की हड्डी टूट गई। वहीं रक्षा बंधन के दिन राखी बांधने जा रहे एक परिवार की बाइक को भैंसे ने पटक दिया, जिससे बाइक सवार पति-पत्नी और उनका बच्चा घायल हो गए।

शपशुपालकों ने बताया कि भैंसे का व्यवहार अचानक काफी आक्रामक हो गया है। वह बथान में बंधे तथा खेतों में चर रहे मवेशियों पर भी हमला कर उन्हें घायल कर रहा है। इससे पशुपालकों में भी भय व्याप्त है।

भैंसे को पकड़ने और सुरक्षित स्थान पर हटाने के लिए ग्रामीणों ने वन विभाग और पशुपालन विभाग को सूचना दी है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई करते हुए भैंसे का रेस्क्यू कराने की मांग की है, ताकि किसी बड़ी घटना को रोका जा सके। वहीं वन विभाग के कर्मियों का कहना है कि भैंसा पालतू पशु की श्रेणी में आता है, इसलिए उसका रेस्क्यू वन विभाग के कार्यक्षेत्र में नहीं है। विभाग की ओर से मामले की जानकारी पशुपालन विभाग को दिए जाने की बात कही गई है।

कांग्रेस संगठन की मजबूती को लेकर बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान/दरौंदा कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष आनंद तिवारी के आवास पर कांग्रेस पूर्वी जिला महाराजगंज की बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष आनंद तिवारी ने की। बैठक में महाराजगंज विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी राजकिशोर गुप्ता, महागठबंधन महाराजगंज के प्रखंड अध्यक्ष चंदन कुमार, मुन्ना राय, उमेश मिश्रा, मुन्ना मिश्रा, गोल्डी, बंगाली यादव सहित साइक्लो युवा मोर्चा के कार्यकर्ता शामिल हुए।

बैठक में कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, कार्यकताओं को सक्रिय करने और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। नेताओं ने कार्यकताओं से आपसी समन्वय के साथ संगठन को मजबूत बनाने में जुटने का आह्वान किया।

प्रसव के बाद अवैध राशि मांगने के आरोप में छह स्वास्थ्यकर्मियों से स्पष्टीकरण

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान/दारौंदा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दारौंदा में प्रसव के बाद मरीज के अभिभावक से कथित रूप से अवैध राशि मांगने का मामला सामने आया है। मामले से संबंधित एक वीडियो कार्यालय को प्राप्त होने के बाद प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने छह स्वास्थ्यकर्मियों से स्पष्टीकरण मांगा है।

पत्रांक 336, दिनांक 31 अगस्त 2026 के तहत जीएनएम संगीता कुमारी, स्टाफ नर्स सबीता कुमारी, एएनएम अनिता कुमारी, ममता कार्यकर्ता प्रेम कुमारी व सुरसती देवी तथा सफाईकर्मी कोशिला देवी को नोटिस जारी किया गया है।

नोटिस में कहा गया है कि शिशु के प्रसव के बाद मरीज के अभिभावक से कथित रूप से अवैध राशि मांगने का वीडियो प्राप्त हुआ है, जो अनुचित है।

सभी संबंधित कर्मियों को दो दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। पत्र में चेतावनी दी गई है कि स्पष्टीकरण असंतोषजनक पाए जाने पर विभागीय कार्रवाई के लिए उच्चाधिकारी से अनुशंसा की जाएगी। मामले की सूचना सिवान के सिविल सर्जन-सह-सीएमओ को भी भेजी गई है।

मय पंचायत के सहयोग शिविर में 173 आवेदन पुनर्स्थापना के साथ-साथ मरम्मती का बाट जो रहा चौरा नदी पर बनाए गए मिनी चेक डैम जलस्रोत

■ **लगभग 22 वर्ष पहले सिंचाई की दृष्टिकोण से कराया गया था इस जलस्रोत का निर्माण।**

तारापुर (मुंगेर)। तारापुर संग्रामपुर एस एच -22 से सटे धौनी गांव के समीप बदुआ जलाशय से निकली चौरा नदी पर बनाए गए मिनी चेक डैम जलस्रोत पिछले कई वर्षों से पुनर्स्थापना के साथ-साथ मरम्मती का बाट जोह रहा है। गौरतलब है कि लगभग 22 वर्ष पहले सिंचाई की दृष्टिकोण से बनाए गए चौड़ा नदी पर मिनी चेकडैम जलस्रोत का कच्ची बांध एवं पक्की बांध जगह-जगह टूटकर पूरी तरह से बर्बाद होकर रह गया है। जिसके कारण इस जलस्रोत का सारा पानी सिंचाई के पहले ही दूसरी ओर गिरकर बर्बाद हो जा रहा है। तारापुर नगर पंचायत के अंतर्गत पड़ने वाले गांवों में गाजीपुर धौनी सोनडीहा एवं पढ़भड़ा पंचायत क्षेत्र के कई गांवों के किसानों के लिए सिंचाई के दृष्टिकोण से प्रमुख जलस्रोत के रूप में माना जाता है । इस जलाशय से क्षेत्र के लगभग 3 हजार हेक्टेयर दो फसला जमीन का पटवन होता है । सामाजिक कार्यकर्ता जितेंद्र कुशवाहा पूर्व मुखिया चंद्रशेखर चौधरी पूर्व मुखिया विजय यादव किसान प्रकाश यादव मनोज पासवान ने बताया कि क्षेत्र के किसान इस जलाशय कि पानी से सालों भर धान गेहूं मकई चना मसूर रैचा सहित हरी सब्जी की खेती कर खुशहाल रहा करते थे, लेकिन पिछले कई वर्षों से मात्र दो फसल धान एवं गेहूं पर ही किसानों को संतोष करना पड़ रहा है। इसकी मरम्मती एवं पुनर्स्थापना के साथ-साथ इसके भिंड से अतिक्रमण हटाने को लेकर कई बार किसानों ने सिंचाई प्रमंडल तारापुर के अधिकारी से मिलकर अपनी बातों को पहुंचाया है, पर आज तक अतिक्रमण हटाने से लेकर इसकी मरम्मती का काम नहीं कराया गया है। जिसके कारण किसानों को इस जलाशय से सिंचाई के लिए भरपूर मात्रा में पानी नहीं मिलता है।

आज से किसान ऐप के जरिए होगी खाद की बुकिंग

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। अनुमंडल क्षेत्र के किसानों के लिए खाद की खरीदारी को लेकर आज से नई डिजिटल व्यवस्था लागू हो गई है। अब किसानों को अपनी जरूरत के अनुसार खाद प्राप्त करने के लिए किसान ऐप के माध्यम से ऑनलाइन बुकिंग करनी होगी। इस व्यवस्था के तहत किसानों के लिए फार्मर आईडी अनिवार्य कर दी गई है। प्रखंड कृषि पदाधिकारी सूरज कुमार ने बताया कि नई व्यवस्था का उद्देश्य खाद वितरण में पारदर्शिता लाना और किसानों को समय पर उनकी जरूरत के मुताबिक खाद उपलब्ध कराना है। किसान अपने मोबाइल के माध्यम से खाद की बुकिंग कर सकेंगे। बुकिंग के दौरान आधार संख्या एवं ओटीपी के माध्यम से किसान का सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद किसान अपनी फसल और जमीन से संबंधित विवरण दर्ज कर खाद की मांग कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था को लेकर किसान सलाहकार, कृषि समन्वयक एवं खाद विक्रेताओं को प्रशिक्षण भी दिया गया है। किसानों से अपील की गई है कि वे जल्द से जल्द अपनी फार्मर आईडी बनवा लें, ताकि खाद की बुकिंग में किसी प्रकार की परेशानी न हो।ऐसे मिलेगी खाद किसानों को गूगल प्ले स्टोर से एफपीओएस ऐप डाउनलोड करना होगा। इसके बाद आधार नंबर अथवा फार्मर आईडी के माध्यम से प्रक्रिया पूरी कर ओटीपी से सत्यापन करना होगा। अपनी आवश्यकता के अनुसार खाद की बुकिंग करने के बाद किसान को क्यूआर कोड अथवा ई-टोकन प्राप्त होगा।

शिक्षक दिवस पर टेटिया बंबर में उत्कृष्ट शिक्षकों का सम्मान

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। प्रखंड संसाधन केंद्र, टेटिया बंबर में शिक्षक दिवस के अवसर पर बुधवार को शिक्षक दिवस सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत बीडीओ एवं बीईओ निशा राय सहित उपस्थित पदाधिकारियों और शिक्षकों ने दीप प्रज्वलित कर की। इसके बाद भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

समारोह के दौरान शिक्षक दिवस मनाने के उद्देश्य और शिक्षा के क्षेत्र में डॉ. राधाकृष्णन के योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई। बीडीओ एवं बीईओ निशा राय ने शिक्षकों के साथ केक काटकर शिक्षक दिवस की खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर उत्कृष्ट एवं समर्पित शिक्षकों को उनके बेहतर कार्य और योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र एवं मेमेंटो देकर सम्मानित किया गया। शिक्षण कार्य में उत्कृष्ट योगदान के लिए धनंजय कुमार, संतोष कुमार, हीरा प्रसाद साह, किरण कुमारी, अश्वनी कुमार, कुमारी प्रेरणा एवं मनोज कुमार ठाकुर को सम्मानित किया गया। वहीं बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) कार्य में सराहनीय योगदान के लिए आनंद कौशल, त्रिभुवन कुमार, सहदेव कुमार, पवन कुमार, शशि भूषण एवं सुनील कुमार को सम्मान मिला।

पैक्स जनगणना में योगदान के लिए सज्जन कुमार सिंह एवं सुमन सौरभ को सम्मानित किया गया। वहीं जनगणना कार्य में बेहतर योगदान देने वाले कुमार राहुल, राजेश कुमार शर्मा, निधि कुमारी एवं रश्मि शर्मा को भी प्रशस्ति पत्र एवं मेमेंटो प्रदान किया गया। इसके अलावा पीबीएल (प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग) से जुड़े शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर बीडीओ एवं बीईओ निशा राय ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र और समाज के भविष्य के निर्माता हैं। बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण, शिक्षा के प्रसार और उन्हें सही दिशा देने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षक केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए संस्कार, अनुशासन और सही मार्गदर्शन भी प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि सम्मान समारोह का उद्देश्य उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों के योगदान को पहचान देना और उनका उत्साह बढ़ाना है। ऐसे सम्मान से अन्य शिक्षक भी अपने दायित्वों को और बेहतर तरीके से निभाने के लिए प्रेरित होंगे। समारोह में शिक्षक सज्जन कुमार, सुमन कुमार, समित मानकर समेत बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

अंगिका कवि प्रो. जायसवाल हुए सम्मानित

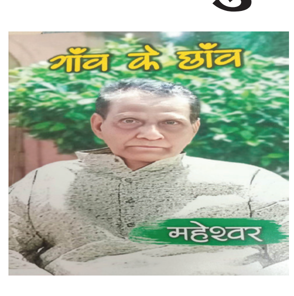

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। नीलांबरी फाउंडेशन मुम्बई ने प्रो. महेश्वर प्रसाद जायसवाल को अंगिका कविता संग्रह गांव के छांव के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्हें चादर और पुष्प गुच्छ भेंट किया गया। मौके पर उपस्थित कवियों ने भाव-विभोर होकर उनकी अंगिका कविता पाठ का आनन्द लिया।ज्ञात हो कि प्रो. जायसवाल गणित के प्राध्यापक रहे हैं। हाल ही में उनकी अंगिका कविता संग्रह गांव के छांवह्व प्रकाशित हुई है। जिसे काफी लोकप्रियता मिल रही है। वे मुंबई जैसे महानगरों में अपनी मातृभाषा अंगिका की सुगंध फैलाने में लगे हुए हैं। उनकी सक्रियता इस अस्सी वर्ष की उम्र में भी युवाओं की तरह बनी हुई है। उनके इस कविता संग्रह में छोटी-छोटी कविताएं हैं और गांव की याद को तरोताजा महसूस कराती है। इसमें बचपन की यादों को पिरोया गया है। जो पढ़ने में हर किसी को बचपन की याद दिला देता है। मुम्बई में इनके सम्मानित होने पर बिहार और खासकर पटना के अंगिका साहित्यकार व शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके स्वस्थ जीवन की मंगलकामना के साथ ही बधाई दी है। इसमें डॉ. विभुरंजन, श्रीकांत व्यास, विधु शेखर पाण्डेय, डॉ. आर. प्रवेश, इ. गोविन्द जायसवाल, सेवानिवृत्त प्राचार्य अवधेश जायसवाल, साउथ बिहार केन्द्रीय विश्विवद्यालय गया में पत्रकारिता विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. शोभित सुमन, इ. शेखर खागरी, देवेश पोद्दार, सरस्वती कुमारी, टी. एन.बी. कॉलेज में हिन्दी के सहायक प्राध्यापक डॉ. अमलेन्दु कु. अंजन, हलसी डिग्री कॉलेज लखीसराय के प्राचार्य डॉ. चंदन कुमार, गोरेलाल मेहता कॉलेज बनमनखी के प्राचार्य प्रो. प्रमोद भारतीय आदि थे।

मजदूर की तलाश में निकले युवक से लूटपाट नकदी और बाइक लेकर बदमाश फरार

प्रात : किरण संवाददाता

धरहरा (मुंगेर)। धरहरा थाना क्षेत्र में लूटपाट की एक घटना सामने आई है। गोविंदपुर गांव के रहने वाले 35 वर्षीय गुलशन कुमार पिता स्व. जागेश्वर तांती के साथ बदमाशों ने मारपीट कर 21 हजार रुपये, मोबाइल और मोटरसाइकिल लूट ली।

पीड़ित के अनुसार वह मंगलवार की देर शाम मनकोठिया मुसहरी में मजदूरों को बुलाने के लिए जा रहा था। कोरासी दुकान के पास पहुंचते ही तीन बाइक पर सवार छह युवकों ने उसे घेर लिया और जबरन बाइक की चाबी छीन ली। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और जेब में रखे करीब 21 हजार रुपये निकाल लिए।आरोप है कि इसके बाद बदमाश उसे जबरन अपने साथ खींचकर ले जाने लगे। लगभग चार किलोमीटर दूर घटवारी गांव के पास पहुंचने पर गुलशन ने शोर मचा दिया। शोर सुनकर ग्रामीण इकट्ठा हो गए और उसे बदमाशों के चंगुल से मुक्त कराया। ग्रामीणों को आते देख सभी आरोपी भागने लगे। भागने के क्रम में पीड़ित की बाइक लेकर आरोपी फरार हो गए, लेकिन ग्रामीणों ने बदमाशों की एक बाइक पकड़कर पुलिस को सौंप दी है। बताया जाता है कि सभी आरोपी खुदीवान मसूदन टोला के मुर्गा फार्म के आसपास के रहने वाले हैं। घटना में घायल गुलशन को ग्रामीणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धरहरा पहुंचाया। सूचना पर पुलिस अस्पताल पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने पकड़ी गई बाइक को जब्त कर लिया है।इस संबंध में थानाध्यक्ष विभांशु शेखर भास्कर ने कहा कि घटना की जानकारी मिली है। पीड़ित के लिखित आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

टेटिया बंबर में जांच एवं उपचार, चिकित्सा आपके द्वार महाअभियान शुरू

घर-घर पहुंचेगी स्वास्थ्य विभाग की टीम, 30 नवंबर तक चलेगा अभियान; 15 से अधिक प्रकार की जांच होगी मुफ्त

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। प्रखंड क्षेत्र में बुधवार से स्वास्थ्य विभाग की ओर से ह्यजांच एवं उपचार, चिकित्सा आपके द्वारह्व महाअभियान की शुरूआत की गई। अभियान 2 सितंबर से 30 नवंबर 2026 तक चलेगा। इसके तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें वार्ड, पंचायत और मोहल्लों में घर-घर पहुंचकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच करेंगी तथा आवश्यकतानुसार उपचार और स्वास्थ्य संबंधी सलाह उपलब्ध कराएंगी।

अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रखंड की पूरी आबादी को गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की जांच के दायरे में लाना और गंभीर बीमारियों की शुरूआती अवस्था में पहचान कर समय पर इलाज उपलब्ध कराना है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, फैटी लिवर, फेफड़ों से संबंधित बीमारियों सहित विभिन्न प्रकार के कैंसर की समय रहते पहचान पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

कैंसर की शुरूआती जांच पर विशेष जोर अभियान के दौरान लोगों की बीपी और ब्लड शुगर की जांच के साथ कैंसर के संभावित लक्षणों की भी स्क्रीनिंग की जाएगी। मुंह, स्तन और सर्वाइकल कैंसर की शुरूआती जांच पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जांच के दौरान किसी व्यक्ति में बीमारी के लक्षण पाए जाने पर उसे आगे की जांच और उपचार के लिए संबंधित स्वास्थ्य केंद्र भेजा जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अभियान के दौरान 15 से अधिक प्रकार की स्वास्थ्य जांच मुफ्त की जाएगी।

जरूरत के अनुसार मरीजों को दवा, चिकित्सकीय सलाह और फॉलो-अप की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

18 स्थानों पर चल रहा अभियान : प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अंसार अहमद ने बताया कि प्रखंड में अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए कुल 18 स्थानों पर स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था की गई है।

इनमें हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं।

अभियान में आशा कार्यकर्ता, एएनएम, सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी, एमपीडब्ल्यू, लैब टेक्नीशियन और चिकित्सकों की टीमें शामिल हैं।

जांच कराने वाले प्रत्येक मरीज की जानकारी एनसीडी पोर्टल पर दर्ज की जाएगी, ताकि मरीजों की नियमित निगरानी और आगे के उपचार एवं फॉलो-अप में सुविधा हो सके।स्वास्थ्य विभाग ने प्रखंडवासियों से अपील की है कि घर-घर पहुंचने वाली स्वास्थ्य टीमों का सहयोग करें और समय पर अपनी स्वास्थ्य जांच अवश्य कराएं। विभाग का मानना है कि नियमित जांच से गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान कर उनका बेहतर उपचार संभव है।

खजुरिया गांव में केस उठाने की धमकी और 2 लाख रंगदारी मांगने वाला कुख्यात नीतीश गिरफ्तार

मुंगेर पुलिस का एक्शनः पुलिस ने खोली पोल, कुख्यात नीतीश समेत 2 गिरफ्तार, 4 की तलाश जारी

प्रात : किरण संवाददाता

धरहरा (मुंगेर)। धरहरा में कानून को ठेंगा दिखाने वाले एक रंगबाज का दुस्साहस उसी पर भारी पड़ गया। आधी रात को हथियारों के साथ पीड़िता के घर पहुंचकर केस उठाने की धमकी और 2 लाख की रंगदारी मांगने वाले कुख्यात बदमाश को पुलिस ने जाल बिछाकर दबोच लिया है। गिरफ्तार बदमाश की पहचान थाना क्षेत्र के गोविंदपुर गांव निवासी कुख्यात नीतीश कुमार, पिता सत्यनारायण साव के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके एक अन्य साथी जो लड़ैयाटॉड थाना क्षेत्र के खजुरिया गांव निवासी राजकुमार मंडल के 26 वर्षीय पुत्र कृष्ण मंडल उर्फ छोटू मंडल को भी गिरफ्तार किया है।

आधी रात दरवाजा पीटकर दी धमकी :

खजुरिया गांव की गुड़िया देवी, पति स्व. मुकेश मंडल ने बताया कि मंगलवार रात करीब 9:30 बजे दो बाइकों पर सवार 5-6 हथियारबंद बदमाश उनके घर धमक पड़े। दरवाजा पीटते हुए चिल्लाने लगे - ह्लकेस वापस लो, 2 लाख रुपये दो, नहीं तो अंजाम भुगतना पड़ेगा।ह्व दहशत में आई महिला ने हिम्मत दिखाते हुए सीधे एसपी और धरहरा थाना को फोन लगा दिया।

सूचना मिलते ही कासिम बाजार, धरहरा और लड़ैयाटांड़ थाने की संयुक्त टीम ने इलाके की घेराबंदी कर दी। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो पूरी वारदात कैद मिली, जिसमें नीतीश साफ तौर पर गुड़िया देवी का दरवाजा खटखटाते दिख रहा है। इसी सबूत के आधार पर पुलिस ने ताबड़तोड़ छापेमारी कर उसे धर दबोचा।

अपराध का चलता-फिरता इतिहास है नीतीश :

पुलिस के लिए नीतीश कोई नया नाम नहीं है, यह अपराध की फैक्ट्री है। 1. अपहरण कांड (3 जनवरी 2024): इसी गुड़िया देवी के बेटे सन्नी कुमार का मसूदन स्टेशन के पास चलती डीएमयू ट्रेन से हथियार के बल पर अपहरण कर लिया था। आरोप है कि वह उनकी बेटी को परेशान करता था। पुलिस ने मोबाइल लोकेशन ट्रेस कर बेटे को सकुशल बरामद किया था।

2. बच्चे की आंख में गोली कांड (7 जनवरी 2025): दुकान से सिगरेट नहीं लाने पर मासूम अंशु कुमार की आंख में गोली मार दी थी। इस मामले में पटना पुलिस ने 20 जनवरी को इसे धरहरा पुलिस के हवाले किया था, तब पूछताछ में भागने और पुलिस पर फायरिंग करने पर जवाबी कार्रवाई में इसके पैर में गोली लगी थी। 03 अनपनी ही चाची पर जमीनी विवाद में फायरिंग और पुलिस टीम पर हमला करने जैसे संगीन मामले भी इस पर दर्ज हैं। थानाध्यक्ष विभांशु शेखर भास्कर ने बताया, पीड़िता के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। नीतीश समेत दो को जेल भेजा गया है। बाकी आरोपियों की पहचान कर ली गई है।

संक्षिप्त समाचार

एनएचएआई टोल प्लाजा कलेक्शन धोखाधड़ी मामले में ईडी का एक्शन, दिल्ली-यूपी समेत सात राज्यों में मारा छापा

लखनऊ/दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को कई राज्यों में छापामारी की। यह छापामारी नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के अलग-अलग टोल प्लाजा पर धोखाधड़ी से टोल वसूली से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत की गई। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, दिल्ली-एनसीआर और पश्चिम बंगाल में लगभग 14 जगहों पर तलाशी ली गई। केंद्रीय एजेंसी द्वारा पुलिस की दो एफआईआर का संज्ञान लेने के बाद प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत यह कार्रवाई शुरू की गई। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि टोल रसीदें बनाने के लिए अनधिकृत सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन का इस्तेमाल किया गया और टोल से हुई कमाई को आधिकारिक अकाउंटिंग सिस्टम से बाहर डायवर्ट किया गया। ईडी अधिकारियों ने बताया कि फोरेंसिक जांच और नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के रिकॉर्ड से ऐसे सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल की पुष्टि हुई है। उन्होंने कहा कि इस छापेमारी का मकसद डिजिटल और दस्तावेजी सबूत जुटाना, लाभार्थियों की पहचान करना और अपराध से हुई कमाई का पता लगाना है।

अखबार के दफ्तर के बाहर विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी, शुभेंदु अधिकारी ने हेडलाइन को लेकर जताई थी आपत्ति

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल की राजधानी कोलकाता में एक अखबार के दफ्तर के बाहर केसरिया कपड़े पहने 25–30 प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने अखबार की हालिया कवरेज के खिलाफ नारे लगाए और मुख्य प्रवेश द्वार के पास बने दो खंभों पर केसरिया रंग पोत दिया। प्रदर्शनकारी दोपहर करीब 1 बजे प्रफुल्ल सरकार स्ट्रीट पर स्थित अखबार के दफ्तर पहुंचे। मौके पर भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बीच, समूह के कुछ सदस्यों ने धरने पर बैठने से पहले मुख्य गेट पर केसरिया रंग का दुपट्टा (स्टोल) डाल दिया। प्रदर्शनकारियों ने हिंदी और बंगाली दोनों भाषाओं में नारे लगाए। लगभग 30 मिनट तक विरोध–प्रदर्शन करने के बाद प्रवेश द्वार के दोनों ओर बने दो सफेद खंभों पर केसरिया रंग लगा दिया। बाद में अखबार के मैनेजमेंट ने इस रंग को हटा दिया और एक घंटे के भीतर खंभों को उनके मूल रंग में वापस ला दिया। बीजेपी के प्रवक्ता देबजीत सरकार ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि वहां कौन–कौन गया था। केसरिया रंग पहनना कोई राजनीतिक पहचान नहीं हो सकती। अगर किसी खास व्यक्ति की पहचान होती है तो पार्टी उस पर टिप्पणी कर सकती है। हमारी पार्टी किसी भी जगह पर हमले का समर्थन नहीं करती है।

छत्तीसगढ़ एचसी बोला- बीमार मां को न छोड़ना क्रूरता नहीं, तलाक मंजूर

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने सोमवार को कहा कि किसी पति का अपनी बूढ़ी और बीमार मां को छोड़कर कहीं और रहने से इनकार करना उसकी पत्नी के प्रति क्रूरता नहीं माना जा सकता, क्योंकि शादी से माता–पिता के प्रति व्यक्ति की जिम्मेदारियां खत्म नहीं होतीं। जस्टिस नरेश कुमार चंद्रवंशी ने अपनी पत्नी से तलाक चाहने वाले एक व्यक्ति की अपील को मंजूरी दी, उसकी तलाक की अर्जी खारिज करने वाले ट्रायल कोर्ट के आदेश को रद किया और शादी को खत्म कर दिया। हाई कोर्ट ने पत्नी की इस जिद पर ध्यान दिया कि उसका पति किसी दूसरे घर में रहे और कहा कि अलग घर की मांग को हमेशा क्रूरता नहीं माना जा सकता, क्योंकि जीवनसाथी के पास अलग घर चाहने के वाजिब कारण हो सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि यह देखना जरूरी था कि क्या ऐसी जिद हालात के हिसाब से सही थी या यह पति को अपने माता–पिता से रिश्ता तोड़ने या बदलने के लिए मजबूर करने की अनुचित कोशिश थी। इस मामले में पति की मां बहुत बूढ़ी और बीमार थीं। हाई कोर्ट ने कहा कि पति का यह कहना कि वह अपनी मां से दूर नहीं होना चाहता, न तो अप्राकृतिक था। (* और न ही अनुचित। बल्कि, यह परिवार के प्रति एक वाजिब जिम्मेदारी को दिखाता है, जिस पर वह यह तय करते समय विचार कर सकता था कि कहां रहना है। हाई कोर्ट ने इस बात पर भी जोर दिया कि वैवाहिक रिश्ता किसी भी जीवनसाथी को दूसरे को पहले से चली आ रही पारिवारिक जिम्मेदारियों को छोड़ने या उनसे मुंह मोड़ने के लिए मजबूर करने का असीमित अधिकार नहीं देता।

लखनऊ में अखिलेश-मायावती के राजनीतिक द्वंद्व की कहानी, योगी राज में शुरू विक्रमादित्य मार्ग पुल का निर्माण

लखनऊ, एजेंसी। विक्रमादित्य मार्ग पर मंगलवार से रेलवे ने जिस रोड ओवरब्रिज का निर्माण शुरू कर दिया, वह पुल कभी सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और बसपा सुप्रीमो मायावती के बीच राजनीतिक द्वंद का कारण बना था। अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री रहते हुए माल एवेन्यू रेलवे क्रासिंग पर रोड ओवरब्रिज बना दिया था। ओवरब्रिज बसपा सुप्रीमो मायावती के आवास और कार्यालय के सामने से गुजरा। इसके बदले अखिलेश यादव के विक्रमादित्य मार्ग स्थित सरकारी आवास के सामने से दिलकुशा की ओर रोड ओवरब्रिज बनाने की योजना को रेल मंत्रालय ने मंजूरी दे दी थी। अब जबकि अखिलेश यादव यह आवास खाली कर चुके हैं, भाजपा सरकार में शुरू हुए इस पुल के निर्माण ने राजनीतिक चर्चाओं को हवा दे दी है। माल एवेन्यू रेलवे क्रासिंग पर पुल बनाने की योजना वर्ष 2003 से 2007 की सरकार के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने बनायी

थी। हालांकि वर्ष 2007 में बसपा सुप्रीमो मायावती मुख्यमंत्री बनी तो उन्होंने अपने घर के सामने पुल बनाने की योजना को रद कर दिया। यूपीए सरकार में वर्ष 2011 के रेल बजट में मुलायम सिंह यादव के विक्रमादित्य मार्ग स्थित आवास के सामने से दिलकुशा तक रेलवे क्रासिंग 213 पर ओवरब्रिज बनाने की योजना स्वीकृत हो गई। माना जा रहा है कि इस योजना को तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती के आग्रह पर रेल मंत्रालय ने स्वीकृति प्रदान की थी। एक दूसरे के घर के सामने पुल बनाने के प्रयासों से बढ़ी नाराजगी को वर्ष 2012 में अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री रहते हुए बढ़ा दिया। अखिलेश यादव ने बसपा सरकार के पुल बनाने के प्रोजेक्ट को रद करने के आदेश को वापस ले लिया। वर्ष 2013 में करीब 44 करोड़ रुपये की लागत से मायावती के आवास और बसपा कार्यालय से सेना भर्ती मुख्यालय के सामने तक पुल बनाने का शिलान्यास हो गया। अपने हिस्से का 655.94 मीटर के हिस्से का निर्माण कर लिया, लेकिन दबाव में आया रेलवे इस प्रोजेक्ट से पीछे हट गया। उसने रेलवे क्रासिंग के ऊपर के काम को भी सेतु निगम को सौंप दिया। तब निगम ने इस कार्य को पूरा किया और चार नवंबर 2014 को तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस पुल का लोकार्पण किया। मायावती के घर के सामने पुल बनने के बाद अब बारी उस समय अखिलेश यादव के विक्रमादित्य मार्ग स्थित आवास के सामने पुल बनाने की थी।

तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा की सुरक्षा में तैनात रहेंगे दो पुलिसकर्मी, हाई कोर्ट का बंगाल सरकार को निर्देश

कोलकाता, एजेंसी। कलकत्ता हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा को उनके संसदीय क्षेत्र में जाने के दौरान पुलिस सुरक्षा देने का निर्देश दिया है। मंगलवार को न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने निर्देश दिया कि महुआ जब भी अपने संसदीय क्षेत्र में प्रवेश करेंगी, उनके साथ कम से कम दो पुलिसकर्मी तैनात किए जाएं। यह सुरक्षा फिलहाल 30 दिनों के लिए दी गई है। मामले की अगली सुनवाई एक अक्टूबर को होगी। अदालत ने कहा कि महुआ को अपने संसदीय क्षेत्र में काम करने के दौरान किसी तरह की परेशानी या उत्पीड़न का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करना राज्य की जिम्मेदारी है। सांसद को अपने क्षेत्र में जाने से रोकना या उनके साथ किसी तरह का हमला अथवा दुर्व्यवहार उचित नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि महुआ को अपने संसदीय क्षेत्र में जाने की तारीखों की जानकारी पहले पुलिस को देनी होगी। उसी के अनुसार पुलिस सुरक्षा की व्यवस्था करेगी। महुआ ने कोर्ट का रुख करते हुए आरोप लगाया था कि अपने संसदीय क्षेत्र में जाने पर उन्हें घेरकर विरोध–प्रदर्शन किया जाता है और राजनीतिक उद्देश्य से माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जाती है।

हिमाचल के 5 जिलों में बारिश का अलर्ट, नाहन–श्रीरेणुकाजी रोड पर दरका पहाड़

शिमला/नाहन, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में बारिश का दौर लगातार जारी है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने पांच सितंबर तक प्रदेश के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना जताई है। तीन सितंबर तक चंबा, कांगड़ा, मंडी, बिलासपुर और सिरमौर जिले में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है। प्रदेश में वर्षा व भूस्खलन के कारण 60 सड़कें बंद हैं। अधिकतर सड़कें ग्रामीण क्षेत्रों की बंद हैं। प्रदेश में 30 जून से एक सितंबर तक 1200 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है।

जिला सिरमौर में नाहन ददाहू श्रीरेणुकाजी मार्ग नैहली के पास पूरी तरह बंद हो गया है, जिसे बहाल करने में काफी समय लग सकता है। यहां पहाड़ी दरक गई है। एसडीएम नाहन राजीव संख्यान ने लोगों से अपील की है कि नाहन से ददाहू श्रीरेणुकाजी जाने वाले लोग जमटा से बिरला होते हुए अथवा शिलनू-कैलाश मार्ग का उपयोग करें। इसी तरह ददाहू श्रीरेणुकाजी से नाहन आने वाले यात्रियों को भी इन्हीं वैकल्पिक मार्गों से सफर करने की सलाह दी गई है।

उधर, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सिरमौर के अनुसार बारिश के कारण जिले में 18 सड़कें बंद अथवा प्रभावित हैं। इनमें नाहन मंडल की 14 और पांवटा साहिब मंडल की 4 सड़कें शामिल हैं। लगातार बारिश से लोक निर्माण विभाग को करीब 3 करोड़ 16 लाख 50 हजार रुपए का नुकसान आंका गया है।

वहीं जल शक्ति विभाग की 35 पेयजल एवं सिंचाई योजनाएं प्रभावित हुई हैं। इनमें नौहराधार क्षेत्र की 24 और नाहन क्षेत्र की 11 योजनाएं शामिल हैं। जल शक्ति विभाग को करीब 2 करोड़ 22 लाख 50 हजार रुपए के नुकसान का अनुमान है। प्रदेश में अगस्त में सामान्य से 17 प्रतिशत कम वर्षा हुई है। प्रदेश में सामान्य वर्षा 256.8 मिलीमीटर की अपेक्षा 212.5 दर्ज की गई। वर्ष 1901 के बाद अगस्त की 29वीं सबसे कम वर्षा है।

मकान गिरने से बुजुर्ग महिला की मौत

सुलह विधानसभा क्षेत्र के तहत साम्बा पंचायत के वार्ड दो में सोमवार रात स्लेटपोश मकान की छत गिरने से 106 वर्षीय लच्छी देवी पत्नी स्वर्गीय मंगत राम की दबने से मौत हो गई। लच्छी देवी पुराने कच्चे मकान में अकेली रहती थीं। उनके तीन बेटे हैं, जिनमें से एक की पहले ही मौत हो चुकी है। दूसरे बेटों चूड़ामणि नाग व राज कुमार ने कच्चे मकान के साथ ही अलग पक्के मकान बनाए हैं और वहीं रहते हैं। भवारना पुलिस ने स्वजन के बयान दर्ज किए। पंचायत के प्रधान संजय गुलेरिया भी मौजूद रहे।

नैनीताल-बागेश्वर-देहरादून में भारी से बहुत भारी वर्षा की चेतावनी, आरेंज अलर्ट; 3 जिलों के स्कूल बंद

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में मानसून के तेवर तल्ख बने हुए हैं। पहाड़ से मैदान तक घने बादलों का डेरा है और अधिकांश क्षेत्रों में भारी बारिश का दौर जारी है। लगातार वर्षा से नदियां उफान पर हैं, निचले इलाकों में जलभराव से जनजीवन प्रभावित है, जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन के कारण यातायात व्यवस्था पर भी असर पड़ रहा है। आकाशीय बिजली की चमक और बादलों की तेज गर्जना से लोग सहमे हुए हैं। आज भी प्रदेश में देहरादून-नैनीताल समेत तीन जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, सोमवार रात को देहरादून और हरिद्वार में बारिश आफत बन गई। यहां कई इलाकों में 100 मिमी से अधिक वर्षा हुई। जिससे आवासीय क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बन गए और घरों में पानी व मलबा घुस गया। नैनीताल में बीती रात से बारिश थमी है, घने बादल छाए हुए हैं। झील से 18 इंच पानी की निकासी हुई है। निकासी द्वार 24 घंटे से खुले हैं। नैनीताल में 40 सड़कें बंद हैं और यहां आज ऑरेंज अलर्ट के चलते विद्यालयों में अवकाश घोषित किया गया है।

पहाड़ों में भारी बारिश से जगह-जगह भूस्खलन हो रहा है और मार्ग बाधित हो रहे हैं। कई मुख्य मार्गों पर भी आवाजाही प्रभावित हो रही है। लगातार हो रही बारिश से ज्यादातर क्षेत्रों का अधिकतम तापमान सामान्य से बहुत कम दर्ज किया गया। वहीं बागेश्वर में रात भर बारिश हुई, बारिश के बाद से 12 सड़कें और स्कूल बंद हैं। प्रशासन ने यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं पिथौरागढ़ में बारिश हो रही है और करीब 17 मार्ग बंद हैं। कक्षा 1 से कक्षा 12 तक के सभी विद्यालयों में आज अवकाश घोषित किया गया है।

आज तीन जिलों में ऑरेंज अलर्ट

मौसम विभाग ने बुधवार के लिए नैनीताल, बागेश्वर और देहरादून में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन तीनों जिलों में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। साथ ही कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने और वर्षा के अति तीव्र से अत्यंत तीव्र दौर की चेतावनी दी गई है। वहीं, प्रदेश के शेष जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है।

घातक बाढ़ के बाद नेपाल की बड़ी मांग, भारत-चीन और अमेरिका से मांगा 'क्लाइमेट मुआवजा'

बीजिंग, एजेंसी। नाशकारी बाढ़ के बाद नेपाल ने अंतरराष्ट्रीय मदद को लेकर अपना रुख और मुखर करते हुए अब जलवायु मुआवजे की मांग उठाई है। नेपाल का कहना है कि वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में उसका योगदान बेहद कम है, लेकिन जलवायु परिवर्तन का सबसे गंभीर असर हिमालयी देशों को झेलना पड़ रहा है। ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और चरम मौसम की घटनाएं बढ़ रही हैं। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा कि नेपाल अब जलवायु आपदाओं के बाद मिलने वाली सहायता को केवल मानवीय मदद के रूप में नहीं देखना चाहता। उसका जोर जलवायु जिम्मेदारी और मुआवजे पर है। उन्होंने कहा कि नेपाल अपनी कूटनीतिक रणनीति को मदद से न्याय और मुआवजे की ओर ले जा रहा है। खनाल के मुताबिक, यह किसी देश की ओर से दी जाने वाली चैरिटी का मामला नहीं है, बल्कि जलवायु संकट के लिए जिम्मेदारी तय करने और प्रभावित देशों को मुआवजा देने का सवाल है। उन्होंने कहा कि नेपाल ने इस संबंध में अंतरराष्ट्रीय साझेदारों को औपचारिक क्लाइमेट कंपेंसेशन क्लेम लेटर भी भेजा है। नेपाल ने संयुक्त राष्ट्र से पांच अरब डालर की मदद की मांग की है। नेपाल के विदेश मंत्री ने चीन, अमेरिका और भारत को दुनिया के प्रमुख औद्योगिक उत्सर्जकों में शामिल बताते हुए कहा कि ऐतिहासिक रूप से अधिक उत्सर्जन करने वाले देशों की जिम्मेदारी बनती है कि वे नेपाल जैसे जलवायु–संवेदनशील देशों की मदद करें। उन्होंने कहा कि चीन दुनिया का सबसे बड़ा औद्योगिक उत्सर्जक है और उसके बाद अमेरिका तथा भारत का स्थान आता है। नेपाल का तर्क है कि जिन देशों का उत्सर्जन अधिक रहा है, उनकी जिम्मेदारी भी जलवायु परिवर्तन से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों के प्रति अधिक होनी चाहिए।

अमेरिका में शटडाउन का संकट टला

प्रतिनिधि सभा ने दिसंबर तक फंडिंग वाला बिल पास किया, अब ट्रंप की मंजूरी बाकी

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) ने मंगलवार को एक अस्थायी विधेयक पारित किया। इसका मकसद संघीय सरकार के कामकाज के लिए दिसंबर की शुरुआत तक धन उपलब्ध कराना है। यह कदम इसलिए उठाया गया है, ताकि सांसदों के दोबारा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान सरकार का कामकाज बंद (शटडाउन) न हो। सांसदों के लिए सितंबर के आखिर में खत्म हो रहे वित्त वर्ष से पहले यह कदम उठाना जरूरी था। ऐसा नहीं करने पर सरकारी कामकाज के लिए पैसा खत्म हो सकता था। सांसद नहीं चाहते थे कि चुनाव प्रचार के दौरान सरकार के कामकाज को लेकर कोई संकट खड़ा हो। पिछले साल भी सरकार के कामकाज के लंबे समय तक बंद रहने से बड़ा संकट पैदा हुआ था। प्रतिनिधि सभा ने 370-48 वोट से विधेयक पारित किया। सीनेट इसे पहले ही भारी बहुमत से मंजूर कर चुका है। अब यह विधेयक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास जाएगा। उनकी मंजूरी के बाद यह कानून बन जाएगा। प्रतिनिधि सभा की विनियोग समिति के अध्यक्ष सांसद टॉम कोल ने कहा कि इससे देश और लोगों को यह भरोसा मिलेगा कि सरकार का कामकाज चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि इससे यह भी तय रहेगा कि सेना के जवानों को उनका वेतन मिलता रहेगा। पिछली शरद ऋतु में रिकॉर्ड 43 दिनों तक सरकारी

कामकाज बंद रहा था। दोनों पार्टियों में उस टैक्स क्रेडिट को जारी रखने को लेकर सहमति नहीं बनी थी, जिसकी समय सीमा खत्म हो रही थी। यह टैक्स क्रेडिट अफोर्डेबल केयर एक्ट के तहत मिलने वाली स्वास्थ्य बीमा योजनाओं की लागत कम करता है। इसके बाद गृह सुरक्षा विभाग का कामकाज भी बंद हुआ था। यह शटडाउन 76 दिनों तक चला। बाद में सांसदों ने विभाग के बड़े हिस्से के लिए फंडिंग पर सहमति बना ली। हालांकि, आव्रजन कानून लागू करने से जुड़े कामों के लिए फंडिंग नहीं दी गई। सांसद नहीं चाहते थे कि चुनाव से पहले फिर ऐसी स्थिति बने। उन्होंने हाल के गतिरोध के लिए एक-दूसरे की पार्टी को जिम्मेदार ठहराया। प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने वोटिंग से पहले पत्रकारों से कहा कि वे एक और डेमोक्रेटिक शटडाउन के खतरे से बचेंगे। वोटिंग के बाद जॉनसन ने कहा कि प्रतिनिधि सभा ने अपना काम कर दिया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को शक था कि रिपब्लिकन बहुमत अपने अंदर के मतभेदों को दूर कर पाएगा या नहीं। इसके बावजूद समर्थन जुटाया गया। उन्होंने कहा कि वे जिम्मेदारी से काम कर रहे हैं और काम पूरा कर रहे हैं। प्रतिनिधि सभा की विनियोग समिति में डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमुख सांसद रोजा डेलॉरो ने मंगलवार सुबह बंद कमरे में हुई बैठक में अपने साथी डेमोक्रेट सांसदों से बिल के पक्ष में वोट करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह विधेयक उस प्रस्ताव से काफी बेहतर है, जिसे इस साल की गर्मियों की शुरुआत में प्रतिनिधि सभा ने लगभग पार्टी लाइन के आधार पर पारित किया था। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि विधेयक गृह सुरक्षा विभाग को बॉर्डर पेट्रोल के लिए पैसा ट्रांसफर करने से रोकता है। यह उस प्रस्तावित नियम को भी टालता है, जिसके तहत ट्रंप प्रशासन में राजनीतिक नियुक्ति पाने वाले अधिकारियों को उन संघीय अनुदानों को रोकने की ज्यादा ताकत मिल जाती, जिन्हें वे राष्ट्रपति के एजेंडे के मुताबिक नहीं मानते।

अमेरिका में शटडाउन का संकट टला?

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) ने मंगलवार को एक अस्थायी विधेयक पारित किया। इसका मकसद संघीय सरकार के कामकाज के लिए दिसंबर की शुरुआत तक धन उपलब्ध कराना है। यह कदम इसलिए उठाया गया है, ताकि सांसदों के दोबारा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान सरकार का कामकाज बंद (शटडाउन) न हो। सांसदों के लिए सितंबर के आखिर में खत्म हो रहे वित्त वर्ष से पहले यह कदम उठाना जरूरी था। ऐसा नहीं करने पर सरकारी कामकाज के लिए पैसा खत्म हो सकता था। सांसद नहीं चाहते थे कि चुनाव प्रचार के दौरान सरकार के कामकाज को लेकर कोई संकट खड़ा हो। पिछले साल भी सरकार के कामकाज के लंबे समय तक बंद रहने से बड़ा संकट पैदा हुआ था। प्रतिनिधि सभा ने 370–48 वोट से विधेयक पारित किया। सीनेट इसे पहले ही भारी बहुमत से मंजूर कर चुका है। अब यह विधेयक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास जाएगा। उनकी मंजूरी के बाद यह कानून बन जाएगा।प्रतिनिधि सभा की विनियोग समिति के अध्यक्ष सांसद टॉम कोल ने कहा कि इससे देश और लोगों को यह भरोसा मिलेगा कि सरकार का कामकाज चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि इससे यह भी तय रहेगा कि सेना के जवानों को उनका वेतन मिलता रहेगा। पिछले साल कितने लंबे शटडाउन हुए थे?पिछली शरद ऋतु में रिकॉर्ड 43 दिनों तक सरकारी कामकाज बंद रहा था। दोनों पार्टियों में उस टैक्स क्रेडिट को जारी रखने को लेकर सहमति नहीं बनी थी, जिसकी समय सीमा खत्म हो रही थी। यह टैक्स क्रेडिट अफोर्डेबल केयर एक्ट के तहत मिलने वाली स्वास्थ्य बीमा योजनाओं की लागत कम करता है।इसके बाद गृह सुरक्षा विभाग का कामकाज भी बंद हुआ था। यह शटडाउन 76 दिनों तक चला। बाद में सांसदों ने विभाग के बड़े हिस्से के लिए फंडिंग पर सहमति बना ली। हालांकि, आव्रजन कानून लागू करने से जुड़े कामों के लिए फंडिंग नहीं दी गई।
सांसद इस बार क्या चाहते थे? सांसद नहीं चाहते थे कि चुनाव से पहले फिर ऐसी स्थिति बने। उन्होंने हाल के गतिरोध के लिए एक–दूसरे की पार्टी को जिम्मेदार ठहराया। प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने वोटिंग से पहले पत्रकारों से कहा कि वे एक और डेमोक्रेटिक शटडाउन के खतरे से बचेंगे।

एससीओ देशों के घोषणापत्र में ईरान पर अमेरिका के हमलों की निंदा

बिश्केक, एजेंसी। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में एससीओ देशों के राष्ट्राध्यक्षों की बैठक हुई। इसके बाद एक संयुक्त बयान जारी किया गया। इसे 'बिश्केक घोषणापत्र' कहा गया है। इसमें सदस्य देशों ने पश्चिम एशिया में जारी घटनाक्रम पर गहरी चिंता जताई।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों ने मंगलवार को आतंकवाद से लड़ाई में 'दोहरा मापदंड' अपनाने को 'अस्वीकार्य' बताया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई तेज करने की अपील की। इसमें आतंकवादियों की एक देश से दूसरे देश में सीमा पार आवाजाही रोकना भी शामिल है।

बिश्केक में एससीओ देशों के राष्ट्राध्यक्षों की बैठक हुई। इसके बाद एक संयुक्त बयान जारी किया गया। इसे 'बिश्केक घोषणापत्र' कहा गया है। इसमें सदस्य देशों ने पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रम पर गहरी चिंता जताई। साथ ही ईरान पर अमेरिका के हमलों की निंदा की।

एससीओ सदस्य देशों ने हर तरह के आतंकवाद की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि आतंकवाद से लड़ाई में 'दोहरा मापदंड' अपनाना 'अस्वीकार्य' है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी इस संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर किए। बयान में कहा गया कि संयुक्त राष्ट्र को इसमें केंद्रीय भूमिका

निभानी चाहिए। इसके लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संबंधित प्रस्तावों और संयुक्त राष्ट्र की वैश्विक आतंकवाद रोधी रणनीति को पूरी तरह लागू करना चाहिए।

इन देशों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई की अपील की। इसमें आतंकवादियों की सीमा पार आवाजाही को रोकना भी शामिल है। बयान में कहा गया कि संयुक्त राष्ट्र को इसमें अहम भूमिका निभानी चाहिए। इसके लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संबंधित प्रस्तावों और संयुक्त राष्ट्र की वैश्विक आतंकवाद रोधी रणनीति को पूरी तरह लागू करना चाहिए। यह काम संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों के अनुसार होना चाहिए। एससीओ में रूस, चीन, भारत, पाकिस्तान, ईरान, बेलारूस, उज्बेकिस्तान, कजाखस्तान, ताजिकिस्तान और किर्गिज गणराज्य शामिल हैं। घोषणापत्र में कहा गया कि आतंकवाद, अलगाववाद और कट्टरपंथी गतिविधियों के लिए इंटरनेट के इस्तेमाल को रोकना जरूरी है। सदस्य देश अंतरराष्ट्रीय सूचना सुरक्षा और सूचना की सुरक्षा के क्षेत्र में आपसी तालमेल बढ़ाएंगे। साथ ही, वे नए तरह के अपराधों से लड़ने के लिए भी मिलकर काम करेंगे।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496